{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
रविवार 19 जुलाई 2026
आषाढ शुक्ल 05 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 295
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

जंतर मंतर पर 20 दिनों से अनशन कर रहे सोनम वांगचुक को एक सुनियोजित ऑपरेशन के तहत दिल्ली पुलिस ने सुबह-सुबह उठाकर अस्पताल पहुंचाया..

पुलिस के एक्शन पर विपक्ष बोला- जंतर मंतर पर कुचला गया लोकतंत्र

20 को संसद कूच से डरी सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले 20 दिनों से अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक को पुलिस शनिवार को अस्पताल ले गई है। इस दौरान काफी बवाल मचा। इस पूरी कार्रवाई को दिल्ली पुलिस ने बेहद सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया। ये कार्रवाई सुबह के समय की गई जब मौके पर कम भीड़ थी। सूत्रों के मुताबिक, नए पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार के कार्यभार संभालने के बाद हुई एक उच्चस्तरीय बैठक में इस ऑपरेशन की रणनीति तैयार की गई थी, जिसके बाद उसे पूरी तैयारी के साथ अंजाम दिया गया। पुलिस के इस कदम को विपक्ष ने लोकतंत्र विरोधी बताते हुए कहा कि सरकार 20 जुलाई को होने वाले संसद कूच से डर गई है। इसलिए आंदोलन को कुचलने की कोशिश की गई है।

सूत्रों के अनुसार, वरिष्ठ अधिकारियों ने फैसला किया कि कार्रवाई सुबह-सुबह की जाएगी, जब प्रदर्शनकारियों की संख्या सबसे कम होती है। पुलिस ने उस समय का भी चयन किया, जब वांगचुक के करीबी सहयोगी अभिजीत दिपके कुछ समय के लिए प्रदर्शन स्थल से बाहर गए हुए थे। करीब 30-35 पुलिसकर्मी, जिनमें नई दिल्ली जिले की स्पेशल स्टाफ और स्थानीय पुलिस के जवान शामिल थे, सादे कपड़ों में बैरिकेडिंग वाले प्रदर्शन स्थल के भीतर पहुंचे। उन्होंने वर्दी की जगह सादे कपड़े पहने ताकि लोगों की नजरों से बचा जा सके। आम आदमी पार्टी ने 21 दिनों से अनशन पर बैठे प्रसिद्ध शिक्षाविद सोनम वांगचुक को जबरन उठाकर अस्पताल में भर्ती कराने और युवाओं पर लाठीचार्ज करने की कार्रवाई की कड़ी आलोचना की है। आप के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय सिंह ने कहा कि मोदी सरकार सोनम वांगचुक के संसद तक शांतिपूर्ण कूच के आह्वान से डर गई है। इसलिए सुबह-सुबह जनता मंतर पर पुलिस को भेज कर युवाओं पर लाठीचार्ज कराया और सोनम वांगचुक को जबरन अस्पताल में भर्ती करा दिया, ताकि इस आंदोलन को कुचला जा सके।

सफेद चादरों से वांगचुक को ढका

पुलिसकर्मियों ने पहले सोनम वांगचुक के बिस्तर को चारों तरफ से बड़ी सफेद चादरों से ढक दिया और फिर उन्हें मंच से हटाकर बाहर ले गए। इस दौरान कैमरों से बचने की पूरी कोशिश की गई। सूत्रों के मुताबिक शनिवार सुबह जंतर-मंतर पर की गई ये कार्रवाई कोई अचानक नहीं हुई थी। बल्कि एक सोची समझी रणनीति का हिस्सा था। यह पूरा ऑपरेशन तीन स्तरों में अंजाम दिया गया। पहले स्तर पर सादे कपड़ों में मौजूद पुलिसकर्मियों ने मंच को अपने नियंत्रण में लिया और वांगचुक को वहां से हटाया। वहीं दूसरे स्तर पर सीआरपीएफ और रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों ने बैरिकेडिंग के बाहर प्रदर्शनकारियों को रोके रखा ताकि किसी तरह का टकराव न हो। तीसरे स्तर पर दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी एंबुलेंस और पुलिस वाहनों के पास बने कंट्रोल प्वाइंट से पूरे कार्यवाई की निगरानी करते रहे। जैसे ही वांगचुक को एंबुलेंस में बैठाया गया, ट्रैफिक पुलिस ने उनके लिए रास्ता पूरी तरह साफ कराया, जिससे एंबुलेंस बिना किसी बाधा के सीधे सफदरजंग अस्पताल पहुंच गई। बताया जा रहा है कि इस कार्रवाई की जानकारी सिर्फ वरिष्ठ अधिकारियों को थी। वहीं इंस्पेक्टर लेबल के जो थे उन्हें सिर्फ मौके पर पहुंचने का आदेश था।

जंतर मंतर जाने वाले सभी रास्ते बंद

दिल्ली पुलिस ने जंतर मंतर जाने वाले सभी रास्ते बंद कर दिए हैं। पुलिस प्रदर्शनकारियों से जंतर मंतर को खाली करने की अपील कर रही है। डीसीपी नई दिल्ली ने सोशल मीडिया पर कहा कि 'माननीय हाई कोर्ट के आदेश और मेडिकल एक्सपर्ट्स की सलाह के अनुसार, सोनम वांगचुक की बिगड़ती सेहत को देखते हुए उन्हें जरूरी मेडिकल देखभाल के लिए अस्पताल में शिफ्ट किया गया है। पुलिस ने बहुत संयम बरता और यह काम सुरक्षित तरीके से किया। हम जंतर-मंतर पर मौजूद प्रदर्शनकारियों से अपील करते हैं कि वे जल्द से जल्द शांतिपूर्ण तरीके से जगह खाली कर दें'।

मोदी सरकार का सिद्धांत असत्य और हिंसा हैं राहुल गांधी

राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार के मूल सिद्धांत असत्य और हिंसा हैं। सोनम वांगचुक जी को शांतिपूर्ण भूख हड़ताल के दौरान जंतर-मंतर से हटाया जाना गलत है। पेपर लीक, शिक्षा की बढ़ती लागत और छात्रों की आत्महत्याएं भारत के भविष्य से जुड़े बेहद गंभीर मुद्दे हैं। भारत के छात्रों और उन पर भरोसा करने तथा उनसे प्रेम करने वाले हम लोगों को इन मुद्दों को उठाने से कोई भी ताकत नहीं रोक सकती।

सत्ता का इतना अहंकार अच्छा नहीं-संजय सिंह

संजय सिंह ने कहा कि मैं मोदी जी से कहना चाहता हूं कि सत्ता का इतना अहंकार अच्छा नहीं है कि हर व्यक्ति पर लाठी चलाओ, हर व्यक्ति पर गोली चलाओ और हर व्यक्ति पर आंसू गैस के गोले छोड़ो। कभी किसान आंदोलन को कुचलो, कभी नौजवानों के आंदोलन को कुचलो और कभी माताओं-बहनों के आंदोलन को कुचलो, यह अच्छी राजनीति नहीं है।संजय सिंह ने कहा कि सत्ता का यह अहंकार यही नौजवान खत्म करेगा और जिसके ऊपर आज लाठियां बजाई जा रही हैं, वही इस सत्ता को उखाड़ कर फेंकेगा।

खास खबर

आमिर खान को लॉरेंस गैंग की धमकी

मुंबई।बॉलीवुड एक्टर आमिर खान को लॉरेंस गैंग की तरफ से जान से मारने की धमकी मिलने की खबर है। रिपोर्ट के अनुसार गैंग ने आमिर खान की 5 जुलाई को हुई गौरी स्प्रैट से शादी को लव जिहाद बताया है। शनिवार को लॉरेंस गैंग की तरफ से एक लेटर और ऑडियो नोट जारी किया गया है। चिट्ठी आरजू बिश्नोई और टायसन बिश्नोई के नाम से दी गई है। चिट्ठी में लिखा गया है, जो हमारी देश की संस्कृति के खिलाफ, हमारे देश में लव जिहाद के नाम पर आमिर खान जैसे लोगों को बढ़ावा दे रहे हैं, हम उन्हें बर्दाश्त नहीं करेंगे। गैंग की तरफ से लिखा गया है कि जल्द ही इसका जवाब दिया जाएगा। चिट्ठी में लिखा गया है कि ये देश और संस्कृति के खिलाफ है, जो भी इसका समर्थन करेगा, उसे जल्द ही गैंग की तरफ से जवाब मिलेगा।

आयरन फैक्ट्री में ब्लास्ट, 5 मजदूर घायल

बर्धमान। पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले के जामुडिया में शुक्रवार देर रात एक स्पंज आयरन फैक्ट्री की भट्टी (फर्नेस) में ब्लास्ट हो गया। धमाके के बाद फैक्ट्री में आग लग गई, जिसमें 5 मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, विस्फोट की आवाज करीब एक किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और बड़े स्तर पर राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। जामुडिया थाना प्रभारी सौमेंद्र सिंह ठाकुर ने बताया कि अब तक 5 मजदूरों को निकालकर अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा कि फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि विस्फोट के समय भट्टी के पास कोई अन्य व्यक्ति मौजूद था या नहीं। उनका यह भी कहना है कि विस्फोट का असर इतना तेज था कि फैक्ट्री के आसपास स्थित कई घरों में दरारें पड़ गईं।

पटाखा फैक्टरी में लगी भीषण आग

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में शनिवार को एक पटाखा फैक्टरी में भीषण आग लग गई। इस घटना में आठ लोगों की मौत की हो गई है, जबकि 15 लोग घायल बताए जा रहे हैं। वहीं, मौके पर दमकल की कई गाडियां आग बुझाने में जुटी हैं। जानकारी के मुताबिक, अहमदाबाद में मेहमदपुरा स्थित टैलेंट पटाखा फैक्टरी में आग लगी, इसके बाद फैक्टरी में रखे विस्फोटक से धमाके होने लगे, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। यह हादसा रामोल-गात्राड रोड पर मौजूद फैक्टरी में हुआ। वहीं, इसकी सूचना पर दमकल विभाग की पांच से अधिक गाडियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने के साथ राहत-बचाव में जुट गई।

राजकुमार राव की श्रीकांत को बेस्ट फिल्म का नेशनल अवॉर्ड

कार्तिक आर्यन बेस्ट एक्टर, यामी गौतम बेस्ट एक्ट्रेस

मुंबई(ईएमएस)। आदित्य धर की फिल्म आर्टिकल 370 को शनिवार को 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में वर्ष 2024 की सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार मिला। वहीं, फिल्म श्रीकांत को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का पुरस्कार मिला और यामी गौतम को लीडिंग रोल में बेस्ट एक्ट्रेस का पुरस्कार दिया गया। वहीं, ब्रमायुगम के लिए ममूटी और चंदू चैंपियन के लिए कार्तिक आर्यन को संयुक्त रूप से लीडिंग रोल में बेस्ट एक्टर का पुरस्कार दिया गया।

घोषित विजेताओं में तमिल फिल्म रायन को सर्वश्रेष्ठ तमिल फिल्म, कमेटी कुर्रोल्लू को सर्वश्रेष्ठ तेलुगु फिल्म, लाहरी को सर्वश्रेष्ठ ओडिया फिल्म, मुक्काम पोस्ट बॉम्बिलवाड़ी को सर्वश्रेष्ठ मराठी फिल्म और सुनीता को सर्वश्रेष्ठ मणिपुरी फिल्म का पुरस्कार मिला। कैप्टन मिलर और मेय्याझगन को स्पेशल मेंशन से सम्मानित किया गया।

गैर-फीचर फिल्मों के विजेता

गैर-फीचर फिल्मों की श्रेणी में भंगार (ऑब्सोलीट) को सर्वश्रेष्ठ गैर-फीचर फिल्म चुना गया। हिंदी फिल्म मैं निदा को सर्वश्रेष्ठ कला एवं संस्कृति फिल्म का पुरस्कार मिला, जबकि हमसफर को सर्वश्रेष्ठ शॉर्ट फिल्म का सम्मान दिया गया।

सर्वदलीय बैठक में शामिल होंगे टीएमसी के बागी सांसद

किरण रिजिजू ने 20 बागी सांसदों को दिया न्योता

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र से पहले, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बागी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता सुदीप बंद्योपाध्याय और 19 अन्य लोकसभा सांसदों, जिन्होंने नेशनल सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) ज्वाइन की है, को रविवार को होने वाली परंपरागत सर्वदलीय बैठक में शामिल होने का निमंत्रण दिया है। सुदीप बंद्योपाध्याय को लिखे पत्र में रिजिजू ने माना कि 20 सांसदों के इस समूह ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से एनसीपीआई के रूप में मान्यता देने की मांग की है, जिस पर अभी विचार चल रहा है। उन्होंने उन्हें संसद के आने वाले सत्र के विधायी कामकाज पर चर्चा के लिए बैठक में शामिल होने का निमंत्रण दिया।

पत्र में रिजिजू ने कहा कि हाल ही में आपने 19 अन्य सांसदों के साथ नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) जॉइन की है और लोकसभा के माननीय अध्यक्ष से मान्यता देने का अनुरोध किया है, जिस पर अभी विचार किया जा रहा है। मुझे आपको लोकसभा और राज्यसभा में राजनीतिक दलों के फ्लोर लीडर्स की बैठक में आमंत्रित करते हुए खुशी हो रही है। इस बैठक में संसद के आने वाले मानसून सत्र के दौरान सदनों में उठाए जाने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों और विधायी कामकाज पर चर्चा होगी। मैं आपसे सहयोग की अपेक्षा करता हूं ताकि संसद के दोनों सदन सुचारू रूप से चल सकें।

संसद में जोरदार हंगामें के आसार

हाल की राजनीतिक घटनाओं के बीच इस सत्र में जोरदार बहस और हंगामे की संभावना है। तृणमूल कांग्रेस में बड़ा बदलाव देखने को मिला है, क्योंकि उसके 20 सांसद नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया में शामिल हो गए हैं और लोकसभा में अलग पहचान की मांग कर चुके हैं। इसके अलावा टीएमसी के तीन राज्यसभा सांसदों ने इस्तीफा देकर बीजेपी जॉइन कर ली है। शिवसेना (यूबीटी) में भी टूट हुई है। उसके छह लोकसभा सांसद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए हैं। इससे पहले आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसद बीजेपी में शामिल हो चुके हैं। विपक्ष इस सत्र में कथित नीट-यूजी पेपर लीक और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुए नुकसान को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बयान जैसे मुद्दे उठा सकता है। कांग्रेस इस मामले में रक्षा मंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस पहले ही दे चुकी है।

वीबी-जीरामजी योजना में केरल अव्वल, राजस्थान दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली । केंद्र सरकार की विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन-ग्रामीण (वीबी-जीरामजी) योजना के शुरुआती क्रियान्वयन में केरल ने देशभर में पहला स्थान हासिल किया है। योजना के तहत केरल की 99.89 प्रतिशत ग्राम पंचायतों में कार्य शुरू हो चुका है, जबकि राजस्थान 96.84 प्रतिशत पंचायतों में काम शुरू कर दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। इसके बाद तेलंगाना, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश का स्थान है। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को वर्ष में 125 दिनों के रोजगार की गारंटी देना, टिकाऊ ग्रामीण परिसंपत्तियों का निर्माण करना, आजीविका के अवसर बढ़ाना और गांवों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। शुरुआती चरण में दक्षिण भारत के राज्यों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। केंद्र सरकार का लक्ष्य योजना का तेजी से विस्तार कर अधिक से अधिक ग्रामीण परिवारों को रोजगार और विकास से जोड़ना है।

अवैध विवाह : पत्नी को मेंटेनेंस नहीं, बच्चे का हक बरकरार - बॉम्बे हाईकोर्ट

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि यदि विवाह अवैध है, तब महिला को पति से हर्जाना मांगने का अधिकार नहीं होगा। जस्टिस एम.एम. साठे की पीठ ने 15,000 रुपये के मासिक मेंटेनेंस की मांग से जुड़ी महिला की याचिका को खारिज कर फैसला सुनाया। हालांकि, कोर्ट ने महिला के नाबालिग बच्चे के लिए 1,000 रुपये के मेंटेनेंस को कायम रखा है।बॉम्बे हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि रिकॉर्ड से यह स्पष्ट है कि महिला पहले से विवाहित थी। लेकिन महिला यह तथ्य छिपाकर अपने पहले पति से तलाक लिए बिना दूसरी शादी की थी। निचली अदालत ने विवाह को पहले ही अमान्य घोषित किया था। इसके बाद महिला कानूनी रूप से ब्याहता पत्नी की श्रेणी में नहीं आती, जिसके कारण महिला को मेंटेनेंस का हक नहीं मिल सकता। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देकर बताया कि सीआरपीसी की धारा 125 के तहत पत्नी का अर्थ केवल वैध रूप से विवाहित महिला से है। न्यायालय ने टिप्पणी की कि चूंकि महिला और वह शख्स सिर्फ तीन महीने ही साथ रहे थे, इसलिए वह लिव-इन रिलेशनशिप के आधार पर भी मेंटेनेंस की मांग नहीं कर सकती। मेंटेनेंस के लिए इसतरह के संबंध में तर्कसंगत समय तक साथ रहना जरूरी है। यह मामला 28 जनवरी 2009 को हुई शादी से जुड़ा था। महिला ने दहेज उत्पीड़न और घर से निकालने का आरोप लगाया था, जबकि पति ने दावा किया था कि महिला पहले से शादीशुदा थी और उसने बिना तलाक के विवाह किया था, जिससे उनका विवाह अवैध हो गया। निचली अदालत ने पहले महिला को 2,000 रुपये का मेंटेनेंस दिया था, जिसे सेशन कोर्ट ने पति की अपील पर रद्द कर दिया, जबकि बच्चे का मेंटेनेंस जारी रखा। महिला ने हाईकोर्ट में चुनौती दी, जिसने सेशन कोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप से इंकार कर उसकी याचिका खारिज कर दी।

आशीष दुबे / 18 जुलाई 2026

सुप्रीम कोर्ट कैंसर की महंगी दवाओं पर सख्त, केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली। कैंसर की जीवनरक्षक दवाओं की अत्यधिक कीमतों और इलाज के इंतजार में हुई मरीज की मौत पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर रुख दिखाया है। शीर्ष अदालत ने मामले पर स्वत: संज्ञान लेकर कहा कि यह केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि उन सभी लोगों से जुड़ा है जो महंगी दवाओं का खर्च वहन नहीं कर सकते।

सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहन की बेंच ने स्पष्ट किया कि जहां केरल हाईकोर्ट अपने समक्ष लंबित संबंधित याचिका पर फैसला करेगा, वहीं सुप्रीम कोर्ट जीवनरक्षक दवाओं की कीमत और उनकी उपलब्धता के व्यापक मुद्दे पर सुनवाई करेगा। यह कार्रवाई वर्किंग ग्रुप ऑन एक्सेस टू मेडिसीन्स एंड ट्रीटमेंट के संयोजकों के प्रतिनिधित्व पर आधारित है। कोर्ट ने मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित एक महिला की याचिका पर केरल हाईकोर्ट में हुई देरी पर भी नाराजगी जाहिर की, जिसने रिबोसिक्लिब दवा के लिए 2022 में अदालत का रुख किया था। केंद्र ने धारा 100 का उपयोग करने से इंकार कर कहा था कि मौजूदा परिस्थितियां राष्ट्रीय आपातकाल जैसी नहीं हैं।

हाईकोर्ट में कई सुनवाई सूचीबद्ध होने के बावजूद जून से सितंबर 2022 के बीच समय पर फैसला न होने के कारण अंतत: याचिकाकर्ता की मृत्यु हो गई थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से महंगी पेटेंट दवाओं की कीमतों और आम मरीजों तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करने के संबंध में विस्तृत जवाब मांगा है। यह महत्वपूर्ण मामला भविष्य में कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों की जीवनरक्षक दवाओं को किफायती बनाने की दिशा में एक अहम मिसाल कायम कर सकता है।

पहला प्राइवेट रॉकेट विक्रम-1 लॉन्च

बना इतिहास... अंतरिक्ष में भारत की बड़ी उड़ान

नई दिल्ली। भारत की निजी स्पेस कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस ने आज एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कंपनी का विक्रम-1 रॉकेट श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से सफलतापूर्वक लॉन्च हो गया। यह भारत की निजी क्षेत्र की पहली ऑर्बिटल रॉकेट लॉन्चिंग में से एक है, जिसने पूरे देश को गर्व का मौका दिया है।

विक्रम-1 रॉकेट ने निर्धारित समय पर सभी चरण पूरे किए। उपग्रह को सही ऑर्बिट में स्थापित कर दिया। इसरो के वैज्ञानिकों ने लॉन्च की पूरी प्रक्रिया को मॉनिटर किया। इस मिशन का नाम आगमन रखा गया है। यह लॉन्च सिर्फ स्काईरूट के लिए ही नहीं, बल्कि

भारत के पूरे प्राइवेट स्पेस सेक्टर के लिए भी बड़ा मौका है। साल 2020 में सरकार ने स्पेस सेक्टर में बड़े बदलाव किए थे। इसके बाद निजी कंपनियों को भी रॉकेट, सैटेलाइट और लॉन्च सर्विस पर काम करने की अनुमति मिली।

स्काईरूट इससे पहले 2022 में विक्रम-एस नाम का सब-ऑर्बिटल रॉकेट लॉन्च कर चुकी है। लेकिन उस मिशन में सैटेलाइट को ऑर्बिट में नहीं भेजा गया था। इस बार लक्ष्य अलग है। विक्रम-1 कई ग्राहकों के छोटे सैटेलाइट को पृथ्वी से करीब 450 किलोमीटर ऊंची लो-अर्थ ऑर्बिट में पहुंचाएगा। यह तीन डेवलपमेंट मिशनों में पहला मिशन होगा। इसके बाद रॉकेट को नियमित कमर्शियल लॉन्च के लिए तैयार किया जाएगा।

पीएम-सीएम को पद से हटाने संबंधी विधेयक पर जेपीसी की रिपोर्ट टली

-संसदीय समिति ने ड्राफ्ट रिपोर्ट को फिलहाल लंबित रखा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को गंभीर आपराधिक मामलों में लगातार 30 दिन तक न्यायिक हिरासत में रहने की स्थिति में पद से हटाने से जुड़े प्रस्तावित विधेयक पर गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ने अपनी ड्राफ्ट रिपोर्ट को फिलहाल मंजूरी नहीं दी है। समिति ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि इस महत्वपूर्ण विषय पर विभिन्न हितधारकों के साथ और व्यापक चर्चा की जाएगी, जिसके बाद ही अंतिम रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

सूत्रों के अनुसार, समिति की पांच प्रमुख सिफारिशों पर विचार के दौरान दो सिफारिशों को बहुमत से स्वीकार भी कर लिया गया था। इसी बीच समिति की अध्यक्ष और भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी ने सुझाव दिया कि विषय की संवेदनशीलता और राष्ट्रीय महत्व को देखते हुए अभी और परामर्श की आवश्यकता है। उनके प्रस्ताव पर सभी सदस्यों ने सहमति जताई और ड्राफ्ट रिपोर्ट को फिलहाल लंबित रखने का निर्णय लिया गया।

बैठक के दौरान विपक्षी सांसद सुप्रिया सुले (राकांपा-एसपी) और असदुद्दीन ओवैसी (एआईएमआईएम) ने प्रारंभ में ही अपनी असहमति दर्ज करा दी थी। उन्हें आशंका थी कि समिति में एनडीए के बहुमत के कारण रिपोर्ट को तुरंत मंजूरी मिल

जाएगी। हालांकि, रिपोर्ट टालने के निर्णय के बाद दोनों सांसदों ने अपनी आपत्तियां वापस ले लीं। इस संबंध में अपराजिता सारंगी का कहना था, कि समिति का मानना है कि यह राष्ट्रीय महत्व का विषय है और इस पर व्यापक सहमति बनाना आवश्यक है। इसलिए विभिन्न हितधारकों के विचार जानने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रिपोर्ट लंबित रहने के कारण अब 20 जुलाई से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र में समिति की रिपोर्ट पेश होने की संभावना बेहद कम हो गई है। ऐसे में इस सत्र में विधेयक को आगे बढ़ाने की संभावनाओं को भी झटका लगा है। सूत्रों के मुताबिक, समिति के कुछ सदस्यों का मानना था कि ड्राफ्ट रिपोर्ट की कुछ सिफारिशों पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। बैठक के दौरान गृह सचिव गोविंद मोहन ने भी सदस्यों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए गृह मंत्रालय का पक्ष रखा।

कुछ ना कहना

नाली में घूमता मिला संरक्षित वन्यजीव पेंगोलिन

ग्रामीण की सूचना पर पुलिस ने किया रेस्क्यू, वनविभाग को सौंपा

संरक्षित वन्यजीव को लेकर रेंजर का गैर जिम्मेदाराना जवाब, दूसरे दिन मामले में आई सफाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत परासपानी के रहवासी इलाके में गुरुवार रात एक घर के सामने उस वक्त लोगों की भारी भीड़ एकत्र हो गई जब उन्होंने घर के सामने बनी नाली में संरक्षित वन्य जीव पैंगोलिन को विचलन करते हुए देखा। जिसकी जानकारी मिलते ही ग्रामीण पैंगोलिन को देखने उमड़ पड़े, और वन्यजीव आगमन को लेकर तरह-तरह की चर्चा होने लगी।इसी बीच स्थानीय लोगों ने मामले की सूचना तत्काल पुलिस व वनविभाग को दी, जहां मौके पर पहुंचकर पुलिस ने संरक्षित वन्य जीव पैंगोलिन का सफल रेस्क्यू कर वन विभाग के सुपुर्द किया ,जिसे वन विभाग द्वारा सुरक्षित जंगल में छोड़ा गया है। हालांकि यह संरक्षित वन्य जीव रहवासी इलाके में कैसे आ गया, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। लेकिन गुरूवार रात हुई इस घटना ने वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की गैर जिम्मेदारी को सबके सामने लाकर उजागर कर दिया है।दरअसल वन्य जीव के रिहायसी इलाके में आने सूचना मिलने पर भी संरक्षित वन्य जीव के संरक्षण के लिए वन विभाग अधिकारियो के तत्काल मौके पर ना आने पर स्थानीयजनों ने अपनी गहरी नाराजगी व्यक्त की है।तो वहीं उन्होंने वन विभाग पर गैर जिम्मेदार होने का आरोप भी लगाया है।

नाली की तरफ देखकर बिल्ली गुर्राने से पेंगोलिन की मिली जानकारी

प्राप्त जानकारी के अनुसार हट्टा वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम परासपानी निवासी शक्तिमान चौधरी के पुत्र ऋषभ चौधरी ने रात में नाली में एक वन्यजीव को देखा। जिसे देखकर बिल्ली गुर्रा रही थी। ऋषभ ने यह जानकारी, परिजनों को दी। जिसके बाद पुलिस को इसकी सूचना मिली। रात्रि गश्त कर रही टीम मौके पर पहुंची और नाली से संरक्षित वन्यजीव पेंगोलिन को बाहर निकाला। जिसके बाद पुलिस ने इसकी सूचना वनविभाग को दी। जहां से तकरीबन डेढ़ से दो घंटे बाद डिप्टी रेंजर और चौकीदार पहुंचे। जिन्हें पुलिस ने वन्यजीव को सुरक्षित, वनकर्मियों को सौंप दिया।

पेंगोलिन को जंगल मे छोड़ने में नही किया गया प्रोटोकॉल का पालन

जिले के जंगल में पाए जाने वाले संरक्षित वन्यजीव पेंगोलिन को लेकर, वनविभाग का जिम्मेदार अमला, कितना गैर जिम्मेदार है, यह हट्टा परिक्षेत्र के परासपानी में नाली से बरामद किए गए पेंगोलिन के मामले में दिखाई दिया। दरअसल, संरक्षित वन्यजीव को जंगल में सुरक्षित छोड़ने के प्रोटोकॉल का पालन नहीं किए जाने का आरोप लग रहा है।दरअसल, संरक्षित जीव के रहवासी क्षेत्र में मिलने के बाद, उसकी सुरक्षा के लिए प्रोटोकॉल निर्धारित है, जिसके तहत उसकी चिकित्सीय जांच और सुरक्षित तरीके से उसे जंगली क्षेत्र में छोड़ना है, ताकि, वह सुरक्षित रहे और कोई उसका शिकार ना कर सके। लेकिन यहां ऐसा कुछ भी देखने को नही मिला। जिसपर ग्रामीणों ने अपनी नाराजगी जताई है।

संरक्षित वन्य जीव के संरक्षण को लेकर गंभीर नहीं विभाग

बताया गया कि संरक्षित वन्य जीव पैंगोलिन की शल्को की डिमांड ज्यादा होने से इसकी तस्करी होने का डर रहता है, और बालाघाट में पूर्व में ऐसे कई मामले सामने आ चुके है, जिसे देखते हुए इस संरक्षित जीव को लेकर वनविभाग को गंभीरता से प्रक्रिया का पालन करते हुए उसे सुरक्षित करना है, लेकिन मामले में जानकारी लेने पर परिक्षेत्र अधिकारी सुरेन्द्र कुमार शेंडे, चिकित्सीय जांच की तो बात कर रहे है लेकिन उसे सुरक्षित जंगल में छो?ने को लेकर कोई उनका बयान गैर जिम्मेदाराना प्रतित होता है, जब उनसे, पेंगोलिन को जंगल में छोड़ने को लेकर वीडियो और फोटो मांगे गए तो उन्होंने बताया कि शायद वीडियो, फोटो, स्टॉफ ने बनाया होगा। ऐसे में संरक्षित वन्यजीव को सुरक्षित तरीके से जंगल में छोड़ने को लेकर सवाल खड़े हो रहे है। जिसको लेकर वन्यजीव प्रेमियों ने नाराजगी जाहिर की है।

दुसरे दिन जनसंपर्क के माध्यम से मामले में दी गई सफाई

यह घटना गुरुवार रात की बताई गई है जब मीडिया कर्मियों को इस मामले की जानकारी लगी और उन्होंने ग्रामीणों की नाराजगी के आधार पर खबर लगाई तो संबंधित विभाग हरकत में आया और विभागीय अधिकारियों ने दुसरे दिन इस पूरे मामले की सफाई जनसंपर्क विभाग के माध्यम से पत्रकारों व आम जनता तक पहुंचाई है।18 जुलाई की देर शाम विभागीय अधिकारियों ने जनसंपर्क के माध्यम से सूचित किया कि वन परिक्षेत्र हट्टा (सामान्य) अंतर्गत ग्राम परासपानी में के एक घर मे विलुप्तप्राय वन्यजीव पेंगोलिन भटक कर आ गया था,17 जुलाई 2026 की रात्रि लगभग 12:30 बजे ग्राम परासपानी निवासी प्रशांत चौधरी ने वन विभाग को इसकी सूचना दी थी सूचना मिलते ही वन परिक्षेत्र हट्टा (सामान्य) के अधिकारी एवं कर्मचारी मौके पर पहुंचे और वन्यजीव का सुरक्षित रेस्क्यू कर उसे वन परिक्षेत्र कार्यालय हट्टा लाया गया।इसके बाद उप वनमण्डलाधिकारी बालाघाट (सामान्य) एवं परिक्षेत्र अधिकारी हट्टा (सामान्य) की उपस्थिति में पशु चिकित्सा अधिकारी हट्टा डॉ. धर्मेंद्र गौतम द्वारा पेंगोलिन का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जांच में वन्यजीव पूर्णतः स्वस्थ पाया गया। पशु चिकित्सक की अनुशंसा के बाद पेंगोलिन को मानव व्यवधान से दूर निकटवर्ती आरक्षित वन क्षेत्र में सुरक्षित रूप से छोड़ दिया गया।वही वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि यदि किसी वन्यजीव के आबादी क्षेत्र में आने की सूचना मिले तो उसे स्वयं पकड़ने या नुकसान पहुंचाने का प्रयास न करें, बल्कि तत्काल वन विभाग को सूचना दें, ताकि वन्यजीवों का सुरक्षित रेस्क्यू कर उन्हें उनके प्राकृतिक आवास में छोड़ा जा सके।ज्ञात हो की गुरुवार रात्रि के इस मामले की सूचना वन विभाग द्वारा घटना के दुसरे दिन शनिवार की शाम को जारी की गई है।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत महिला थाना पुलिस ने दिलाई नशा मुक्ति की शपथ

मशीनटोला गर्रा, झुग्गी झोपड़ी रेलवे क्रॉसिंग गर्रा, झुग्गी झोपड़ी सगोंन वन बूढी मैं आयोजित किए गए कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार जिले में संचालित नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत शनिवार 18 जुलाई को महिला थाना बालाघाट पुलिस द्वारा विभिन्न स्थानों पर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को नशा मुक्ति का संकल्प दिलाया गया। इस दौरान नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए समाज को नशामुक्त बनाने का संदेश दिया गया।अभियान के तहत महिला थाना प्रभारी किरण वरकडे ने अपनी टीम के सहायक उप निरीक्षक दिनेश पंचेश्वर प्रधान

आरक्षक रेहाना और आरक्षक वर्षा पारधी ने ग्राम गर्रा के मशीन टोला में पहुंचकर महिलाओं एवं ग्रामीणजनों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। इसके बाद झुग्गी-झोपड़ी रेलवे क्रॉसिंग गर्रा तथा झुग्गी-झोपड़ी सागौन वन, बूढ़ी बालाघाट क्षेत्र में महिलाओं एवं बच्चों के बीच जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस टीम ने उपस्थित लोगों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए नशे से दूर रहने और अपने परिवार व समाज को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की।इसी क्रम में वारासिवनी क्षेत्र के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आलेझरी में छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। महिला थाना प्रभारी किरण वरकडे ने विद्यार्थियों को नशे की लत से होने वाले दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए जीवन में शिक्षा, अनुशासन और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को नशा न करने तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की शपथ दिलाई गई।पुलिस विभाग ने बताया कि से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान का उद्देश्य युवाओं, महिलाओं और आम नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर नशामुक्त समाज का निर्माण करना है। जिले में यह अभियान लगातार विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों एवं ग्रामीण-शहरी क्षेत्रों में चलाया जा रहा है।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत सालेटेकरी पुलिस की जागरूकता मुहिम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत जिले के बिरसा थाना अंतर्गत पुलिस चौकी सालेटेकरी ने शनिवार 18 जुलाई को व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया। अभियान के अंतर्गत चार अलग-अलग स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों, ग्रामीणों, महिलाओं, बैंक कर्मचारियों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। साथ ही जागरूकता रैली निकालकर लोगों को नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया गया। पुलिस चौकी सालेटेकरी द्वारा आयोजित कार्यक्रम एकीकृत हाई स्कूल कनिया, ग्राम पंचायत कनिया, कियोस्क बैंक अचानकपुर तथा शासकीय अस्पताल कचनारी-सालेटेकरी में संपन्न हुए। प्रत्येक स्थान पर पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उपस्थित लोगों से संवाद कर शराब, तंबाकू, गुटखा, नशीले पदार्थों तथा अन्य मादक द्रव्यों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्परिणामों की विस्तार से जानकारी दी। साथ ही युवाओं से नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल और सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने की अपील की गई। अभियान के दौरान निकाली गई जागरूकता रैली में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों तथा पुलिस कर्मियों ने भाग लिया। रैली के माध्यम से लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करते हुए समाज को नशामुक्त बनाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने नशा न करने और अपने परिवार तथा समाज को भी नशे से दूर रखने का संकल्प लिया।इस जनजागरूकता अभियान में लगभग 500 लोगों की सहभागिता रही, जबकि 550 लोगों से नशामुक्ति शपथ पत्र भरवाकर उन्हें नशे से दूर रहने एवं अन्य लोगों को भी जागरूक करने का संकल्प दिलाया गया।सालेटेकरी पुलिस चौकी प्रभारी धन सिंह धुर्वे ने कहा कि से दूरी है जरूरी 2.0अभियान का उद्देश्य केवल नशे के प्रति लोगों को जागरूक करना ही नहीं, बल्कि समाज में विशेषकर युवाओं के बीच सकारात्मक सोच विकसित करना और उन्हें नशे की गिरफ्त में आने से बचाना है। इसी उद्देश्य को लेकर जिलेभर में लगातार स्कूलों, कॉलेजों, पंचायतों, सार्वजनिक स्थलों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।सालेटेकरी पुलिस ने नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने परिवार, विशेषकर युवाओं एवं बच्चों को भी नशे की लत से बचाने में सहयोग करें।ताकि एक स्वस्थ, सुरक्षित और नशामुक्त समाज का निर्माण किया जा सके।

सहायक प्राध्यापक (इतिहास) पद पर चयनित सुश्री प्रशू गौतम का किया सम्मान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट में आज हर्ष, गर्व एवं उत्साह का वातावरण रहा। महाविद्यालय की अतिथि विद्वान (इतिहास) सुश्री प्रशू गौतम के मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) द्वारा आयोजित सहायक प्राध्यापक (इतिहास) परीक्षा में चयनित होने पर महाविद्यालय परिवार द्वारा उनका आत्मीय अभिनंदन एवं सम्मान किया गया।इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक मराठे ने पुष्पगुच्छ भेंट कर सुश्री प्रशू गौतम का स्वागत करते हुए उन्हें इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।कार्यक्रम में उपस्थित समस्त प्राध्यापकों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर सुश्री प्रशू गौतम को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सभी ने कहा कि उनका चयन महाविद्यालय के लिए अत्यंत गौरव का विषय है और उनकी यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक रहेगी। उपस्थित सभी शिक्षकों ने विश्वास व्यक्त किया कि वे अपने ज्ञान, अनुभव एवं उत्कृष्ट शिक्षण कौशल से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देंगी तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएँगी।सम्मान समारोह अत्यंत आत्मीय एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी प्राध्यापकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ सुश्री प्रशू गौतम का

अभिनंदन किया तथा उनके उज्ज्वल, सफल एवं मंगलमय भविष्य की कामना की। समारोह में उपस्थित सभी सदस्यों ने उनके उत्कृष्ट भविष्य के लिए शुभेच्छाएँ व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि महाविद्यालय के गौरवशाली इतिहास में एक और स्वर्णिम अध्याय जोड़ने वाली है।अंत में प्राचार्य डॉ. अशोक मराठे, प्राध्यापक संघ के अध्यक्ष डॉ. आर. एन. झारिया एवं महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों ने सुश्री प्रशू गौतम को पुनः हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए उनके सफल, समृद्ध एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सुश्री प्रशू गौतम अपनी विद्वत्ता, कार्यनिष्ठा एवं समर्पण के माध्यम से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए समाज, प्रदेश एवं राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।महाविद्यालय परिवार ने सुश्री प्रशू गौतम की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए अनंत शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

महाविद्यालय परिवार के लिए

यह हर्ष का विषय है- मरठे

प्राचार्य श्री मरठे कहा कि मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग जैसी प्रतिष्ठित एवं प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षा में सफलता प्राप्त करना कठिन परिश्रम, दृढ़ संकल्प, निरंतर अध्ययन तथा आत्मविश्वास का परिणाम है। सुश्री प्रशू गौतम ने अपनी प्रतिभा, कर्मनिष्ठा एवं लगन से यह सिद्ध कर दिया है कि लक्ष्य के प्रति समर्पण और निरंतर प्रयास से कोई भी सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि उनका चयन महाविद्यालय परिवार के लिए अत्यंत गर्व का विषय है।वे भविष्य में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सेवाओं से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए संस्था एवं प्रदेश का नाम गौरवान्वित करेंगी।

यह पूरे महाविद्यालय परिवार की उपलब्धि है- झरिया

इस अवसर पर प्राध्यापक संघ के अध्यक्ष डॉ. आर. एन. झारिया ने कहा कि सुश्री प्रशू गौतम की सफलता समर्पण, संघर्ष और उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रतिभा का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि पूरे महाविद्यालय परिवार की उपलब्धि है। उनकी यह सफलता युवा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति निष्ठा और परिश्रम के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करेगी।

किसानों के विभिन्न मुद्दों को लेकर कांग्रेसियों ने जताया आक्रोश

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का फूंका पुतला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। महंगी खाद-बीज ,नकली दवाई, उर्वरक खाद के दाम बढ़ाने और किसानों को घोषणा के अनुरूप समर्थन मूल्य न मिलने सहित किसानों के विभिन्न मुद्दों को लेकर ,अपनी नाराजगी जताते हुए शनिवार को किसान कांग्रेस ने केंद्र व प्रदेश सरकार के खिलाफ अपना आक्रोश जताया है जहां उन्होंने सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए, जिला कांग्रेस कमेटी पदाधिकारियों के साथ केंद्र व राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी जमकर नारेबाजी की, तो वही नगर के हनुमान चौक पहुचकर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का पुतला दहन किया।प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने भाजपा सरकार पर किसानों से किए गए चुनावी वादों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाते हुए सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने किसानों को धान का समर्थन मूल्य 3100रु प्रति क्विंटल देने का वादा किया था, लेकिन आज तक यह वादा पूरा नहीं किया गया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार की कथनी और करनी में बड़ा अंतर है, जिसका खामियाजा प्रदेश का किसान भुगत रहा है।

इन मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

किसान कांग्रेस के बैनर तले कांग्रेसी पदाधिकारियो ने पहले तो जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में बैठक का आयोजन किया, इसके उपरांत कार्यालय से पुतला लेकर एक रैली निकाली और नारेबाजी करते हुए रैली के माध्यम से हनुमान चौक पहुंचकर अपनी विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन किया।प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किसानों को 3100रु प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य देने, लगातार बढ़ती जा रही खाद-बीज की कीमतों में कमी करने, नकली खाद-बीज की बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने और किसानों को राहत देने की मांग की। अंत में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का प्रतीकात्मक पुतला दहन कर सरकार के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया।

नकली खाद बीज की समस्या से झूझ रहे किसान

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जिले सहित प्रदेशभर में किसान नकली खाद और बीज की समस्या से जूझ रहे हैं। दूसरी ओर खाद, बीज और कृषि सामग्री के लगातार बढ़ते दाम किसानों की आर्थिक स्थिति को और अधिक कमजोर कर रहे हैं। सरकार ने किसानों का आर्थिक बोझ कम करने और उनकी आय बढ़ाने का वादा किया था, लेकिन वास्तविकता इसके बिल्कुल विपरीत है। महंगाई और कृषि लागत में लगातार वृद्धि से किसानों की परेशानियां बढ़ती जा रही हैं।

आवश्यकता है
ओ.टी. असिस्टेंट - 02 पद
नर्स - 02 पद
सभी आवश्यक दस्तावेज लेकर आवें। समय - शाम 6 बजे
पता- सेठिया ऑई केयर एंड पैथोलाजी, हनुमान चौक, बालाघाट
मो.-9109902783

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की सजा

पॉक्सो एक्ट के विशेष न्यायाधीश सुरेंद्र सिंह गुर्जर की अदालत का फैसला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नाबालिग छात्रा के अपहरण और दुष्कर्म के करीब साढ़े तीन साल पुराने मामले में पॉक्सो एक्ट की विशेष न्यायाधीश सुरेंद्र सिंह गुर्जर की बैहर की अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए 20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। यह आरोपी सम्हारू उर्फ अनिकेत मेरावी 23 वर्ष ग्राम बघोली थाना परसवाड़ा निवासी है।जिसे विद्वानअदालत ने कुल 55 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। यह फैसला पुलिस की प्रभावी विवेचना और अभियोजन पक्ष की मजबूत पैरवी के आधार पर आया।

अभियोजन के अनुसार थाना बैहर क्षेत्र में 18 फरवरी 2022 को पीड़िता के दादा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी नाबालिग नातिन जो कक्षा 10वीं की छात्रा थी।10 फरवरी 2022 को साइकिल से स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी। लेकिन वापस नहीं लौटी। शिकायत पर बैहर पुलिस ने अपराध क्रमांक 51/2022 दर्ज कर जांच शुरू की।विवेचना के दौरान पुलिस ने नाबालिग को बरामद किया। जांच में सामने आया कि ग्राम बघोली थाना परसवाड़ा निवासी 23 वर्षीय सम्हारू उर्फ अनिकेत मेरावी उसे बहला-फुसलाकर बस स्टैंड से अपने साथ ले गया था। जहां उसके साथ दुष्कर्म किया गया। पुलिस ने वैज्ञानिक साक्ष्य एवं अन्य प्रमाण जुटाकर आरोपी सम्हारु उर्फ अनिकेत के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 366 तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 5/6 के तहत चालान न्यायालय में पेश किया।प्रकरण की सुनवाई के बाद पास्को एक्ट के विशेष न्यायाधीश सुरेंद्र सिंह गुर्जर की अदालत ने आरोपी आरोपी सम्हारु उर्फ अनिकेत को धारा 366 के तहत 10 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 5 हजार रुपये तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 5/6 के तहत 20 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 50 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। न्यायालय ने कुल 55 हजार रुपये का अर्थदंड भी अधिरोपित किया।

प्रकरण की विवेचना निरीक्षक जयपाल इनवाती एवं उप निरीक्षक फूलकली तिलगाम ने की। वहीं शासन की ओर से सहायक संचालक (अभियोजन) कपिल कुमार डहरिया के मार्गदर्शन में अतिरिक्त जिला अभियोजन अधिकारी अभय सिंह ठाकुर ने प्रभावी पैरवी की। मजबूत साक्ष्यों और सशक्त पैरवी के चलते न्यायालय ने आरोपी को दोषी मानते हुए कठोर सजा सुनाई।

शाम ढलते ही सड़कों पर उतरे टीआई अजय गुर्जर

बस स्टैंड से शराब दुकानों तक संदिग्धों की ली क्लास

यात्री प्रतीक्षालय चोरीकांड के बाद कोतवाली पुलिस अलर्ट, सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों और संदिग्ध युवकों की शुरू हुई पहचान

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शहर में कानून-व्यवस्था और सार्वजनिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कोतवाली थाना प्रभारी अजय गुर्जर लगातार एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। हाल ही में बस स्टैंड स्थित यात्री प्रतीक्षालय में हुई चोरी की घटना के बाद पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था और सख्त कर दी है। इसी क्रम में शनिवार 18 जुलाई की रात करीब 8 बजे टीआई अजय गुर्जर स्वयं पुलिस बल के साथ शहर की सड़कों पर उतरे और बस स्टैंड, जिला अस्पताल, शराब दुकानों तथा सार्वजनिक चौक-चौराहों का पैदल निरीक्षण कर संदिग्ध गतिविधियों पर कार्रवाई की।

थाना प्रभारी अजय गुर्जर ने अनौपचारिक चर्चा में बताया कि यात्री प्रतीक्षालय में हुई चोरी के बाद पुलिस ने शहर के संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी बढ़ा दी है। अब प्रतिदिन शाम होते ही पुलिस टीम बस स्टैंड, जिला चिकित्सालय के पीछे का क्षेत्र, प्रमुख चौक-चौराहों और सार्वजनिक स्थानों का निरीक्षण कर रही है। उद्देश्य यह है कि असामाजिक तत्वों और संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान कर समय रहते उन पर कार्रवाई की जा सके। शनिवार शाम पुलिस टीम ने स्थानीय काली पुतली चौक से पैदल मार्च की शुरुआत की। यहां शराब दुकान के आसपास बिना कारण खड़े मिले कई युवकों से पूछताछ की गई। पुलिस ने उनके नाम, मोबाइल नंबर, पता और पहचान संबंधी जानकारी दर्ज की तथा उन्हें सार्वजनिक स्थानों पर अनावश्यक रूप से खड़े रहने और शराब का सेवन नहीं करने की सख्त हिदायत दी। इसके बाद पुलिस टीम सीधे बस स्टैंड स्थित यात्री प्रतीक्षालय पहुंची। पुलिस को देखते ही वहां संदिग्ध रूप से घूम रहे और सार्वजनिक स्थान पर शराब का सेवन कर रहे कई लोग मौके से भाग निकले। पुलिस ने परिसर का निरीक्षण किया और वहां मौजूद लोगों से भी पूछताछ की। हालिया चोरी की घटना को देखते हुए पुलिस ने स्पष्ट किया कि यात्री प्रतीक्षालय में किसी भी संदिग्ध गतिविधि को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान पुलिस टीम जिला चिकित्सालय पहुंच मार्ग पर भी पहुंची, जहां कुछ छोटी दुकानों के आसपास लोग खुलेआम शराब पीते मिले। पुलिस ने उन्हें तत्काल वहां से हटाया और सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन नहीं करने की चेतावनी दी। साथ ही संदिग्ध रूप से खड़े लोगों की भी पहचान दर्ज कर उनकी गतिविधियों की जानकारी जुटाई गई। इसके बाद थाना प्रभारी अपने दल के साथ बूढी क्षेत्र की शराब दुकान पहुंचे, जहां भी दुकान के बाहर और आसपास खड़े लोगों की जांच की गई। पुलिस ने दुकान संचालकों को भी निर्देश दिए कि कोई भी व्यक्ति दुकान के बाहर शराब का सेवन करता मिला तो संबंधित लोगों के साथ-साथ जिम्मेदारों पर भी कार्रवाई की जाएगी। टीआई अजय गुर्जर ने स्पष्ट कहा कि शहर में शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि शाम होते ही पुलिस लगातार सड़कों पर रहेगी। सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने, अनावश्यक रूप से भीड़ लगाने और संदिग्ध गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। आम नागरिकों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने आम लोगों से भी अपील की कि यदि उनके आसपास कोई संदिग्ध व्यक्ति दिखाई देता है या सार्वजनिक स्थानों पर अवैध गतिविधियां संचालित होती हैं तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें। पुलिस का कहना है कि शहर को सुरक्षित और अपराधमुक्त बनाने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा तथा संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित पैदल गश्त और निगरानी बढ़ाई जाएगी।

दोस्तों ने लगाई गांजे की लत, परिवार ने छुड़वाया नशा, पुलिस ने नशा छोड़ चुके लोगों की जुबानी सुनाई नशे की सच्चाई

नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत नशा छोड़ चुकें लोगों ने साझा किए दर्दनाक अनुभव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नशे के खिलाफ जनजागरूकता अभियान को और प्रभावी बनाने के लिए बालाघाट पुलिस ने इस बार एक अलग पहल की। नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत शनिवार को पुलिस लाइन स्थित पुराने आईजी कार्यालय में ऐसा कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां एनडीपीएस एक्ट के पूर्व आरोपी और नशे की लत से बाहर निकल चुके लोगों ने मीडिया और पुलिस अधिकारियों के सामने अपने जीवन के कड़वे अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि कैसे कुछ पल का शौक धीरे-धीरे लत में बदल गया और इस लत ने उनका स्वास्थ्य, परिवार और सामाजिक जीवन बर्बाद कर दिया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय और डीएसपी प्रतिष्ठा राठौर ने उपस्थित लोगों से चर्चा करते हुए कहा कि नशे के खिलाफ केवल कानूनी कार्रवाई ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि समाज को जागरूक करना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जब नशा छोड़ चुके लोग स्वयं अपने अनुभव साझा करते हैं तो उसका प्रभाव युवाओं और आम नागरिकों पर अधिक पड़ता है। कार्यक्रम के दौरान पूर्व नशा पीड़ित मनीराम ने अपनी आपबीती सुनाते हुए कहा कि युवावस्था में उनके कुछ दोस्तों ने उन्हें गांजा पीने की आदत डाली। शुरुआत में दोस्तों ने अपने पैसों से गांजा लाकर उन्हें पिलाया। तीन-चार बार लगातार नशा कराने के बाद धीरे-धीरे उन्हें इसकी आदत पड़ गई। बाद में हालत यह हो गई कि वही दोस्तों के लिए गांजा लाने लगे और फिर खुद भी लगातार उसका सेवन करने लगे। उन्होंने बताया कि वर्षों तक गांजे की लत में रहने के कारण उनका जीवन पूरी तरह बदल गया। उन्हें नशे के अलावा कुछ दिखाई नहीं देता था। सही समय पर भोजन नहीं करना, स्वास्थ्य का लगातार बिगड़ना और परिवार से दूरी बढ़ना उनकी दिनचर्या बन गई थी। उन्होंने कहा कि नशे की वजह से शरीर कमजोर होता चला गया और मानसिक स्थिति पर भी गहरा असर पड़ा। मनीराम ने भावुक होते हुए बताया कि जब उन्होंने अपने बच्चों और फिर पोते-पोतियों को बड़ा होते देखा तो उन्हें एहसास हुआ कि यदि उन्होंने समय रहते नशा नहीं छोड़ा तो कहीं उनकी यह आदत आने वाली पीढ़ी के लिए गलत उदाहरण न बन जाए। इसी सोच ने उन्हें नशा छोड़ने की ताकत दी। उन्होंने बताया कि करीब दो महीने पहले उन्होंने गांजा पूरी तरह छोड़ दिया और अब उनका पूरा परिवार खुश है। उनका कहना था कि नशा छोड़ने के बाद उन्हें मानसिक शांति मिली है और परिवार में भी पहले जैसा सम्मान वापस मिला है। उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि नशा कभी शौक नहीं होता, यह धीरे-धीरे जिंदगी पर कब्जा कर लेता है। शुरुआत में दोस्त साथ देते हैं, लेकिन जब व्यक्ति पूरी तरह नशे का आदी हो जाता है तो वही लोग साथ छोड़ देते हैं। आखिर में केवल परिवार ही बचता है और यदि परिवार भी टूट जाए तो इंसान पूरी तरह अकेला हो जाता है। कार्यक्रम में मौजूद अन्य पूर्व नशा पीड़ितों ने भी अपने अनुभव साझा किए और बताया कि नशे की लत ने उन्हें आर्थिक, सामाजिक और मानसिक रूप से बर्बाद कर दिया था। उन्होंने युवाओं से अपील की कि किसी भी प्रकार के नशे को फैशन या शौक समझकर उसकी शुरुआत न करें, क्योंकि इसकी समाप्ति अक्सर अपराध, बीमारी और परिवार के बिखराव पर जाकर होती है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय ने कहा कि पुलिस का उद्देश्य केवल नशा तस्करों पर कार्रवाई करना नहीं है, बल्कि समाज को नशे के दुष्परिणामों से भी अवगत कराना है। उन्होंने कहा कि यदि समाज जागरूक होगा तो नशे की मांग स्वत: कम होगी और अवैध कारोबार पर भी प्रभाव पड़ेगा। पुलिस अधिकारियों ने अंत में नागरिकों से अपील की कि यदि उनके आसपास कोई व्यक्ति नशे की लत से जूझ रहा है तो उसे अपराधी की तरह नहीं, बल्कि समाज की जिम्मेदारी समझते हुए सही मार्गदर्शन और उपचार के लिए प्रेरित करें। साथ ही यदि कहीं अवैध रूप से मादक पदार्थों का कारोबार होता दिखाई दे तो उसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि जिले को नशामुक्त बनाने के अभियान को सफल बनाया जा सके।

हरियाली का दिया संदेश, महिला पंवार क्षत्रिय संगठन ने प्रधानमंत्री आवास कॉलोनी में किया वृक्षारोपण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने के उद्देश्य से महिला जिला पंवार क्षत्रिय संगठन द्वारा शनिवार को शहर के बूढ़ी स्थित फिल्टर प्लांट के परिसर में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में संगठन की महिला पदाधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे और उनके संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला पंवार क्षत्रिय संगठन के जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन, आयोग सदस्य मौसम बिसेन एवं महिला जिला पंवार क्षत्रिय संगठन की अध्यक्ष आशालता कपूरचंद चौहान ने किया।

महिला जिला पंवार क्षत्रिय संगठन की महासचिव योगिता विनय बोपचे ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और लगातार घटते हरित क्षेत्र को देखते हुए प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह पर्यावरण संरक्षण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाए। उन्होंने कहा कि पौधे लगाना जितना आवश्यक है, उससे कहीं अधिक जरूरी उनका संरक्षण करना है। जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने कहा कि संगठन सामाजिक सरोकारों के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण जैसे जनहित के अभियानों को भी प्राथमिकता दे रहा है। उन्होंने कहा कि यदि हर व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे तो आने वाले समय में पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में बड़ी मदद मिलेगी। आयोग सदस्य मौसम बिसेन ने कहा कि आज पर्यावरण संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। बढ़ते तापमान और घटते हरित क्षेत्र को देखते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग को वृक्षारोपण अभियान से जुड़ना होगा। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें संरक्षित कर वृक्ष बनाना भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। ऐसे अभियान समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ नई पीढ़ी को प्रकृति से जोड़ने का भी कार्य करते हैं। महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष आशालता चौहान ने कहा कि महिलाओं की भागीदारी से पर्यावरण संरक्षण का संदेश घर-घर तक पहुंच सकता है। यदि प्रत्येक परिवार हर वर्ष कुछ पौधे लगाकर उनका संरक्षण करे तो आने वाले वर्षों में हरित वातावरण का सपना साकार हो सकता है।कार्यक्रम के दौरान सभी सदस्यों ने पौधारोपण के साथ स्वच्छ और हरित वातावरण बनाए रखने की शपथ ली तथा भविष्य में भी ऐसे अभियान लगातार चलाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर संगठन की संरक्षक निर्मला गौतम, सुलोचना, सुनीता तुरकर राहंगडाले, मीना बिसेन, सलाहकार समिति की अमिता तुरकर, अलका बिसेन, उपाध्यक्ष अमिता चौधरी, सीमा टेंभरे, सुनीता टेमरे, जिला उपाध्यक्ष गायत्री बिसेन, गीता टेमरे, भूमिका टेमरे, मंजू पारधी, रूपल तुरकर, ममता सोनवाने, रुपाली गौतम, रुपाली सोनवाने, सविता बिसेन, किरण बिसेन, इंदु बिसेन, सुनीता बिसेन, वंदना बोपचे, दीप्ति टेमरे सहित बड़ी संख्या में महिला पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में संगठन के संरक्षक के.सी. चौहान, निखिल गौतम, सुरेंद्र तुरकर एवं विनय बोपचे का विशेष योगदान रहा। अंत में सभी ने अधिक से अधिक पौधे लगाने और उन्हें संरक्षित कर पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी का अभियान बनाने का संकल्प लिया।

असामाजिक तत्वों द्वारा दी जा रही जान से मारने की धमकी-एफआईआर के बावजूद आरोपियों की नहीं हो रही गिरफ्तारी

वार्ड नंबर 6 के वार्ड वासियों ने सौपा ज्ञापन,मामले में वैधानिक कार्यवाही किए जाने की लगाई गुहार

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। शनिवार को नगर के वार्ड नंबर 6 चित्रगुप्त नगर के वार्डवासियों ने एसपी कार्यालय पहुंचकर एक ज्ञापन सौपा है।जिसमें उन्होंने नगर के कुछ असामाजिक तत्वों पर मारपीट कर जान से मारने की धमकी दिए जाने का आरोप लगाया है।वही उन्होंने कुछ नामजद आरोपियों के नाम की गई शिकायत पर भी कार्यवाही नही होने की बात कहते हुए मामले में वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है।करीब आधा सैकड़ा से लोगों द्वारा सौंपे गए इस ज्ञापन में इस बात का उल्लेख किया गया नगर के वार्ड नंबर 6 चित्रगुप्त नगर निवासी रोहित बर्वे के साथ 16 जुलाई की रात्रि नगर के बैहर रोड निवासी कुछ युवाको द्वारा मारपीट की गई है।जिसकी शिकायत कोतवाली थाने में दर्ज कराने के बावजूद भी, पुलिस ने इस मामले में अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की है।वही आरोपियों द्वारा उन्हें लगातार जान से मारने की धमकी दी जा रही है इस मामले में फरियादी रोहित बर्वे के साथ ज्ञापन सौपने आए लोगों ने आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार कर,वैधानिक कार्रवाई किए जाने की गुहार लगाई है।

मामले की जांच कर की जाए वैधानिक कार्यवाही-बर्वे

फिरयादी रोहित बर्वे, ने बताया कि वह डेकोरेशन, केटर्स का काम करता है।16 जुलाई को वह मोटर सायकिल से अपने दोस्त विशाल बाहेरश्वर के साथ बहन के घर लखेरा मोहल्ला बालाघाट गया था, बाद काम के जब वह वापस अपने आ रहा था तब रात्रि करीबन 10.15 बजे स्वीपर मोहल्ला चौक में कबाड़ी दूकान के सामने दो युवकों ने उसे आवाज देकर बुलाया और दोबारा मोहल्ले में ना आने की बात कहते हुए गाली गुप्तर करने लगे।गाली देने से मना करने पर उन्होंने अपने 3 दोस्तों को फोन करके बुलाया।उसे चाकू जैसी चीज से मारा जिससे उसके शरीर मे जगह जगह चोट आई है। सभी ने लात मुक्के से उसके साथ मारपीट की, फिरयादी ने बताया कि उन्होंने इस मामले की शिकायत कोतवाली पुलिस से की है एफआईआर दर्ज हो चुकी है बावजूद इसके भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की जा रही है और वे खुलेआम घूम रहे हैं ,साथ ही वे उन्हें और उनके साथियों को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं।इस मामले में ज्ञापन सौपते हुए उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कराकर सभी आरोपियों को गिरफ्तार करने और उनके खिलाफ वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

आस-पास की खबरे

सेवानिवृत्त पोस्टमैन (डाकिया) नंदकिशोर ब्रम्हे का निधन

81 वें जन्मदिन पर ही ली अंतिम सांस, क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त, अंत्येष्टि आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी (वार्ड नंबर 1) के निवासी और डाक विभाग के सेवानिवृत्त कर्तव्यनिष्ठ कर्मचारी 81 वर्षीय नंदकिशोर ब्रम्हे का 18 जुलाई को प्रातः 11 बजे हद्यगति रूक जाने से दुःखद निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार 19 जुलाई को प्रातः 11 बजे पांढरवानी स्थित मोक्षधाम में किया जायेगा। साथ ही नियति का क्रूर संयोग देखिए कि आज ही के दिन (18 जुलाई) को उनका 81 वां जन्मदिन भी था। वे विगत कई दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे और अपने गृह निवास पर ही स्वास्थ्य लाभ ले रहे थे। शनिवार दोपहर उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर फैलते ही परिजनों, चित-परिचितों एवं ग्राम पांढरवानी सहित लालबर्रा क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त हो गई। वहीं स्वर्गीय नंदकिशोर ब्रम्हे ने डाक विभाग में पोस्टमैन (डाकिया) के पद पर रहते हुए एक लंबे समय तक अपनी अनुकरणीय सेवाएं दीं। उन्होंने अपने सेवाकाल में संपूर्ण जीवन पूरी ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, सादगी और सेवा भाव के साथ जिया। वे हर वर्ग के लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय थे। शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त होने के बाद भी वे समाज के कार्यों में निरंतर सक्रिय रहे। स्वर्गीय ब्रम्हे जी एक अत्यंत हंसमुख, मिलनसार एवं मुदुभाषी के धनी थे, अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गये है। वहीं परिजनों ने अत्यंत भावुक होकर बताया कि 18 जुलाई 1945 को जन्मे स्व नंदकिशोर ब्रम्हे जी का आज 81 वां जन्मदिवस था। परिवार जहां एक ओर उनका जन्मदिन मनाने की सोच रहा था, वहीं नियति ने इसी विशेष दिन उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दे दिया। स्व. नंदकिशोर ब्रम्हे का 19 जुलाई को प्रातः 11 बजे पांढरवानी स्थित मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में अंतिम संस्कार किया जायेगा।

क्षेत्र में विकास की गति निरंतर जारी रहेगा-अनुभा

बघोली के हॉयर सेकेण्डरी स्कूल में प्रयोगशाला और अतिरिक्त कक्ष निर्माण का किया गया भूमिपूजन

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी दूर ग्राम पंचायत बघोली स्थित शासकीय उ'चतर माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार को प्रयोगशाला और अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य का समारोहपूर्वक भूमिपूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त एवं अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य मौसम बिसेन के विशिष्ट आतिथ्य एवं विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे की अध्यक्षता एवं जनपद उपाध्यक्ष वीरेन्द्र किशोर पालीवाल, जनपद सदस्य श्रीमती रजवन झनकार सिंह उईके, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मुन्नालाल भोयर, भाजपा मंडल लालबर्रा अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया, भाजयुमो अध्यक्ष संजीव अवधिया और पूर्व जनपद सदस्य इंदिरा टेकाम, चिचगांव सरपंच गोविंद पटले, बघोली के सरपंच अरशद पापा पटेल, पूर्व सरपंच शहजादा पटेल तथा उपसरपंच देवराम साहू के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसके बाद उपस्थित अतिथियों के द्वारा विधि-विधान से पूजा अर्चना कर शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा लोक शिक्षण संचालनालय से स्वीकृत लागत 71.05 रूपये से निर्माण होने वाले प्रयोगशाला और अतिरिक्त कक्ष की आधारशीला रखी गई। वहीं प्रयोगशाला एवं अतिरिक्त कक्ष का निर्माण होने से विद्यार्थियों को बैठने एवं पढ़ाई में सुविधा होगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने कहा कि ग्राम पंचायत बघोली में 71 लाख से अधिक की लागत से बनने वाली यह प्रयोगशाला और अतिरिक्त कक्ष यहां के बच्चों के भविष्य को संवारने में मील का पत्थर साबित होंगे। आज का युग विज्ञान और तकनीक का हैं, हमारे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को भी वही सुविधाएं मिलनी चाहिए जो शहरों के बच्चों को मिलती हैं। इस लैब के बनने से विद्यार्थियों को व्यावहारिक शिक्षा के लिए अब भटकना नहीं पड़ेगा। आपने मुझे पहली बार विधायक बनाकर जो विश्वास जताया है और जो जिम्मेदारी मुझे सौंपी है, मैं उस पर हमेशा खरी उतरूंगी। विपक्ष में होने के बावजूद मैं जनता के हक और अधिकारों के लिए, क्षेत्र के विकास के लिए पूरी ताकत के साथ काम करती रहूंगी। श्रीमती मुंजारे ने कहा कि शासन से योजनाएं लाना और उन्हें धरातल पर उतारना मेरी जिम्मेदारी है। मैं आपको विश्वास दिलाती हूं कि बघोली सहित पूरे लालबर्रा और बालाघाट क्षेत्र में विकास का गति इसी तरह निरंतर जारी रहेगा और बुनियादी सुविधाओं में कोई कमी नहीं आने दी जायेगी। पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन ने कहा कि भाजपा सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने, स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करने और हर वर्ग को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए पूरी तरह संकल्पित है। बघोली में इस भव्य प्रयोगशाला का निर्माण हमारे ग्रामीण अंचल के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं के सपनों को नई उड़ान देने का काम करेगा। जब गांव के बच्चों को आधुनिक संसाधन, कंप्यूटर और विज्ञान की प्रयोगशालाएं मिलेंगी, तभी वे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर पायेगे और क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे। बघोली सरपंच अरशद पापा पटेल ने इस कार्य के लिए शासन-प्रशासन और उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ग्राम पंचायत निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर पैनी नजर रखेगी ताकि आने वाली कई पीढ़ियों को इस भवन का लाभ मिल सके। वहीं भूमिपूजन के पश्चात ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के अधिकारियों ने बताया कि इस भवन का निर्माण पूरी तरह आधुनिक मापदंडों के अनुसार किया जायेगा। प्रयोगशाला में विज्ञान (भौतिकी, रसायन और जीव विज्ञान) के प्रैक्टिकल के लिए पर्याप्त स्थान और सुरक्षा मानकों का ध्यान रखा जायेगा। कार्यक्रम का सफल संचालन पंचायत सचिव लक्ष्मीप्रसाद सोनवाने के द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से प्राचार्य शिवचरण मरावी, पंच किशोर टेम्भरे, मुकेश समरित, गोविंद चौधरी, देवराम कुड़वेती, दिलीप चौधरी, भैयालाल कटरे, नजब खान, सुखचंद रहांगडाले, जियालाल साटोने, अनिल बिसेन, चैनलाल चौधरी, खेमलाल साहू, कमलेश खरोले, प्रदीप कटरे, मुन्नालाल अर्जुनवार, संतोष पाण्डे, पंचायत सचिव लक्ष्मीप्रसाद सोनवाने, सहा. सचिव महेश चौधरी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, स्कूली बच्चें एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

रिमझिम एवं तेज बारिश से मायूस किसानों के चेहरे खिले, धान की रोपाई में आयेगी तेजी

लंबे इंतजार के बाद मौसम ने बदली करवट, पानी की कमी से रोपाई कार्य हो रहे थे प्रभावित, अब कृषि कार्यों में आयेगी गति

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। पिछले कई दिनों से भीषण गर्मी और सूखे जैसे हालात का सामना कर रहे अन्नदाताओं के लिए आखिरकार आसमानी राहत बरस ही गई। क्षेत्र में शुक्रवार की रात एवं शनिवार की सुबह हुई रिमझिम और झमाझम बारिश ने न सिर्फ मौसम का मिजाज बदला है, बल्कि मायूस हो चुके किसानों के चेहरों पर एक बार फिर मुस्कान लौटा दी है। इस मानसूनी बारिश के साथ ही क्षेत्र में कृषि कार्यों ने रफ्तार पकड़ ली है और अब धान की रोपाई के काम में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है। गौरतलब है कि मानसून की बेरूखी के कारण किसान बेहद चिंतित थे। पानी के अभाव में धान के रोपे (नर्सरी) पीले पड़ने लगे थे और खेतों में दरारें आ रही थीं। बोरवेल और मोटरपंप के सहारे खेती करने वाले किसानों पर भी अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ रहा था। लेकिन इस राहत भरी बारिश ने किसानों की चिंता को दूर कर दिया है। इसी तरह आगामी समय में भी बारिश होते रहती है तो रोपाई कार्य सुचारू रूप से जारी रहेगे। वहीं शनिवार की सुबह हुई झमाझम एवं रिमरिम बारिश के बाद खेतों में पानी जमा हो जाने से क्षेत्रीय किसानों ने रोपाई कार्य प्रारंभ कर दिये है। वहीं लंबे समय से बारिश नही होने से कृषि कार्य प्रभावित होने के साथ ही पानी के अभाव में खार व रोपा में पीलापन आने लगा था, जिससे किसान चिंतित नजर आ रहे थे। लेकिन शनिवार की सुबह हुई बारिश ने एक संजीवनी का काम किया है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार धान की खेती के लिए यह समय सबसे 'यादा संवेदनशील और महत्वपूर्ण होता है। धान के पौधों को रोपाई के शुरू आती दिनों में पर्याप्त पानी की आवश्यकता होती है। खेतों में पानी का ठहराव पौधों की जड़ों को मजबूत करने और खरपतवार को रोकने के लिए बेहद जरूरी है। ऐसे समय में हुई यह रिमझिम बारिश धान की फसल के लिए किसी 'अमृत' से कम नहीं है।

कृषि विभाग की सलाह

कृषि विभाग के अधिकारियों ने भी किसानों को इस अनुकूल मौसम का पूरा लाभ उठाने की सलाह दी है। कृषि विस्तार अधिकारियों ने कहा कि जिन किसानों ने रोपाई कार्य के लिए बीज (खार) बोये थे वे तैयार हो चुके हैं, वे तुरंत खेतों को तैयार कर रोपाई का कार्य शुरू कर दें। साथ ही खेतों में जलभराव का सही प्रबंधन रखने की भी सलाह दी गई है ताकि बारिश के पानी का अधिकतम उपयोग हो सके। वहीं लालबर्रा क्षेत्र की ग्रामीण अर्थव्यवस्था पूरी तरह से खेती-किसानी पर टिकी होती है। बारिश होने और कृषि कार्य शुरू होने से न केवल किसान खुश हैं, बल्कि स्थानीय बाजारों के व्यापारियों में भी उत्साह है। माना जा रहा है कि अ'छी फसल की उम्मीद से आने वाले दिनों में खाद, बीज, कीटनाशक और अन्य जरूरी सामानों की बिक्री में भारी उछाल आयेगा। बहरहाल इस बारिश ने धरती की प्यास बुझाने के साथ-साथ अन्नदाता के सुनहरे भविष्य की उम्मीदों को भी सींच दिया है।

लालबर्रा में पहली बार निकलेगी भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा

बैठक में रथयात्रा कार्यक्रम सहित अन्य बिन्दुओं पर की गई चर्चा, 20 जुलाई को बिखरेगी सनातन की अनूठी छटा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। क्षेत्र के धार्मिक इतिहास में आगामी 20 जुलाई का दिन एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होने जा रहा है। नगर मुख्यालय स्थित विश्राम गृह में शनिवार को सर्व हिन्दु संगठन की आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में यह निर्णय लिया गया कि लालबर्रा में पहली बार भगवान जगन्नाथ जी की भव्य और पावन रथ यात्रा का आयोजन किया जायेगा। जिसकी रूपरेखा, किस स्थान से भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकलेगी सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई। साथ ही यात्रा को भव्य व अनुशासित बनाने के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर आम सहमति भी बनी है। इस तरह से 20 जुलाई को नगर मुख्यालय में सनातन की अनूठी छटा बिखरेगी और हजारों श्रध्दालुजन इस रथयात्रा में शामिल होकर भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद प्राप्त करेंगें।

अमोली से मानपुर तक सजेगा आस्था का पथ

आयोजन समिति से प्राप्त जानकारी के अनुसार भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा 20 जुलाई को शाम 4 बजे अमोली स्थित हनुमान मंदिर में विधि-विधान से पूजा अर्चना के बाद शुरू होगी। यह रथयात्रा अमोली बजरंग मंदिर से प्रस्थान कर लालबर्रा बस स्टैंड होते हुए आगे बढ़ेगी, जहां नगर वासियों द्वारा भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा का भव्य स्वागत किया जायेगा। जिसके पश्चात यात्रा अपने अंतिम गंतव्य मानपुर हॉस्पिटल कॉलोनी स्थित मनकामेश्वर मंदिर पहुंचेगी, जहां महाआरती के साथ यात्रा का विधिवत समापन किया जायेगा। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि लालबर्रा में पहली बार भगवान जगन्नाथ जी का भव्य रथ यात्रा 20 जुलाई को निकाली जायेगी, जिसकी तैयारी पुरी कर ली गई है और यह रथ बालाघाट से आयेगा। साथ ही यह भी बताया कि यह केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि हमारी धर्म, संस्कृति और सनातन को एक सूत्र में पिरोने का पावन प्रयास है। लालबर्रा के इतिहास में यह पहला अवसर है जब भगवान जगन्नाथ स्वयं नगर भ्रमण पर निकलकर भक्तों को दर्शन देंगे। चर्चा में रथयात्रा प्रभारी रक्तभूषण दास ने बताया कि लालबर्रा में भगवान जगन्नाथ जी की यह पहली रथ यात्रा है। इस यात्रा के लिए बालाघाट से एक विशेष रथ मंगाया जा रहा है, जिसकी ऊंचाई लगभग 25 फीट होगी। रथ यात्रा में स्वयं भगवान जगन्नाथ, बलदेव और सुभद्रा महारानी के विग्रह (स्वरूप) शामिल होंगे। आगे बताया कि महाप्रभु के रथ को खींचने और भक्तों को आनंदित करने के लिए बालाघाट से करीब 50 अनुभवी भक्तों की एक विशेष भजन-कीर्तन मंडली भी आ रही है, जो पूरी यात्रा के दौरान हरिनाम संकीर्तन करेगी। क्षेत्रीयजन इस पावन अवसर पर आकर रथ की रस्सी खींचे और भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करें। पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन ने बताया कि जगत के कल्याणकारक भगवान श्री जगन्नाथ जी महाराज की रथ यात्रा का यह प्रथम भव्य आयोजन हमारे अपने लालबर्रा में होने जा रहा है। मैं सभी क्षेत्रवासियों और भक्तजनों से अपील करती हूं कि वे अपने परिवार और आस-पड़ोस के लोगों के साथ इस भक्तिमय रथ यात्रा का हिस्सा बनें। साथ ही यह भी बताया कि इस यात्रा के माध्यम से हम प्रभु की आराधना कर स्वयं के साथ-साथ पूरे जगत के कल्याण की ओर आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने सभी लोगों से इस प्रथम ऐतिहासिक आयोजन को मिलकर सफल बनाने की अपील की है। इस अवसर पर सर्व हिन्दु संगठन के पदाधिकारी, सदस्यगण उपस्थित रहे।

चिकित्सा जगत में बालाघाट का मान- डॉ. बी.एम. शरणागत को मिला प्रतिष्ठित आईएमए लीडरशिप अवॉर्ड-2026

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के चिकित्सा जगत के लिए आज का दिन अत्यंत गौरवपूर्ण रहा। जिले के वरिष्ठ और अनुभवी चिकित्सक, डॉ. बी.एम. शरणागत को स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान और अनुकरणीय नेतृत्व के लिए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA) के प्रतिष्ठित लीडरशिप अवॉर्ड-2026 से सम्मानित किया गया है।

रक्षा मंत्री के हाथों मिला सम्मान

यह गरिमामयी पुरस्कार समारोह डॉक्टर्स डे के उपलक्ष्य में आज, 18 जुलाई 2026 को नई दिल्ली में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भारत के रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने अपने कर-कमलों से डॉ. शरणागत को यह राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया। इस दौरान देश भर के प्रख्यात चिकित्सक और स्वास्थ्य विशेषज्ञ मौजूद थे।

सेवा और समर्पण की पहचान

डॉ. बी.एम. शरणागत को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार उनकी दशकों की लंबी चिकित्सा यात्रा, मरीजों के प्रति अटूट सेवा भाव, समाज के अंतिम छोर तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुँचाने के प्रयासों और चिकित्सा क्षेत्र में उनके कुशल नेतृत्व के लिए दिया गया है।

अपनी प्रतिक्रिया देते हुए डॉ. शरणागत ने इस सम्मान को अपने मरीजों, जिले के स्वास्थ्य विभाग की टीम और अपने शुभचिंतकों को समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार उन्हें भविष्य में और भी अधिक निष्ठा के साथ मानवता की सेवा करने के लिए प्रेरित करेगा।

जिले में हर्ष की लहर

डॉ. शरणागत की इस उपलब्धि की खबर जैसे ही बालाघाट पहुँची, चिकित्सा समुदाय और जिले के नागरिकों में खुशी की लहर दौड़ गई। सोशल मीडिया और व्यक्तिगत रूप से उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।

जिले के प्रबुद्ध नागरिकों और चिकित्सा संगठनों ने इसे बालाघाट के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया है। उनका मानना है कि एक छोटे शहर से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाना न केवल डॉ. शरणागत के व्यक्तिगत संघर्ष और मेहनत का परिणाम है, बल्कि यह पूरे जिले के स्वास्थ्य तंत्र के लिए गौरव का विषय है।

एक प्रेरणादायक सफर

डॉ. बी.एम. शरणागत का नाम बालाघाट में चिकित्सा के क्षेत्र में एक विश्वसनीय स्तंभ के रूप में जाना जाता है। अपनी सेवा के दौरान उन्होंने न केवल जटिल रोगों के उपचार में महारत हासिल की है, बल्कि ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने में भी अग्रणी भूमिका निभाई है। यह राष्ट्रीय सम्मान उनके दीर्घकालिक अनुभवों और निस्वार्थ सेवा का एक सार्थक सम्मान है।

बारिश में दलदल बना बनियाटोला से हुड़कीटोला मार्ग, प्रशासन की उदासीनता से ग्रामीण परेशान

सालों से पक्की सड़क और डामरीकरण की उठ रही मांग,विद्यार्थियों और किसानों की बढ़ी मुसीबतें

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कायदी के आश्रित टोले बनियाटोला से हुड़कीटोला को जोड़ने वाला मार्ग की बारिश ने सूरत बिगाड़ कर रख दी है। पूरा रास्ता कीचड़ और गहरे गड्ढों के कारण दलदल में तब्दील हो चुका है। जिससे यहां रहने वाले सैकड़ों ग्रामीणों का जीना मुहाल हो गया है। यातायात व्यवस्था पूरी तरह ठप होने के कगार पर है और लोग जान जोखिम में डालकर आवागमन करने को मजबूर हैं।

एक सैकड़ा आबादी सालों से भुगत रही है उपेक्षा का दंश

प्राप्त जानकारी के अनुसार इस क्षेत्र में लंबे समय से लगभग १०० से अधिक लोग करीब २५ से ज्यादा परिवार निवास करते हैं। वार्ड नंबर १६ हुड़कीटोला के निवासियों के लिए हर साल बारिश का मौसम किसी अभिशाप से कम नहीं होता। ग्रामीणों ने इस मार्ग के स्थायी निर्माण या डामरीकरण के लिए ग्राम पंचायत से लेकर आला अधिकारियों तक अनेकों बार गुहार लगाई है। लेकिन हर बार उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिला धरातल पर आज तक कोई प्रयास नहीं किए गए। प्रशासनिक उदासीनता के कारण इतने वर्षों बाद भी यह मार्ग कच्चा और बदहाल पड़ा हुआ है। यह मार्ग केवल रहवासियों के लिए ही नहीं बल्कि क्षेत्र के किसानों के लिए भी जीवनरेखा है। नहर पर बनी पुलिया से करीब डेढ़ किलोमीटर अंदर बसे इस टोले का रास्ता आगे सीधे जोड़ापाठ के लिए निकलता है। इस पूरे बेल्ट में क्षेत्र के किसानों की सैकड़ों एकड़ कृषि भूमि स्थित है। वर्तमान में स्थिति इतनी बदतर हो चुकी है कि ट्रैक्टरों के आवागमन से सड़क पर ३ फीट तक गहरा दलदल बन गया है। आलम यह है कि मोटरसाइकिल और साइकिल से चलना तो दूर पैदल कदम रखना भी दूभर है। किसान और ग्रामीण नहर की पुलियां पर ही अपनी गाडियां खड़ी करने को विवश हैं और वहां से डेढ़ दो किलोमीटर का फासला पैदल कीचड़ में सने हुए तय कर रहे हैं। इस दुर्दशा का सबसे बुरा असर स्कूल और कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों पर पड़ रहा है। कीचड़ से लथपथ सड़क पर बच्चे आए दिन फिसलकर गिर रहे हैं जिससे उनके कपड़े और कॉपियां खराब हो रही हैं। इस खस्ताहाल मार्ग के ठीक समीप से एक नहर बहती है। सड़क पर कीचड़ और नहर के किनारों पर उगी झाड़ियों के कारण रास्ता बेहद संकरा हो गया है। ऐसे में कीचड़ से बचते समय किसी भी वक्त कोई बड़ा वाहन या राहगीर अनियंत्रित होकर नहर में गिर सकता है जिससे हमेशा गंभीर हादसे की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों ने शासन प्रशासन और जिला प्रशासन से मांग की है कि इस समस्या को गंभीरता से लिया जाए और तत्काल बनियाटोला से हुड़कीटोला तक पक्की सड़क का निर्माण या डामरीकरण कराया जाए।

यह समस्या कई वर्षों से बनी हुई जो आज तक समाधान नही हुआ -योगेश खैरवार

पंच योगेश खैरवार ने बताया कि नहर से हुडकीटोला तक सड़क की हालत बहुत खराब है। २ वर्ष पहले से बनाए थे पर वह भी ऐसी ही थी अभी मोटरसाइकिल से कोई नहीं आ सकता केवल पैदल चलकर आते जाते हैं। पूरी सड़क पर कीचड़ है यहां रहने वाले मजबूर है वह आना जाना कैसे करें यह बड़ी समस्या है। यह सड़क बनने वाली है कहा गया था परंतु पता नहीं क्या हुआ। इस गांव वालों के लिए गिट्टी या डामर सड़क बनना चाहिए इस बस्ती में करीब १०० से अधिक लोग रहते हैं जो मजबूर है। पिछले ४ वर्षों से यह सड़क और ज्यादा खराब हो गया है।

इस मार्ग पर पैदल चलना तक मुश्किल है-मीराबाई

ग्रामीण मीराबाई ने बताया कि यह की यहां आगे हमारे मकान है इस कच्चे और कीचड़ वाले मार्ग से हम आते जाते हैं चारों तरफ कीचड़ फैला हुआ है। पैदल चलना तक मुश्किल है परंतु खेती बड़ी या हमारे घर किसी को आना हो तो वह यहीं से आते जाते हैं। बैलगाड़ी तक यहां से आना जाना नहीं कर पाती है, खेत में हम पैदल खाना लेकर जाते हैं तो डर लगा रहता है गिर ना जाए। यहां तक की कभी कोई स्वास्थ्य आपातकाल होने पर एंबुलेंस भी अंदर नहीं आ पाती है ,मनमाना कीचड़ सड़कों पर है और आज की यह समस्या नहीं है वर्षों से देख रहे हैं ऐसा ही है।

विद्यार्थीयों और ग्रामीणों को हो रही भारी परेशानी-मनोहर नगरगडे

ग्रामीण मनोहर नगरगड़े ने बताया कि टोले पर हमारा आना जाना लगा रहता है परंतु हम नहीं आ पाते हैं काफी दिक्कत होती है पैदल आना जाना होता है लंबी दूरी होती है। खेतों में कुछ सामान लेकर जाना होता है तो और ज्यादा दिक्कत बन जाती है इस मार्ग को बनाने के लिए कोई ध्यान नहीं दे रहा है। इस टोले पर कुछ बच्चे भी निवास करते हैं जो स्कूल आना जाना करते हैं परंतु सड़क के कारण उन्हें छुट्टी मारनी पड़ती है। नहर किनारे भी आना जाना होता है परंतु वहां कचरा है झाड़ियां उग गई है दुर्घटना होने की संभावना रहती है। स्थिति बहुत खराब है यदि कोई रिश्तेदार आता है तो उसे चौक पर मोटरसाइकिल या वाहन खड़ाकर पैदल अंदर आना होता है और वह जब हमें टोकता है तो बहुत बुरा लगता है।

आज वारासिवनी में निकलेगी प्रभु जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। पुरुषोत्तम क्षेत्र श्री जगन्नाथ पुरी की पावन और अटूट परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी धार्मिक नगरी वारासिवनी में प्रभु श्री जगन्नाथ की भव्य एवं दिव्य रथयात्रा का आयोजन होने जा रहा है। श्री रामलला सेवा समिति वारासिवनी के तत्वावधान में यह अलौकिक महोत्सव १९ जुलाई की शाम ४ बजे से आयोजित किया गया है। इस धार्मिक आयोजन को लेकर संपूर्ण क्षेत्र के श्रद्धालुओं में अभूतपूर्व उत्साह और अटूट श्रद्धा का माहौल है। यात्रा के स्वागत के लिए पूरे नगर को तोरण द्वारों और आकर्षक ध्वजाओं से सजाया गया है जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा है। समिति से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस पावन अवसर पर भगवान श्री जगन्नाथ, उनके बड़े भाई भगवान बलभद्र और बहन माता सुभद्रा अपने विशाल एवं कलात्मक दिव्य रथों पर विराजमान होकर नगर भ्रमण पर निकलेंगे।

इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य उन सभी वृद्ध अस्वस्थ और असमर्थ भक्तों को प्रभु के साक्षात दर्शन का लाभ कराना है जो किसी कारणवश पुरी धाम जाने में असमर्थ हैं। इस दिव्य रथ यात्रा का विधिवत शुभारंभ शाम ४ बजे श्री कृष्ण मंदिर जैन मोहल्ला से महाआरती के पश्चात होगा। यहाँ से भगवान का रथ प्रस्थान कर नगर के प्रमुख व्यापारिक एवं सामाजिक केंद्रों की ओर बढ़ेगा। यात्रा जैन मोहल्ला से निकलकर गोलीबारी चौक, आंबेडकर चौक, नेहरू चौक, जय स्तंभ चौक, दीनदयाल चौक सहित विभिन्न प्रमुख चौक.चौराहों और गलियों का भ्रमण करेगी। यात्रा का विशेष आकर्षण इस्कॉन के अनुभवी और समर्पित भक्तों की टोली होगी जो अपने पारंपरिक वाद्य यंत्रों जैसे मृदंग, करताल और झांझ के साथ रथ के आगे.आगे भव्य हरिनाम संकीर्तन करेगी। नगर भ्रमण के बाद यह पावन रथ यात्रा श्री राम मंदिर पहुंचेगी जहां भगवान की महाआरती के साथ इसका भव्य समापन होगा। इसके पश्चात् सभी श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसादी के रूप में विशेष भात प्रसादी की व्यवस्था की गई है। श्री रामलला सेवा समिति वारासिवनी एवं समस्त धर्मप्रेमी नगरवासियों ने क्षेत्र की जनता से इस अलौकिक और पुण्यदायी कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ उठाने की अपील की है।

गर्राबोडी में बाघ की दस्तक, जंगल में चरने गई गाय का किया शिकार

चरवाहे के सामने मवेशी को निवाला बनाता रहा हिंसक वन्य प्राणी, ग्रामीणों में दहशत का माहौल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी वन विभाग के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत गर्राबोडी के वन्य क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहाँ शुक्रवार की शाम करीब ४ बजे एक हिंसक बाघ ने जंगल में चरने गई एक दुधारू पशु गाय पर हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है और ग्रामीणों में भारी दहशत का माहौल निर्मित हो गया है। घटना में पिडित किसान यादोराव मंडलेकर को हजारों रुपये का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है।

जंगल के पास चरने गई थी मवेशी शाम को नहीं लौटी घर

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम गर्राबोडी निवासी पीड़ित किसान यादोराव मंडलेकर खेती किसानी के साथ साथ पशुपालन का कार्य भी करते हैं। उन्होंने उन्नत तकनीक और अच्छी आय के लिए एक कीमती होल्स्टीन फ्रीजियन नस्ल की दुधारू गाय पाल रखी थी। रोजमर्रा की तरह शुक्रवार की सुबह करीब १० बजे ग्राम के चरवाहे शिवराम धुर्वे अन्य मवेशियों के साथ इस गाय को भी जंगल के पास हरी घास चराने के लिए ले गए थे। शाम करीब ५ बजे जब चरवाहा सभी मवेशियों को लेकर वापस गांव लौटा तो किसान यादोराव ने पाया कि उनकी एचएफ नस्ल की गाय वापस नहीं आई है। गाय के घर ना लौटने पर चिंतित किसान और उनके परिजनों ने चरवाहे से पूछताछ की। इसके बाद तत्काल मवेशी की तलाश शुरू की गई जब परिजन और ग्रामीण चरवाहे के द्वारा बताए गए स्थान जंगल के मुहाने पर पहुँचे तो वहाँ का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। पास ही के घने जंगल के भीतर हिंसक बाघ उस गाय का शिकार करने के बाद उसे खा रहा था। अनुमान लगाया जा रहा है कि शाम करीब ४ बजे यह गाय चरते हुए जंगल के थोड़े अंदर चली गई होगी जहाँ घात लगाए बैठे बाघ ने उस पर हमला कर दिया। बाघ को सामने शिकार करते देख परिजन बुरी तरह डर गए और तुरंत वहाँ से वापस भाग खड़े हुए। पीड़ित परिवार ने इस घटना की सूचना तुरंत वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही शनिवार को वन विभाग की टीम मौके पर पहुँची। अधिकारियों ने घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और आवश्यक पंचनामा कार्यवाही पूरी की। वन विभाग ने मामले में प्रकरण तैयार कर आगे की आवश्यक कागजी कार्यवाही शुरू कर दी है।

खरीफसीजन में बढ़ा खतरा, ग्रामीणों ने की बाघ को खदेड़ने की मांग

बाघ द्वारा गाय के शिकार की यह खबर आग की तरह पूरे गर्राबोडी और आसपास के गांवों में फैल गई है। शनिवार को दिनभर यह घटना पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी रही। ग्रामीणों ने खुद अपनी आँखों से बाघ को शिकार खाते हुए देखा है जिसके चलते अब खेतों की ओर जाने में लोगों के पैर कांप रहे हैं। वर्तमान में खरीफ की फसलों का सीजन चल रहा है। किसानों और मजदूरों को निंदाई, रोपाई और अन्य जरूरी कामों के लिए सुबह से शाम तक खेतों में रहना पड़ता है। ऐसी स्थिति में खेतों से सटे वन्य क्षेत्र में बाघ की मौजूदगी ने ग्रामीणों की रातों की नींद उड़ा दी है। लोग अब अकेले खेतों की तरफजाने से कतरा रहे हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि इस हिंसक बाघ को आबादी वाले क्षेत्र से दूर घने जंगलों में खदेड़ा जाए ताकि वे बिना किसी डर के अपने खेतों में काम कर सकें और जान.माल का कोई और नुकसान न हो।

बाघ ने किया गाय का शिकार ७० हजार रूपये का हुआ नुकसान-बाबूलाल मंडलेकर

बाबूलाल मंडलेकर ने बताया की मारी गई एचएफनस्ल की गाय की अनुमानित कीमत करीब ७० हजार रुपये हैं जो हमारी आजीविका का एक बड़ा सहारा थी। जंगल में बाघ ने उसका शिकार कर लिया इस घटना की जानकारी हमें तब लगी जब वह शाम को वापस नहीं लौटी ढूंढने के लिए हम गए तो बाग उसे खा रहा था। इस घटना से पूरे गांव में लोग डरे हुए हैं खेती कार्य प्रभावित होने की भी संभावना है हम वन विभाग से उचित और त्वरित मुआवजा राशि प्रदान करने लोगों की सुरक्षा व्यवस्था बनाने की मांग करते हैं।

जवाहर नवोदय विद्यालय में केरल के विद्यार्थियों ने हिन्दी में लिखे पत्र, बालाघाट की संस्कृति से हुए प्रभावित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। जवाहर नवोदय विद्यालय वारासिवनी में राष्ट्रीय एकता एवं छात्र आदान प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत केरल जैसे अहिंदीभाषी प्रदेश से आए विद्यार्थियों ने हिन्दी भाषा के प्रति अद्भुत रुचि और लगाव का परिचय दिया है। इन विद्यार्थियों ने ना केवल हिन्दी सीखने में उत्साह दिखाया, बल्कि अपने माता पिता को हिन्दी में पत्र लिखकर बालाघाट जिले की समृद्ध संस्कृति, वेशभूषा, खानपान एवं लोक संस्कृति का सुंदर वर्णन भी किया। विद्यालय के प्राचार्य संदीप जैन ने बताया कि प्रारंभ में हिन्दी भाषा से अपरिचित रहे ये विद्यार्थी अब इतनी सहजता से हिन्दी में अपने विचार व्यक्त कर रहे हैं जो अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों द्वारा हिन्दी में पत्र लेखन करना इस बात का प्रमाण है कि भाषा के माध्यम से सांस्कृतिक एकता को और अधिक सशक्त बनाया जा सकता है। प्राचार्य ने यह भी बताया कि वर्तमान डिजिटल युग में जहां अन्तरदेशीय पत्र लेखन की परंपरा लगभग विलुप्त होती जा रही है। वहीं इन विद्यार्थियों द्वारा अपने माता पिता को पत्र लिखना एक सुखद और प्रेरणादायक पहल है। इससे ना केवल भाषा का विकास हो रहा है बल्कि भावनात्मक जुड़ाव भी सुदृढ़ हो रहा है।

विद्यार्थियों ने अपने पत्रों में बालाघाट की प्राकृतिक सुंदरता, स्थानीय खानपान की विविधता, पारंपरिक वेशभूषा और लोकसंस्कृति की झलक को बड़े ही भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया। इस गतिविधि के दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह और प्रसन्नता देखी गई। इस महत्वपूर्ण गतिविधि के सफल संचालन में हिन्दी विभाग के प्रमुख बी आर पटेल, दीपेश जैन, श्रीमती यशोधरा सिंह एवं मोहम्मद अयाज़ अंसारी का विशेष योगदान रहा। सभी ने उप प्राचार्य रणवीर सिंह के मार्गदर्शन में समन्वय पूर्वक कार्य करते हुए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। विद्यालय परिवार ने इस पहल को राष्ट्रीय एकता, भाषाई समरसता और सांस्कृतिक आदान प्रदान का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन का संकल्प लिया है।

नाबालिग के अपहरण और दुराचार का आरोपी प्रदुम दमाहे गिरफ्तार, न्यायालय ने भेजा जेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए एक नाबालिग बालिका के अपहरण और दुराचार के मामले में आरोपी को महाराष्ट्र के गोंदिया से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी को वारासिवनी न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहाँ से न्यायालय ने उसे जेल भेज दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खैरलांजी थाना क्षेत्र के अंतर्गत रहने वाले एक व्यक्ति ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि कोई अज्ञात व्यक्ति उनकी नाबालिग बेटी को बहला फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया है। फरियादी की शिकायत पर खैरलांजी पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए भारतीय न्याय संहिता की धारा १३७,२ के तहत अपहरण का मामला दर्ज किया और पीड़िता की तलाश के लिए सरगर्मी से तफ्तीश शुरू कर दी। पुलिस टीम ने मुखबिर तंत्र और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से अगले ही दिन १७ जुलाई को लापता नाबालिग बालिका को महाराष्ट्र के गोंदिया से सुरक्षित दस्तयाब कर लिया। बालिका के साथ पुलिस ने आरोपी प्रदुम पिता श्रवण दमाहे उम्र २९ वर्ष निवासी घोटी को भी हिरासत में लिया। दोनों को खैरलांजी थाने में लाया गया जहाँ नियमों के तहत बालिका की काउंसलिंग की गई और विधिवत पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान नाबालिग पीड़िता के द्वारा दिए गए बयानों के आधार पर पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पूर्व में दर्ज अपराध में भारतीय न्याय संहिता की धारा ६४,२ एम, ६५,१ सहित पॉक्सो एक्ट की धारा ५ एल और ६ का इजाफा किया। दस्तावेजी कार्यवाही पूरी होने के बाद आरोपी प्रदुम दमाहे को वारासिवनी न्यायालय में पेश किया गया जहाँ से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। फिलहाल पुलिस के द्वारा मामले की आगे की विवेचना की जा रही है। इस मामले में पीडिता को तत्काल दस्तयाब करने और आरोपी को दबोचने में उप निरीक्षक कलशराम उइके ,सतीश आर्मी ,आरक्षक शिवजीत भदोरिया, प्रेम दीक्षित और सानू वर्मा की सराहनीय भूमिका रही।

हरित ऊर्जा क्रांति का ऐतिहासिक शंखनाद

भारतीय रेल केवल लोहे की पटरियों पर दौड़ने वाली रेलगाड़ियों का विशाल नेटवर्क नहीं है,बल्कि यह भारत की आर्थिक शक्ति,सामाजिक समरसता,राष्ट्रीय एकता और तकनीकी प्रगति का सबसे सशक्त प्रतीक भी है। लगभग डेढ़ सौ वर्षों से अधिक की अपनी गौरवशाली यात्रा में भारतीय रेल ने अनेक ऐतिहासिक पड़ाव पार किए हैं। स्टीम इंजन से प्रारम्भ हुई यह यात्रा डीजल और फिर विद्युत इंजनों तक पहुँची,और अब भारत हरित ऊर्जा के उस नए स्वर्णिम युग में प्रवेश कर चुका है,जहाँ रेलगाड़ियाँ जीवाश्म ईंधन नहीं,बल्कि स्वच्छ हाइड्रोजन ऊर्जा के सहारे आगे बढ़ेंगी। हरियाणा के ऐतिहासिक नगर जींद से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाया जाना केवल एक नई रेल सेवा का शुभारम्भ नहीं,बल्कि विकसित भारत,आत्मनिर्भर भारत और हरित भारत के साझा संकल्प का उद्घोष है। यह क्षण भारतीय रेल के इतिहास में उसी प्रकार स्वर्णाक्षरों में अंकित होगा,जैसे कभी पहली रेलगाड़ी के संचालन, राजधानी एक्सप्रेस,शताब्दी,मेट्रो अथवा वंदे भारत ट्रेनों के शुभारम्भ को याद किया जाता है। जींद का चयन भी अत्यंत प्रतीकात्मक है। हरियाणा का यह नगर केवल एक रेलवे जंक्शन नहीं,बल्कि इतिहास, आस्था और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत केंद्र है। महाभारतकालीन परम्पराओं से जुड़े इस क्षेत्र का उल्लेख अनेक ऐतिहासिक संदर्भों में मिलता है। जनश्रुतियों के अनुसार इसका संबंध देवी जयन्ती की आराधना से भी माना जाता है। आज यही भूमि भारत की आधुनिक वैज्ञानिक चेतना और हरित प्रौद्योगिकी के नए अध्याय की साक्षी बन रही है। अतीत की सांस्कृतिक विरासत और भविष्य की वैज्ञानिक सोच का यह अद्भुत संगम जींद को राष्ट्रीय मानचित्र पर नई पहचान प्रदान करता है। रेलवे की दृष्टि से भी जींद का महत्व अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। उत्तर रेलवे का यह प्रमुख जंक्शन वर्षों से हरियाणा,दिल्ली, पंजाब और राजस्थान को जोड़ने वाला रणनीतिक रेल केंद्र है। बदलते समय के साथ इसका आधुनिकीकरण हुआ और अब यही जंक्शन भारत की हरित रेल क्रांति का प्रारम्भिक केंद्र बन गया है। भारतीय रेल ने पिछले एक दशक में परिवर्तन की ऐसी गति देखी है,जिसकी कल्पना कुछ वर्ष पहले तक कठिन थी। वंदे भारत ट्रेनों का विस्तार, अमृत भारत एक्सप्रेस का संचालन,समर्पित माल गलियारे (ष्ठद्गस्त्रद्बष्डुह्लद्गस्त्र स्नह्मद्गद्बद्दद्धह्ल ष्टश्वह्म्द्बस्त्रश्वह्म्),कवच जैसी स्वदेशी सुरक्षा प्रणाली,अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास,लगभग सम्पूर्ण ब्रॉडगेज नेटवर्क का विद्युतीकरण, आधुनिक सिग्नलिंग व्यवस्था तथा डिजिटल यात्री सेवाओं ने रेलवे की कार्यसंस्कृति और छवि दोनों को बदल दिया है। अब हाइड्रोजन ट्रेन इस परिवर्तन यात्रा का अगला और सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव बनकर सामने आई है। हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक भविष्य के स्वच्छ परिवहन की आधारशिला मानी जा रही है। इस तकनीक में डीजल का उपयोग नहीं होता। ईंधन सेल में हाइड्रोजन और ऑक्सीजन की रासायनिक प्रक्रिया से विद्युत ऊर्जा उत्पन्न होती है,जिससे ट्रेन संचालित होती है। इस पूरी प्रक्रिया में कार्बन डाइऑक्साइड या अन्य प्रदूषक गैसों का उत्सर्जन नहीं होता;केवल जलवाष्प निकलती है। यही कारण है कि इसे जीरो एमिशन ट्रांसपोर्ट की दिशा में सबसे प्रभावी तकनीकों में शामिल किया जाता है। यूरोप,जापान, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देश पहले से इस दिशा में कार्य कर रहे हैं। ऐसे समय में भारत का स्वदेशी तकनीक और अपनी इंजीनियरिंग क्षमता के बल पर इस क्षेत्र में प्रवेश करना केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं,बल्कि वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन में भारत की सक्रिय भागीदारी का संकेत भी है। भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का निर्माण भारतीय इंजीनियरों, वैज्ञानिकों और रेलवे तकनीकी विशेषज्ञों की क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण है।

भारत में जुआ सट्टेबाजी एवं कैसीनो विनियमन कानून (मॉडल गंबलिंग एंड कैसीनो रेगुलेशन लॉ) बनाना जरूरी

न्यूनतम कानूनी मानकों से युवाओं की सुरक्षा सर्वोपरि- समग्र व्यापक विश्लेषण

वैश्विक स्तरपर भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।ऐसे समय में देश के सामने केवल आर्थिक विकास की चुनौती नहीं है,बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व, कानून का प्रभावी शासन, युवाओं का भविष्य और डिजिटल युग में बदलती जीवनशैली के अनुरूप आधुनिक कानून बनाने की आवश्यकता भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो गई है। जुआ, कैसीनो और ऑनलाइन सट्टेबाजी इन्हीं विषयों में से एक है, जिसपर लंबे समय से देश में स्पष्ट, समग्र और आधुनिक नीति का अभाव दिखाई देता है। भारत में जुआ और कैसीनो के लिए कोई एक समान केंद्रीय (राष्ट्रीय) कानून नहीं है।अधिकांश मामलों में अभी भी पब्लिक गेबलिंग एक्ट,1867 (जहाँ लागू है) तथा राज्यों के अपने- अपने कानून लागू होते हैं। गोवा,सिक्किम और कुछ हद तक दमन-दीव में लाइसेंस प्राप्त कैसीनो की अनुमति है, जबकि कई राज्यों में जुआ पूर्ण या आंशिक रूप से प्रतिबंधित है। इसलिए राष्ट्रीय स्तर पर एक समान मॉडल कानून की आवश्यकता की चर्चा समय-समय पर होती रही है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र अधिवक्ता होने के नाते बताना चाहूंगा कि, वर्तमान डिजिटल प्रौद्योगिकी के दौर में सोशल मीडिया,ऑनलाइन गेमिंग, ऑनलाइन कसीनो,बेटिंग ऐप्स,फैंटेसी स्पोर्ट्स प्लेटफ़ॉर्म शॉर्ट वीडियो ऐप्स, लाइव स्ट्रीमिंग प्लेटफ़ॉर्म,एआई आधारित चैट प्लेटफ़ॉर्म, वीडियो शेयरिंग साइट्स तथा अन्य डिजिटल माध्यमों का प्रभाव तेजी से बढ़ा है।इनका सकारात्मक उपयोग शिक्षा, नवाचार और संचार के लिए उपयोगी है,लेकिन अनियंत्रित और कम उम्र में उपयोग बच्चों एवं युवाओं में नशे जैसी डिजिटल लत,मानसिक तनाव,पढ़ाई में गिरावट, आर्थिक नुकसान और सामाजिक समस्याओं का कारण भी बन रहा है।इसी चिंता को देखते हुए ऑस्ट्रेलिया ने बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर कड़े प्रतिबंधों की दिशा में कदम उठाए हैं,जबकि ब्रिटेन सहित कई देशों ने आयु सत्यापन ऑनलाइन सुरक्षा और बाल संरक्षण संबंधी नियमों को सख्त बनाया है।भारत में भी डिजिटल सुरक्षा,ऑनलाइन गेमिंग और बच्चों की सुरक्षा को लेकर नीतिगत स्तरपर लगातार विचार-विमर्श और नियामकीय सटीकता से प्रयास जारी हैं। साथियों, इसी क्रम में गोवा सरकार ने 16 जुलाई 2026 को अधिसूचित गोवा कसीनो (संशोधन) कानून के तहत कसीनो में प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु 21 वर्ष निर्धारित कर दी। इसका उद्देश्य युवाओं को जुए की लत और उसके सामाजिक- आर्थिक दुष्प्रभावों से बचाना हैवर्तमान में अधिकांश भारतीय राज्यों में कसीनो या ऑनलाइन जुए के संबंध में अलग-अलग कानून हैं, लेकिन गोवा की तरह 21 वर्ष की स्पष्ट आयु-सीमा का मॉडल सभी राज्यों में समान रूप से लागू नहीं है। कई राज्यों ने जुए पर पूर्ण या आंशिक प्रतिबंध लगाया है, जबकि कुछ राज्यों ने ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी पर अलग-अलग नियम बनाए हैं।आज आवश्यकता इस बात की है कि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर बच्चों और युवाओं की सुरक्षा के लिए सोशल मीडिया,ऑनलाइन गेमिंग, ऑनलाइन कसीनो और अन्य व्यसनी डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर प्रभावी आयु सत्यापन, समय- सीमा, अभिभावकीय नियंत्रण तथा कठोर नियामकीय व्यवस्था लागू करें। यदि गोवा का 21 वर्ष आयु-सीमा मॉडल अन्य राज्यों में भी अपनाया जाता है,तो यह युवा पीढ़ी को डिजिटल और जुए की लत से बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो सकता है। साथियो 16 जुलाई 2026 से गोवा सरकार द्वारा उठाए गए दो महत्वपूर्ण कदम, 21 वर्ष से कम आयु के युवाओं के कैसीनो में प्रवेश पर प्रतिबंध तथा कैसीनो उद्योग पर कर एवं नियामक व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ बनाने की पहल ने राष्ट्रीय स्तर पर एक नई बहस को जन्म दिया है। यह बहस केवल गोवा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रश्न पूरे भारत के सामने खड़ा करती है कि यदि किसी राज्य में कैसीनो या जुए की अनुमति है,तो क्या उसे सख्त कानून पारदर्शी कर व्यवस्था और सामाजिकउत्तरदायित्व के दायरे में नहीं लाया जाना चाहिए?और यदि किसी राज्य में इसकी अनुमति नहीं है,तो क्या अवैध जुआ और ऑनलाइन सट्टेबाजी पर नियंत्रण के लिए सटीकता से आधुनिक कानून नहीं बनने चाहिए? साथियों, गोवा भारत का प्रमुख पर्यटन राज्य है,जहाँ वर्षों से लाइसेंस प्राप्त कैसीनो संचालित हो रहे हैं। देश और विदेश से आने वाले पर्यटक राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।कैसीनो उद्योग से सरकार को राजस्व प्राप्त होता है,हजारों लोगों को रोजगार मिलता है और पर्यटन क्षेत्र को गति मिलती है। किंतु दूसरी ओर जुए की लत,आर्थिक बर्बादी, पारिवारिक विवाद,मानसिक तनाव,अपराध और युवाओं पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव जैसी चिंताएँ भी सामने आती रही हैं। इसलिए गोवा सरकार ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि आर्थिक गतिविधि तभी स्वीकार्य है,जब वह सामाजिक उत्तरदायित्व और सख्त कानूनी निगरानी के साथ संचालित हो।21 वर्ष से कम आयु के युवाओं के कैसीनो में प्रवेश पर प्रतिबंध एक अत्यंत दूरदर्शी कदम माना जा सकता है। विश्वभर के मनोवैज्ञानिक और न्यूरोसाइंस विशेषज्ञ मानते हैं कि किशोरावस्था और प्रारंभिक युवावस्था में निर्णय लेने की क्षमता पूरी तरह परिपक्व नहीं होती। इस आयु में जोखिम उठाने की प्रवृत्ति अधिक होती है और तत्काल लाभ का आकर्षण व्यक्ति को गलत निर्णयों की ओर ले जा सकता है। यदि इस अवस्था में जुए की लत लग जाए तो उसका प्रभाव केवल आर्थिक नहीं बल्कि मानसिक, पारिवारिक और सामाजिक जीवन पर भी पड़ता है। इसलिए गोवा का यह निर्णय केवल प्रवेश रोकने का नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी की सुरक्षा का निर्णय है। साथियों गोवा सरकार का दूसरा महत्वपूर्ण कदम कैसीनो उद्योग को अधिक उत्तरदायी कर व्यवस्था और नियामक ढाँचे के अंतर्गत लाने का है। किसी भी आर्थिक गतिविधि का उद्देश्य केवल लाभ कमाना नहीं होना चाहिए। यदि सरकार कर के माध्यम से प्राप्त राजस्व का उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य,खेल, नशामुक्ति, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों पर करती है,तो यह व्यवस्था समाज और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकती है। कराधान का अर्थ केवल सरकारी आय बढ़ाना नहीं, बल्कि आर्थिक गतिविधियों में सटिका से पारदर्शिता,जवाबदेही और वैधता स्थापित करना भी होता है। साथियों,भारत में वर्तमान स्थिति काफी असमान है।गोवा सिक्किम और दमन जैसे कुछ क्षेत्रों में सीमित रूप से कैसीनो की अनुमति है, जबकि अधिकांश राज्यों में सार्वजनिक जुआ प्रतिबंधित है।इसके बावजूदऑनलाइन जुआ विदेशी बेटिंग प्लेटफॉर्म और डिजिटल सट्टेबाजी का तेजी से विस्तार हो रहा है। लाखों भारतीय मोबाइल फोन के माध्यम से ऐसे प्लेटफॉर्म तक पहुँच रहे हैं, जिन पर राज्य सरकारों का प्रत्यक्ष नियंत्रण नहीं है। इससे कर चोरी, मनी लॉन्ड्रिंग, साइबर अपराध और युवाओं में जुए की लत जैसी समस्याएँ बढ़ने की आशंका बनी रहती है। यह स्थिति स्पष्ट संकेत देती है कि केवल पुराने कानूनों के सहारे आधुनिक डिजिटल चुनौतियों का सटीकता से समाधान संभव नहीं है। साथियों, भारत में सबसे बड़ी चुनौती यह है कि जुआ और सट्टेबाजी से जुड़े अनेक कानून औपनिवेशिक काल के हैं,जबकि आज की दुनियाँ कृत्रिम बुद्धिमत्ता,डिजिटल भुगतान और ऑनलाइन गेमिंग के युग में प्रवेश कर चुकी है। आज कोई व्यक्ति कुछ ही मिनटों में मोबाइल फोन से अंतरराष्ट्रीय बेटिंग वेबसाइट पर पैसा लगा सकता है।यदि सरकार केवल प्रतिबंध की नीति अपनाती है, तो अवैध गतिविधियाँ भूमिगत हो जाती हैं। यदि पूर्ण स्वतंत्रता देती है, तो सामाजिक नुकसान बढ़ सकता है।इसलिए आवश्यकता एक संतुलित नीति की है,जहाँ सटीकता से कानून भी हो,निगरानी भी हो और सामाजिक उत्तरदायित्व भी हो। साथियों, मेरे विचार से भारत को अब एक मॉडल जुआ एवं कैसीनो विनियमन कानून (मॉडल गंबलिंग एंड कैसीनो रेगुलेशन लॉ) तैयार करना चाहिए। यह कानून पूरे देश पर अनिवार्य रूप से लागू न होकर राज्यों के लिए एक आदर्श मॉडल हो सकता है।प्रत्येक राज्य अपनी सामाजिक सांस्कृतिक और आर्थिक परिस्थितियों के अनुसार इसे अपनाने या संशोधित करने का अधिकार रखे।इससे देशभर में न्यूनतम कानूनी मानक (मिनिमम् लीगल स्टैण्डर्ड्स) स्थापित होंगे और कानूनी अस्पष्टता दूर होगी।इस मॉडल कानून का पहला सिद्धांत होना चाहिए, युवाओं की सुरक्षा सर्वोपरि। पूरे देश में 21 वर्ष से कम आयु के किसी भी व्यक्ति के कैसीनो या उच्च जोखिम वाले जुआ प्लेटफॉर्म तक पहुँचने पर प्रतिबंध होना चाहिए। आधार, पासपोर्ट या अन्य सरकारी पहचान-पत्र के माध्यम से डिजिटल आयु सत्यापन अनिवार्य बनाया जाए। नियमों का उल्लंघन करने वाले संचालकों पर भारी जुर्माना, लाइसेंस रद्द करने और आपराधिक कार्रवाई का सटीकता से प्रावधान होना चाहिए। साथियों, दूसरा महत्वपूर्ण प्रावधान जिम्मेदार जुआ (रिस्पांसिबल गेबलिंग) होना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति स्वयं को जुए की लत से बचाना चाहता है,तो उसे स्वैच्छिक प्रतिबंध का अधिकार मिलना चाहिए। परिवार के सदस्यों को भी विशेष परिस्थितियों में न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से ऐसे व्यक्ति के प्रवेश पर रोक लगाने का अधिकार मिल सकता है।प्रत्येक कैसीनो में सटीकता से मनोवैज्ञानिक परामर्श, हेल्पलाइन चेतावनी संदेश और नशामुक्ति सहायता केंद्र अनिवार्य किए जाने चाहिए। साथियों, तीसरा व चौथा महत्वपूर्ण पहलू पारदर्शी कर व्यवस्था है। कैसीनो उद्योग से प्राप्त राजस्व का निश्चित प्रतिशत शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, मानसिक स्वास्थ्य, नशामुक्ति अभियान और महिला सुरक्षा कार्यक्रमों पर खर्च करना कानून द्वारा अनिवार्य किया जा सकता है। इससे जनता को यह विश्वास मिलेगा कि सरकार केवल कर संग्रह नहीं कर रही, बल्कि सामाजिक कल्याण के लिए उसका उपयोग भी कर रही है।चौथा पक्ष डिजिटल और ऑनलाइन जुए का नियमन है। विदेशी बेटिंग प्लेटफॉर्म, अवैध ऐप और अनधिकृत वेबसाइटें भारतीय युवाओं को तेजी से आकर्षित कर रही हैं। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, गृह मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, रिजर्व बैंक, प्रवर्तन निदेशालय, साइबर पुलिस और राज्यों की एजेंसियों के बीच समन्वित व्यवस्था विकसित कर ऐसे प्लेटफॉर्मों पर प्रभावी नियंत्रण सटीकता से स्थापित किया जाना चाहिए। साथियों, कुछ लोग यह तर्क देते हैं कि जुआ सामाजिक बुराई है और इसे पूरी तरह प्रतिबंधित कर देना चाहिए। यह विचार अपनी जगह सम्माननीय है।वहीं दूसरा पक्ष कहता है कि जहाँ माँग मौजूद है, वहाँ पूर्ण प्रतिबंध से अवैध बाजार और संगठित अपराध बढ़ते हैं। विश्व के अनेक देशों का अनुभव बताता है कि कठोर नियमन, पारदर्शी कर व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा उपाय पूर्ण प्रतिबंध की तुलना में अधिक प्रभावी सिद्ध हुए हैंइसलिए प्रत्येक राज्य को अपनी परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लेने का अधिकार होना चाहिए, किंतु किसी भी स्थिति में अवैध जुए और डिजिटल सट्टेबाजी को कानून से बाहर नहीं छोड़ा जा सकता।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

जब आंदोलन कहे—नेता बचाइए, संघर्ष नहीं रोकिए

-कुमार कृष्णन

सोनम को लिखे एक पत्र के बहाने जनांदोलनों की नैतिक राजनीति पर विमर्श

भारतीय लोकतंत्र का इतिहास केवल चुनावों, संसद और सरकारों का इतिहास नहीं है। यह उन जनांदोलनों का भी इतिहास है जिन्होंने समय-समय पर सत्ता को आईना दिखाया, समाज की चेतना को झकझोरा और लोकतंत्र को उसकी मूल भावना की याद दिलाई। चंपारण सत्याग्रह से लेकर भूदान आंदोलन, नर्मदा बचाओ आंदोलन, सूचना के अधिकार की लड़ाई और किसानों के आंदोलनों तक, भारत में जनसंघर्षों ने हमेशा यह साबित किया है कि लोकतंत्र केवल संस्थाओं से नहीं, बल्कि नागरिकों की नैतिक शक्ति से भी संचालित होता है। ऐसे ही संघर्षों के बीच लिखा गया जल बिरादरी का एक पत्र केवल एक अपील नहीं, बल्कि जनांदोलनों के दर्शन, नैतिकता और भविष्य पर गंभीर चिंतन प्रस्तुत करता है।जलपुरुष राजेंद्र सिंह राणा और एकता परिषद के संस्थापक राजगोपाल पी. वी. द्वारा सोनम जी को संबोधित यह पत्र पहली दृष्टि में एक अनशनकारी से अनशन समाप्त करने का आग्रह प्रतीत होता है। किंतु यदि इसकी भाषा, तर्क और भाव को गहराई से पढ़ा जाए तो स्पष्ट होता है कि यह संघर्ष को समाप्त करने का नहीं, बल्कि उसे अधिक व्यापक, अधिक लोकतांत्रिक और अधिक टिकाऊ बनाने का दस्तावेज़ है।पत्र की शुरुआत ही अत्यंत अर्थपूर्ण है। लेखक पहले अपने परिचय से नैतिक विश्वसनीयता स्थापित करते हैं। राजेंद्र सिंह को वाटरमैन ऑफ इंडिया के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जिन्होंने अपना जीवन जल संरक्षण, पर्यावरण और वंचित समुदायों के अधिकारों के लिए समर्पित किया। वहीं राजगोपाल पी. वी. का परिचय भूमि सुधार और जनाधिकार आंदोलनों के अग्रणी नेता के रूप में दिया गया है। इसके बाद वे लिखते हैं कि वे केवल अपनी ओर से नहीं, बल्कि देश भर के अनेक सामाजिक कार्यकर्ताओं और जन आंदोलनों की ओर से यह अपील कर रहे हैं। इस प्रकार पत्र किसी व्यक्ति की निजी राय न रहकर व्यापक सामाजिक चेतना का प्रतिनिधित्व करने लगता है।पत्र का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि इसमें कहीं भी सोनम के आंदोलन की वैधता पर प्रश्न नहीं उठाया गया। इसके विपरीत, लेखक स्पष्ट रूप से स्वीकार करते हैं कि उनके अनशन ने राष्ट्र की अंतरात्मा को झकझोरा है। उन्होंने देश के भविष्य से जुड़े एक महत्वपूर्ण प्रश्न को करोड़ों लोगों के सामने ला खड़ा किया है। उनकी सादगी, ईमानदारी और अटूट प्रतिबद्धता को नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा बताया गया है। यह स्वीकारोक्ति महत्वपूर्ण है, क्योंकि किसी भी लोकतांत्रिक संघर्ष में विरोध की नैतिक वैधता को स्वीकार किए बिना संवाद संभव नहीं होता।यही इस पत्र की सबसे बड़ी शक्ति है। यह संघर्ष और संघर्षकर्ता दोनों का सम्मान करता है। यह न तो आंदोलन को कमजोर करता है और न ही अनशनकारी के संकल्प को कमतर बताता है। बल्कि यह कहता है कि संघर्ष इतना महत्वपूर्ण है कि उसके सबसे महत्वपूर्ण नेतृत्व को सुरक्षित रखना भी आवश्यक है।पत्र का केंद्रीय तर्क एक वाक्य में समाहित है—ऐसा आंदोलन केवल एक व्यक्ति के बलिदान पर निर्भर नहीं रह सकता। यह केवल एक सलाह नहीं, बल्कि आधुनिक जनांदोलनों के लिए एक गहरी राजनीतिक चेतावनी भी है। भारतीय समाज ने अनेक बार देखा है कि जब आंदोलन पूरी तरह किसी एक व्यक्ति के व्यक्तित्व पर आधारित हो जाता है, तब उसकी सफलता और असफलता भी उसी व्यक्ति के स्वास्थ्य और जीवन से जुड़ जाती है। इससे आंदोलन की सामूहिक शक्ति सीमित हो जाती है।इनलोगों का आग्रह है कि किसी भी न्यायपूर्ण संघर्ष का भार अकेले एक व्यक्ति के कंधों पर नहीं होना चाहिए। यदि हजारों लोग उस मुद्दे से सहमत हैं, यदि समाज उस संघर्ष को अपना मानता है, तो उसके लिए जिम्मेदारी भी हजारों लोगों को उठानी चाहिए। यही कारण है कि पत्र में रिले अनशन और अन्य शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक तरीकों से संघर्ष जारी रखने का सुझाव दिया गया है। यह सुझाव केवल रणनीतिक नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक भी है। यह आंदोलन को व्यक्ति-केंद्रित से समाज-केंद्रित बनाने का प्रस्ताव है।पत्र का एक और उल्लेखनीय पक्ष सरकार के प्रति उसका संतुलित दृष्टिकोण है। लेखक स्वीकार करते हैं कि सोनम का मानना है कि अपील सरकार से की जानी चाहिए, उनसे नहीं। वे इस तर्क को अस्वीकार नहीं करते। बल्कि बताते हैं कि पिछले सप्ताह उन्होंने उन सभी लोगों से संवाद करने का प्रयास किया जो सरकार को जिम्मेदारी से निर्णय लेने के लिए प्रभावित कर सकते थे, लेकिन अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिली। यह स्वीकारोक्ति पत्र को और अधिक विश्वसनीय बनाती है। इससे स्पष्ट होता है कि अनशन समाप्त करने की अपील सरकार की जवाबदेही को कम करने के लिए नहीं, बल्कि आंदोलन की ऊर्जा को बचाने के लिए की जा रही है।भारतीय लोकतंत्र में यह प्रश्न हमेशा महत्वपूर्ण रहा है कि जब सरकार संवाद से इंकार कर दे तो नागरिक क्या करें? गांधी ने सत्याग्रह का मार्ग चुना, जयप्रकाश नारायण ने संपूर्ण क्रांति का आह्वान किया, अन्ना हजारे ने भ्रष्टाचार के खिलाफ अनशन किया। इन सभी आंदोलनों में नैतिक दबाव सबसे बड़ा हथियार था। किंतु इन आंदोलनों ने यह भी सिखाया कि संघर्ष किसी व्यक्ति की शारीरिक क्षमता से बड़ा होना चाहिए। यदि आंदोलन का अस्तित्व केवल एक व्यक्ति के उपवास पर निर्भर रह जाए तो उसकी स्थिरता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है।पत्र का सबसे संवेदनशील हिस्सा वह है जहाँ लेखक कहते हैं कि आज उनकी सबसे बड़ी चिंता सोनम का स्वास्थ्य है। यह केवल भावुकता नहीं है। इसके पीछे एक गहरी राजनीतिक समझ है। लेखक लिखते हैं कि देश को उनकी आवाज़, उनके नैतिक नेतृत्व और भविष्य के संघर्षों में उनकी सक्रिय उपस्थिति की आवश्यकता है। इसका आशय यह है कि किसी आंदोलन की सबसे बड़ी पूंजी उसका नैतिक नेतृत्व होता है। यदि वही नेतृत्व असमय संकट में पड़ जाए तो समाज एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शक खो सकता है।यह विचार गांधीवादी राजनीति की मूल अवधारणा से जुड़ता है। गांधी ने व्यक्तिगत तपस्या को कभी आत्मविनाश का साधन नहीं बनाया। उनका उद्देश्य हमेशा समाज की चेतना को जगाना था। जब उद्देश्य पूरा हो जाता या आंदोलन को नए चरण में ले जाने की आवश्यकता होती, तब रणनीति भी बदलती थी। जल बिरादरी का यह पत्र उसी परंपरा की याद दिलाता है। इसमें त्याग का सम्मान है, लेकिन जीवन की रक्षा को भी उतना ही आवश्यक माना गया है।पत्र का अंतिम संदेश सबसे अधिक प्रभावशाली है। दोनों ने लिखा है हैं कि यदि सोनम अनशन समाप्त कर आंदोलन को जनता के हाथों सौंपते हैं, तो वे संघर्ष समाप्त नहीं करेंगे, बल्कि उसका विस्तार करेंगे। यह वाक्य भारतीय जनांदोलनों की आत्मा को व्यक्त करता है। किसी भी लोकतांत्रिक संघर्ष की अंतिम सफलता इस बात में नहीं होती कि एक व्यक्ति कितनी पीड़ा सह सका, बल्कि इस बात में होती है कि कितने लोग उस संघर्ष को अपना मानने लगे।आज के समय में जब सोशल मीडिया और व्यक्तित्व-आधारित राजनीति के कारण अनेक आंदोलन किसी एक चेहरे तक सीमित हो जाते हैं, यह पत्र सामूहिक नेतृत्व की आवश्यकता पर बल देता है। लोकतंत्र में कोई भी आंदोलन तभी स्थायी बन सकता है जब वह व्यक्ति-पूजा से ऊपर उठकर जनभागीदारी का आंदोलन बने। संघर्ष का केंद्र किसी एक व्यक्ति का शरीर नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक चेतना होनी चाहिए।यह पत्र हमें यह भी सिखाता है कि नेतृत्व का अर्थ केवल सबसे आगे खड़ा होना नहीं है। कभी-कभी नेतृत्व का सबसे बड़ा दायित्व स्वयं को बचाकर रखना भी होता है, ताकि भविष्य के संघर्षों में समाज का मार्गदर्शन किया जा सके। यह विचार भारतीय राजनीतिक संस्कृति में अपेक्षाकृत कम चर्चा का विषय रहा है, जबकि इसकी प्रासंगिकता अत्यंत व्यापक है।अंततः यह पत्र केवल सोनम के नाम लिखी गई अपील नहीं है। यह हर उस जनांदोलन के लिए एक संदेश है जो न्याय, पर्यावरण, भूमि, जल, जंगल, लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहा है।

उत्तराखंड की सूनी होती धरती और बढ़ता पलायन

जब खेत बंजर हों रोजगार सीमित हो और गांवों से टूटने लगे जीवन का रिश्ता

उत्तराखंड को प्रकृति ने अपार सौंदर्य, घने जंगल, स्वच्छ जलस्रोत और उपजाऊ सीढ़ीदार खेतों का वरदान दिया है। कभी यही खेत पहाड़ की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाते थे। मंडुवा, झंगोरा, गहत, चावल, मक्का और अन्य पारंपरिक फसलें न केवल लोगों की आजीविका का आधार थीं, बल्कि पहाड़ी संस्कृति और जीवनशैली की पहचान भी थीं। आज वही खेत तेजी से बंजर होते जा रहे हैं। गांव खाली हो रहे हैं, खेती से लोगों का भरोसा उठ रहा है और रोजगार की तलाश में युवा पहाड़ छोड़कर शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। यह केवल कृषि संकट नहीं है, बल्कि उत्तराखंड के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक भविष्य से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन चुका है।

उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों की सबसे बड़ी चुनौती आजीविका के सीमित साधन हैं। राज्य का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा पर्वतीय है और आधे से अधिक लोग इन्हीं इलाकों में रहते हैं। यहां उद्योगों का विकास सीमित है और सरकारी नौकरियां भी पर्याप्त नहीं हैं। ऐसे में खेती और पशुपालन ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इन क्षेत्रों का योगदान लगातार घटा है। एक समय राज्य की अर्थव्यवस्था में कृषि और पशुपालन का योगदान लगभग 14 प्रतिशत था, जो अब घटकर लगभग 9 प्रतिशत के आसपास रह गया है। यह गिरावट बताती है कि खेती अब लोगों के लिए लाभ का नहीं बल्कि संघर्ष का माध्यम बनती जा रही है।

सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि केवल पांच वर्षों के भीतर राज्य में लगभग 63 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि बंजर हो गई है। अल्मोड़ा और पौड़ी जैसे जिलों में सबसे अधिक खेत खेती से बाहर हो चुके हैं। जिन सीढ़ीदार खेतों में कभी हरियाली लहलहाती थी, वे अब घास और झाड़ियों से भर गए हैं। गांवों के आसपास फैले खेत चारागाह में बदलते जा रहे हैं। यह दृश्य केवल कृषि संकट का नहीं बल्कि पहाड़ की बदलती सामाजिक तस्वीर का भी संकेत है।

खेती से लोगों का मोहभंग कई कारणों से हुआ है। सबसे पहला कारण लगातार बढ़ता पलायन है। जब गांव के युवा रोजगार के लिए शहरों की ओर चले जाते हैं तो खेतों में काम करने वाले हाथ कम पड़ जाते हैं। बुजुर्ग और महिलाएं अकेले पूरी खेती नहीं संभाल पातीं। धीरे-धीरे खेत खाली छोड़ दिए जाते हैं और फिर वे बंजर हो जाते हैं। यही कारण है कि उत्तराखंड के अनेक गांव आज जनसंख्या घटने और खेती समाप्त होने की दोहरी मार झेल रहे हैं।

दूसरा बड़ा कारण जंगली जानवरों का बढ़ता आतंक है। जंगलों से निकलकर बंदर, लंगूर, जंगली सुअर, नीलगाय और अन्य वन्यजीव खेतों में घुसकर पूरी फसल नष्ट कर देते हैं। किसान पूरे वर्ष मेहनत करता है लेकिन कटाई से पहले ही फसल बर्बाद हो जाती है। ऐसे में किसान का मनोबल टूटना स्वाभाविक है। कई गांवों में स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि लोग खेती करने का जोखिम ही नहीं उठाना चाहते। खेती में लागत बढ़ती जा रही है लेकिन उत्पादन की कोई गारंटी नहीं बची है।

तीसरी समस्या सिंचाई की कमी है। उत्तराखंड के अधिकांश पर्वतीय क्षेत्रों में खेती आज भी वर्षा पर निर्भर है। यदि मानसून समय पर नहीं आए या बारिश कम हो जाए तो पूरी बुआई प्रभावित हो जाती है। आधुनिक सिंचाई सुविधाओं का अभाव किसानों की परेशानी और बढ़ा देता है। जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम की अनिश्चितता ने भी खेती को पहले से अधिक जोखिम भरा बना दिया है।

चौथा कारण खेती से मिलने वाला सीमित लाभ है। पहाड़ों में छोटे-छोटे खेत, कठिन भौगोलिक परिस्थितियां और परिवहन की ऊंची लागत किसानों की आय को सीमित कर देती है। यदि फसल अच्छी भी हो जाए तो उसे बाजार तक पहुंचाना महंगा पड़ता है। किसान को उचित मूल्य नहीं मिलता और उसकी मेहनत का लाभ बिचौलियों तक सीमित रह जाता है। यही वजह है कि अनेक परिवार अब केवल अपने घरेलू उपयोग के लिए खेती कर रहे हैं, जबकि नकदी आय के लिए परिवार का कोई सदस्य शहरों में मजदूरी या नौकरी करने को मजबूर है।

महिलाओं पर इस संकट का सबसे अधिक प्रभाव दिखाई देता है। पहाड़ों में पुरुषों के पलायन के बाद खेती, पशुपालन, घर और परिवार की पूरी जिम्मेदारी महिलाओं पर आ जाती है। बढ़ती उम्र, सीमित संसाधन और जंगली जानवरों के खतरे के बीच खेती करना उनके लिए लगातार कठिन होता जा रहा है। अनेक महिलाएं मानती हैं कि अब खेती केवल परंपरा निभाने तक सीमित रह गई है, क्योंकि इससे परिवार का खर्च चलाना संभव नहीं रह गया है।

खेती में गिरावट का असर केवल किसानों तक सीमित नहीं है। इसका प्रभाव पूरे ग्रामीण समाज पर पड़ रहा है। गांवों में स्कूल बंद होने की स्थिति बन रही है, स्थानीय बाजारों की गतिविधियां कम हो रही हैं और पारंपरिक संस्कृति भी कमजोर पड़ रही है। जब गांव खाली होते हैं तो वहां की सामाजिक संरचना भी टूटने लगती है। त्योहार, मेलों और सामुदायिक जीवन की रौनक धीरे-धीरे समाप्त होने लगती है। पलायन केवल लोगों का स्थान परिवर्तन नहीं बल्कि पूरे सामाजिक ताने-बाने में बदलाव लेकर आता है।

फसलों के आंकड़े भी इस संकट की गंभीरता को स्पष्ट करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में चावल, मंडुवा, सावा और मक्का जैसी प्रमुख फसलों के रकबे में उल्लेखनीय कमी आई है। विशेष रूप से मंडुवा और सावा जैसी पारंपरिक मोटे अनाज की खेती में लगभग एक चौथाई से अधिक गिरावट दर्ज की गई है। जबकि आज पूरी दुनिया मोटे अनाज को पोषण और जलवायु अनुकूल खेती के रूप में बढ़ावा दे रही है, उत्तराखंड में इनकी खेती सिमटती जा रही है। यह स्थिति चिंता का विषय है।

यदि इस समस्या का समय रहते समाधान नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में उत्तराखंड के अनेक गांव पूरी तरह खाली हो सकते हैं। इसलिए केवल खेती को बचाने की नहीं बल्कि पूरे पहाड़ी जीवन को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। सरकार को सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करना होगा, जंगली जानवरों से फसलों की सुरक्षा के प्रभावी उपाय करने होंगे, पर्वतीय कृषि के लिए विशेष सहायता और न्यूनतम समर्थन मूल्य जैसी व्यवस्थाओं को मजबूत करना होगा। स्थानीय उत्पादों की ब्रांडिंग, प्रसंस्करण और बेहतर विपणन व्यवस्था विकसित करने से किसानों की आय बढ़ाई जा सकती है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि आधारित उद्योग, पर्यटन, बागवानी, मधुमक्खी पालन, औषधीय पौधों की खेती और स्वरोजगार के नए अवसर विकसित करने होंगे ताकि युवाओं को गांव छोड़ने की मजबूरी न रहे।

उत्तराखंड की पहचान केवल उसके पहाड़ों और पर्यटन से नहीं बल्कि उसके जीवंत गांवों और हरे-भरे खेतों से भी है। यदि खेत सूने हो जाएंगे और गांव खाली हो जाएंगे तो पहाड़ की आत्मा भी कमजोर पड़ जाएगी। आज आवश्यकता केवल आंकड़ों पर चिंता व्यक्त करने की नहीं बल्कि ऐसी नीतियां बनाने की है जो खेती को लाभकारी बनाएं, ग्रामीण जीवन को सम्मानजनक बनाएं और युवाओं को अपने गांव में ही भविष्य दिखाई दे। तभी उत्तराखंड के बंजर होते खेत फिर से हरियाली से भर सकेंगे और पलायन की जगह विकास की नई कहानी लिखी जा सकेगी।

-कांतिलाल मांडोत

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। पानी की खेंच के चलते शनिवार को दलहनों में चने सहित अन्य दलहनों में तेजी के समीकरण रहे। उड़द व मूंग में मजबूती आयी। खाद्य तेलों में सुर्खी कायम रही। तिलहनों में सोयाबीन उछलकर 7350 रू. प्रति क्विंटल पर आ गया। किराना जिंसों में शक्कर में सुर्खी बनी। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने सहित अन्य दलहनों में तेजड़िये सक्रिय है। पानी की खेंच से बाजार में तेजी का वातावरण है। चना बढ़िया मालों में 6350-6400 रू. प्रति क्विंटल पर आ गया। उड़द व मूंग में भी सुर्खी रही। खाद्य तेलों में तेजी जारी रही। तिलहनों में सोयाबीन उछलकर 7350 रू. प्रति क्विंटल पर आ गया। उधर, किराना जिंसों में शक्कर बाजार बड़त पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4700-4850, खोपरा गोला 380-440, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 750-755, मीनी मटरदाना 770-800, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 2700-2800, मीडि?यम 2900-3050, बेस्ट 3150-3250, एक्स्ट्रा बेस्ट 3300-3500, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (210) 950-1000, काजू डब्ल्यू (340) 840-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 800-825, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 840-870, सिंगापुरी 850-860, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2500, (160) 2900, (200) 3100, (250) 3600,

तेल- सींगदाना 1720-1740, मुम्बई 1700, राजकोट तेलिया 2630, सोया साल्वेंट 1405-1410, सोया रिफाइंड 1460-1480, कपास्या 1525-1530, धूलिया 1530, कड़ी 1530,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1650, मुम्बई पाम 1490, मुम्बई सोया 1505-1510,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2600, देवास-उज्जैन 2600, खंडवा-बुरहानपुर 2575, अकोला 3925 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8300, रायडा 7000-7100, सोयाबीन 7350, टोली (महुआ बीज) 5000-5100, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6350-6450, एवरेज 6100-6200, विशाल 6150-6250, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशि?यन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7100-7250, मूंग पुराना बोल्ड 7600-7900, मीडियम 7400-7700, मोगर 5500-6500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9800-9900, उड़द गर्मी 8800-9500, ग्रेविटी क्लीन 10000-10200, हल्की 5000-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडि?यम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 275 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इंदौर। एजेंसी। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में ग्राहकी बेहद सामान्य रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार पूर्वस्तर पर बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 219000, चाँदी (99) 218800, टंच 218200, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 140700,

रिकॉर्ड ऊंचाई पर शक्कर, थोक भाव 5000 के पार

भोपाल। एजेंसी। मीठे का कारोबार अब कड़वा होता जा रहा है, क्योंकि शक्कर के थोक दाम पहली बार 4800-4900 रुपए प्रति क्विंटल पार कर 5000 रुपए तक पहुंचने की आशंका है। खुदरा में यह 5100-5200 रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंच गई है। यह तेजी मानसून की अनिश्चितता और बढ़ती मांग का सीधा परिणाम है। बीते एक पखवाड़े में शक्कर 300 से 500 रुपए प्रति क्विंटल महंगी हुई है। भोपाल शक्कर व्यापारी एसोसिएशन के अनुसार पर्याप्त मांग और मानसून की बेरुखी ने कारोबार को तेज किया है। मजबूत मांग और कमजोर आपूर्ति भी बाजार को सपोर्ट कर रही है। ब्रोकरों तथा व्यापारियों का कहना है कि अलनीनो प्रभाव और ब्राजील, थाईलैंड जैसे प्रमुख उत्पादक देशों में भी दाम बढ़ने से इसका असर भारतीय बाजारों पर स्पष्ट दिख रहा है।

भू-राजनीतिक तनाव से बेअसर रहा भारतीय शेयर बाजार

मुंबई। एजेंसी। बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने वैश्विक चुनौतियों के बावजूद उल्लेखनीय लचीलापन दिखाया। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण सप्ताह की शुरुआत भले ही कमजोर रही हो, लेकिन निवेशकों के दृढ़ विश्वास और कुछ सकारात्मक घरेलू संकेतों ने बाजार को अंततः नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया, जो भारतीय अर्थव्यवस्था की अंतर्निहित शक्ति को दर्शाता है। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को निराशाजनक रही, जब पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के कारण सेंसेक्स 650 से अधिक अंक लुढ़का और निफ्टी 24,000 के महत्वपूर्ण स्तर का परीक्षण करता दिखा। हालांकि, आईटी और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के शेयरों में मजबूती से बाजार ने दिन के अंत तक लगभग सपाट स्तर पर वापसी कर

ली। मंगलवार को फिर से भू-राजनीतिक चिंताओं, विदेशी कोषों की निकासी और वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख ने सेंसेक्स और निफ्टी दोनों को लाल निशान पर बंद होने को मजबूर किया। बुधवार को अमेरिकी खुदरा मुद्रास्फीति की धीमी रफ्तार के अनुमान ने एशियाई बाजारों में खरीदारी का माहौल बनाया, जिससे भारतीय बाजार भी हरे निशान पर खुले और मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। गुरुवार को पश्चिम एशिया में गहराते संघर्ष के बावजूद भारतीय बाजार ने कमजोर वैश्विक संकेतों को दरकिनार करते हुए मजबूती दिखाई। हालांकि, एक्सपायरी के दिन और ईरान-अमेरिका युद्ध की अनिश्चितताओं के कारण बाजार सपाट बंद हुए, लेकिन यह भारतीय बाजार की अंतर्निहित स्थिरता का प्रमाण था। सप्ताह का अंत धमाकेदार रहा। शुक्रवार को आईटी कंपनियों के शेयरों में जबरदस्त खरीदारी और टेक महिंद्रा के मजबूत तिमाही नतीजों ने बाजार को नई ऊर्जा दी। जब अमेरिका, जापान और यूरोप जैसे वैश्विक बाजार भारी गिरावट का सामना कर रहे थे, तब भारतीय निवेशकों ने घरेलू बाजार में चौतरफा खरीदारी की।

रिलायंस इंडस्ट्रीज की वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में दमदार शुरुआत

नई दिल्ली। एजेंसी। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में अपनी मजबूत व्यावसायिक रणनीति का प्रदर्शन करते हुए शानदार शुरुआत की है। चेयरमैन मुकेश डी. अंबानी ने वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद सभी प्रमुख कारोबारों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जियो प्लेटफॉर्म्स का प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) भारत की डिजिटल विकास गाथा में निवेशकों की भागीदारी का अहम

अवसर बनेगा। डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में जियो प्लेटफॉर्म्स ने मोबाइल, होम ब्रॉडबैंड और एंटरप्राइज सेवाओं से 15प्रति. वार्षिक आय वृद्धि दर्ज की है। कंपनी ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल कर दिया है। वहीं, रिलायंस रिटेल ने ओमनी-चैनल विस्तार और नए एफएमसीजी ब्रांडों की लोकप्रियता के दम पर सभी उपभोक्ता श्रेणियों में मजबूत वृद्धि हासिल की, जिससे रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड का राजस्व दोगुने से अधिक हो गया। तेल एवं रसायन (ओ2सी) कारोबार ने भी चुनौतीपूर्ण माहौल में बेहतर परिचालन दक्षता के साथ मजबूत प्रदर्शन किया। इस दौरान, मूडीज द्वारा रिलायंस की विदेशी मुद्रा ऋण रेटिंग को बीएए1 तक बढ़ाया जाना कंपनी की मजबूत वित्तीय स्थिति का प्रमाण है।

लाल सागर पर ईरान का कथित खतरा, भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर गहराएगा दबाव

नई दिल्ली। एजेंसी। पश्चिम एशिया में गहराते संकट के बीच, ईरान की कथित धमकी ने भारत की ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला पर गंभीर दबाव की आशंका बढ़ा दी है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ईरान ने यमन के हूती आंदोलन से लाल सागर में महत्वपूर्ण बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट को अवरुद्ध करने की तैयारी करने को कहा है, यदि अमेरिका उसके बिजली ढांचे पर हमला करता है। यह कदम भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए खतरा है, खासकर सऊदी अरब से कच्चे तेल की आपूर्ति के मद्देनजर, जो देश के सबसे बड़े आपूर्तिकर्ताओं में से एक है। होर्मुज स्ट्रेट बंद होने के बाद सऊदी अरब अपनी ईस्ट-वेस्ट क्रूड ऑयल पाइपलाइन के जरिए लाल सागर बंदरगाहों तक कच्चा तेल पहुंचा रहा है। जून में सऊदी अरब भारत का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल स्रोत था, जिसने उस महीने भारत के कुल आयात का 7 प्रतिशत से अधिक हिस्सा दिया। एक ऊर्जा विश्लेषक ने इस स्थिति को चिंताजनक बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि सऊदी अरब अपनी क्षमता का 55-60 प्रतिशत लाल सागर के जरिये निर्यात करता है, और इस मार्ग के अवरुद्ध होने से देशों को अपने भंडार का उपयोग करना पड़ेगा। भारत के पास पर्याप्त भंडारण नहीं है; भारतीय रिफाइनरों के पास केवल लगभग 20 दिनों का वाणिज्यिक भंडारण है, जिससे मांग में कटौती करनी पड़ सकती है। बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट में नौवहन बाधित होने पर वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर जोखिम बढ़ सकता है और तरल पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की आपूर्ति पर भी अधिक खतरा होगा। इस संभावित संकट से निपटने के लिए भारत पहले से ही अपने कच्चे तेल स्रोतों को विविध बना रहा है। पश्चिम एशिया संकट के कारण पारंपरिक आपूर्तिकर्ताओं से आपूर्ति बाधित होने के बाद, भारतीय रिफाइनरियों ने रूस, ब्राजील, वेनेजुएला, अंगोला और अमेरिका से आयात बढ़ाया है।

मेष- आज का दिन आपके लिए नई उम्मीदों और सुनहरे अवसरों की शुरुआत लेकर आया है। यदि लंबे समय से घर, जमीन या किसी बड़ी खरीदारी का सपना देख रहे थे, तो परिस्थितियां आपके पक्ष में बनती दिखाई दे रही हैं। कार्यक्षेत्र में कोई सुखद सरप्राइज या नई जिम्मेदारी आपका आत्मविश्वास बढ़ा सकती है। आपकी वाणी का प्रभाव लोगों को आकर्षित करेगा और आपकी बातों को महत्व मिलेगा।

वृषभ- आज का दिन आपको सेहत और सावधानी दोनों का संदेश दे रहा है। खान-पान में लापरवाही से बचें और तली-भुनी चीजों का सेवन कम करें। घर में कुछ बदलाव करने की योजना बना सकते हैं, जो भविष्य में आपके लिए लाभदायक साबित होगी। वाहन चलाते समय पूरी सतर्कता रखें, क्योंकि छोटी-सी असावधानी परेशानी का कारण बन सकती है।

मिथुन- आज का दिन नई सोच और नए अवसरों के नाम रहेगा। व्यापार से जुड़े लोगों के लिए नई तकनीक या नए तरीके अपनाना लाभदायक साबित हो सकता है। कार्यक्षेत्र में मिलने वाली नई जिम्मेदारी आपकी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा मौका होगी। घर में छोटी-छोटी बातों पर तनाव हो सकता है, लेकिन दोस्तों का साथ आपका मन हल्का कर देगा।

कर्क- आज का दिन खुशियां और संतोष लेकर आएगा। सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी और आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होती नजर आएगी। आय के नए स्रोत खुल सकते हैं, जिससे भविष्य को लेकर आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा और कुछ नया करने की प्रेरणा मिलेगी। नौकरी बदलने का विचार कर रहे लोगों के लिए समय अनुकूल दिखाई दे रहा है।

सिंह- आज आपकी वाणी और व्यवहार ही आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेंगे। आर्थिक मामलों को लेकर थोड़ी चिंता जरूर रह सकती है, लेकिन समझदारी से लिया गया फैसला आपको सही दिशा देगा। व्यापार में किए गए बदलाव धीरे-धीरे अच्छे परिणाम देने लगेंगे। पढ़ाई और काम में पूरी एकाग्रता बनाए रखें। दोस्तों का साथ मिलेगा, लेकिन किसी करीबी व्यक्ति पर आंख बंद करके भरोसा करने से बचें।

कन्या- आज सामाजिक जीवन में आपकी सक्रियता बढ़ेगी और लोगों के बीच आपकी पहचान मजबूत होगी। किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिल सकता है। हालांकि पुरानी किसी गलती का जिक्र सामने आ सकता है, इसलिए संयम और समझदारी से काम लें। अपने आसपास के लोगों को अच्छी तरह परखें, क्योंकि हर कोई आपके हित में नहीं सोचता। व्यापार के सिलसिले में यात्रा का योग बन रहा है।

तुला- आज चुनौतियों के साथ नए अवसर भी आपका इंतजार कर रहे हैं। नए लोगों से मुलाकात भविष्य में लाभदायक साबित हो सकती है। निवेश या शेयर बाजार से जुड़े लोगों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। हालांकि कोई काम आखिरी समय में अटक सकता है, इसलिए धैर्य बनाए रखें। पिताजी की सलाह आपके लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगी।

वृश्चिक- आज का दिन नई उम्मीदें लेकर आया है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को मनचाहा अवसर मिल सकता है। हालांकि किसी भी तरह का बड़ा जोखिम उठाने से बचें। नए लोगों से परिचय बढ़ेगा और मित्रों का दायरा भी विस्तृत होगा। यदि प्रॉपर्टी खरीदने की योजना बना रहे थे, तो आज उसके लिए सकारात्मक संकेत मिल सकते हैं। परिवार का सहयोग आपको हर चुनौती का सामना करने का साहस देगा।

धनु- आज आपका मन सेवा, भक्ति और अच्छे कार्यों में अधिक लगेगा। जरूरतमंद लोगों की मदद करके आपको आत्मसंतोष मिलेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा, इसलिए बजट बनाकर चलें। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी और किसी मित्र की मदद करने का अवसर भी मिलेगा। परिवार में यदि कोई विवाद चल रहा है, तो उसे बातचीत से सुलझाने का प्रयास सफल रहेगा। संतान की ओर से कोई सुखद समाचार मिलने की संभावना है।

मकर- आज आर्थिक मामलों में अच्छे संकेत मिल सकते हैं। लंबे समय से रुका हुआ कोई महत्वपूर्ण काम पूरा होने से मन प्रसन्न रहेगा। निवेश के लिए समय अनुकूल है, लेकिन हर कदम सोच-समझकर उठाएं। मौसम का असर सेहत पर पड़ सकता है, इसलिए लापरवाही न करें। घर में किसी शुभ अवसर पर पूजा-पाठ या धार्मिक आयोजन हो सकता है, जिससे वातावरण सकारात्मक रहेगा। दूसरों के मामलों में अनावश्यक दखल देने से बचें।

कुंभ- आज धैर्य और संयम आपके सबसे बड़े साथी साबित होंगे। स्वास्थ्य से जुड़ी छोटी-छोटी बातों को भी नजरअंदाज न करें। परिवार में किसी नए सदस्य के आने की खुशखबरी माहौल को आनंदमय बना सकती है। रोजगार की तलाश कर रहे लोगों को अच्छा अवसर मिलने की संभावना है।

मीन- आज का दिन मिला-जुला लेकिन उम्मीदों से भरा रहेगा। यदि आप विवादों से दूरी बनाए रखेंगे, तो दिन काफी सुखद बीतेगा। दोस्तों के साथ यादगार पल बिताने का मौका मिलेगा। जीवनसाथी का सहयोग और साथ आपको मानसिक शांति देगा। आर्थिक परेशानियां धीरे-धीरे कम होती नजर आएंगी और राहत का अनुभव होगा।

शब्दजाल - 8324

शब्दजाल में 'असरानी' की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

अभिमान, अचानक, छलिया, चुपके-चुपके, चरस, फकीरा, शोले, अनुरोध, चला मुरारी हीरो बनने, अनामिका

र	क	ल	ड्री	च	र	स	धी	सी	ल	अ
च	शो	ल	दे	क्रां	ति	ड्र	इं	ता	ट	नु
ला	स	ले	ल	र्म	छ	रा	रा	औ	अ	रो
मु	ज	ज	सु	चु	र	रा	प	र	ना	ध
रा	फ	दो	ग	ल्ता	प	ज	तू	गी	मि	र्नि
री	क	की	प	ह	न	के	ना	ता	का	ग
ही	अ	स	रा	या	प	अ	चु	ज	ला	ट्रे
रो	ता	दा	ई	ह	ब	भि	फ	प	श	न
ब	बा	छ	लि	या	मा	मा	ल	व	के	न
न	ला	म	लि	प	न	न	शा	स्त्री	ता	ने
ने	जी	व	अ	चा	न	क	शा	त	र	इ

शब्दजाल - 8323 का हल

आ	ल	र	ही	दा	उ	प	का	र	झ	आ
ज	द	ल	र	आ	क	ह	ब्ब	तें	शा	रा
अं	इ	मी	रां	ल	दा	ल	न	र	ला	म
जं	कु	अ	झा	बे	ला	क	सी	रि	श	औ
जी	ति	श	ने	व	द	स	ब	ग	वी	र
र	रं	गं	गा	की	सौ	गं	ध	ती	प	श्या
जो	गा	ध	र्मा	गा	प	म	र	कौ	या	म
श	बा	जीं	स	त	क	छ	श	ग	श	थ
म	स	मि	न	व	न	ज	म	रा	जू	द
द	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	बी	ना
थो	कु	र्बा	नी	र	हो	ग	या	दु	र	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7268

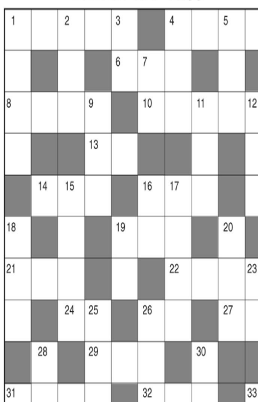

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, वैजयंती की फिल्म-४
२. 'मेरो गाम काथा पारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली फिल्म-२
४. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'रूठ कर हम उन्हें भूल जाने लगे' गीत वाली फिल्म-३
५. फिल्म 'आज का अर्जुन' में 'लक्ष्मी' की भूमिका किस अभिनेत्री ने की थी-३
७. राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा की फिल्म-२
९. 'मेरे चेहरे पे' गीत वाली फिल्म-३
११. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१२. अमोल, राखी की 'जो राह चुनी तूने राही' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कभी खुशियों की सरगम' गीत वाली अमिताभ, अरबाज, डिम्पल की फिल्म-४
१६. वी. शांताराम की प्रेमकुमार, मास्टर सुशांत, रंजना, गौरी कामथ अभिनीत फिल्म-२
१७. 'प्यार कर इकरार कर' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय, अमीषा की फिल्म-४
१८. अक्षय कमार, प्रीति जिंटा की फिल्म-३
१९. 'लल्ला लल्ला लोरी दूध की' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने निभाई है-३
२३. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२५. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
२६. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो अक्सर याद आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेई, उर्मिला मातोंडकर अभिनीत रामगोपाल वर्मा की एक सस्पेंस फिल्म-३
३०. 'माई हार्ट इज बीटिंग गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. संजीव कुमार, वहीदा रहमान की 'ऐ मेरी आँखों के पहले सपने' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'चलो एक बार फिर से अजनबी बन जायें' गीत वाली फिल्म-४
६. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
८. 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
१०. जीतेंद्र, आदित्य, संगीता की १९९३ की एक फिल्म-५
१३. ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१४. 'किसी को किसी' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता की फिल्म-३
१६. शाहरूख, पूजा भट्ट, रम्या की फिल्म-३
१९. विवाह से पूर्व टीना अंबानी का सरनेम क्या था-३
२१. अमोल, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'सरकाय लेओ' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
२४. अनिल कपूर, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२६. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२
२७. संजय दत्त, कुमार गौरव, पूनम की 'तेरे दिल की तू' गीतवाली फिल्म-२
२९. 'मैं लव तुम से' गीत वाली तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
३१. सुनील दत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके ब्रजबाला' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली राज बब्बर, राखी, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
३३. धर्मेंद्र, हेमा मालिनी की 'ओ ऐसी कोई बात' गीत वाली फिल्म-१

फिल्म वर्ग पहेली- 7267

क्या	क	ह	ना	■	जं	ग	■	मि	■
■	सू	■	श	जा	जी	■	हे	ल	न
अ	र	बा	ज	■	र	ह	मा	न	■
भि	■	गी	■	अ	■	व	■	■	चा
मा	ला	■	दे	व	■	स	सु	श	ल
न	■	डॉ	■	ता	ल	■	हा	■	बा
■	जा	न	व	र	■	र	ग	बा	ज
दि	ल	■	र	■	गैं	ग	■	जी	■
ल	■	अं	दा	ज	■	■	सं	ग	म
गी	त	■	न	■	कां	टे	■	र	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

19 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	कर्क में
चंद्र	कन्या में
मंगल	वृष में
बुध	मिथुन में
गुरु	कर्क में
शुक्र	सिंह में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कर्क	05.15 बजे से
सिंह	07.35 बजे से
कन्या	09.47 बजे से
तुला	11.58 बजे से
वृश्चिक	14.12 ब.से
धनु	16.28 बजे से
मकर	18.34 बजे से
कुंभ	20.20 बजे से
मीन	21.53 बजे से
मेष	23.23 बजे से
वृष	01.03 बजे से
मिथुन	03.02 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 200 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल **तिथि** षष्ठी 03.30 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराफाल्गुनी 18.12 बजे को समाप्त। **योग** परिघ 19.23 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 15.31 बजे तदनन्तर तैतिल 03.30 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 4.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 20° 53' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872775 **जूलियन दिन** 2461240.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** सफर **तारीख** 04 **विशेष** स्कन्द षष्ठी, डॉ.खूबचंद बघेल जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः अनोखा दंड

बहुत पुरानी बात है। दक्षिण भारत में वीरसेन नामक एक राजा राज्य करते थे। वीरसेन थे तो बहुत प्रतापी पर उन्हें अपनी प्रशंसा सुनना काफी अच्छा लगता था। चापलूस दरबारी उनकी तथा राज्य के शासन-व्यवस्था की हमेशा प्रशंसा करते रहते थे, जिससे राजा को राज्य की वास्तविक स्थिति का पता नहीं चल पाता था। राज्य में पंडित विष्णुदेव नामक एक निर्धन ब्राह्मण थे, जो भिक्षा मांगकर किसी तरह अपने परिवार का पेट पालते थे। एक बार अकाल पड़ा और भिक्षा भी बंद हो गई। बच्चों के पेट में अन्न गए तीन दिन बीत गए। पंडितजी जब तीसरे दिन भी खाली हाथ लौटे तो पत्नी रोते हुए बोली, 'अब मुझसे बच्चों की हालत देखी नहीं जाती। कोई भी मां अपने बच्चों को इस तरह मरते हुए नहीं देख सकती। तुम्हें कुछ-न-कुछ करना ही होगा।' पंडितजी ने झल्लाकर कहा, 'क्या करूं? चोरी करूं?' पत्नी ने कहा 'हां, चोरी करो क्योंकि इसके सिवा और कोई चारा नहीं बचा है।' पंडितजी ने अनेक तर्कों द्वारा पत्नी को मनाने का प्रयास किया पर वह पत्नी की जिद के आगे नतमस्तक हो गए। रात को वह राजमहल के भंडार गृह में पहुंचे। उन्होंने अपनी पगड़ी उतारी और उसमें अनाज रखकर गट्ठर बांधा और तेजी से बाहर आ गए। लेकिन घर लौटकर पंडित जी को नींद नहीं आई। रात भर करवटें बदलते रहे और सुबह होते ही सीधे राजदरबार जा पहुंचे। अपना अपराध सुनाने के बाद उन्होंने राजा से अनुरोध किया कि वह उन्हें चोरी की सजा दें। सारी कथा सुनकर राजा उदास हो गए। थोड़ी देर सोचने के बाद उन्होंने कहा, 'सजा तो मैं अवश्य दूंगा पर आपको नहीं बल्कि स्वयं को। आज से मैं घूम-घूमकर प्रजा के सुख-दुःख की जानकारी लूंगा जिससे फिर किसी को चोरी करने की आवश्यकता ही न पड़े। चूंकि आपने अपनी ईमानदारी प्रमाणित कर दी है इसलिए आपको दंड मुक्त किया जाता है।' इस प्रकार एक ईमानदार व्यक्ति के कारण पूरे राज्य की प्रजा सुखी हो गई।

सूडोकु नवताल- 7577

★★★★☆ कठिन

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7576 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

शब्द पहेली - 8792

बाएँ से दाएँ

1. पैगंबर, खुदाई रहनुमा-4
4. कारगुजारी, करिश्मा-4
7. दौड़ना (अंग्रेजी -2)
8. पासे फैंक कर भविष्य जानने की विद्या-3
9. गहराई-2
10. राय, वोट-2
12. आलीशान, उदार-3
14. नकारना, इंकार करना-2,3
15. चोरी करना-2,3
17. राशन, खाद्य सामग्री-3
19. गन्ना-2
21. हर रोज, प्रतिदिन-2
23. वाद्य बजाने वाला-3
24. शारीरिक ऊंचाई-2
25. जहां ताजिए दफन करते हैं-4
26. महीन व मूल्यवान कपड़ा-4

ऊपर से नीचे

1. हमेशा, हर पल, सदैव-4
2. जनता, लोक-2
3. द्रव पदार्थ-3
4. नागपुर के पास का एक कस्बा जहां जापान के सहयोग से भव्य बौद्ध मंदिर बना है-4
5. और, एवं-2
6. मन भटकाना-4
11. झगड़ा, कहासुनी-4
13. कोमलता-4
14. राजी करना-3
15. सहखिलाड़ी-4
16. चौकीदार, प्रहरी-4
18. कीचड़ -4
20. नगद राशि-3
22. पानी से सराबोर-2
24. थोड़ा, जरा-2

शब्द पहेली -8791 का हल

■	त	ल	वा	र	■	वि	■	■
■	क	■	ह	■	अ	रा	ज	क
क	रा	र	■	क	प	ट	■	हा
■	र	ज	त	■	ना	■	आं	सु
अ	■	क	मी	ना	प	न	■	नी
चा	बी	■	ज	■	न	ज	ला	■
न	■	स	वा	ल	■	र	ज	त
क	र	ब	ला	■	आ	■	वा	■
■	■	ल	■	अ	स	बा	ब	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

किसान कांग्रेस कमेटी ने सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

महामहिम राज्यपाल के नाम विभिन्न मांगों का सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। लांजी। खेती-किसानी से जुड़े गंभीर मुद्दों को लेकर शनिवार को लांजी में किसान कांग्रेस कमेटी ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए महामहिम राज्यपाल के नाम अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)/तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। किसानों ने अतिवृष्टि से फसल नुकसान, खाद की किल्लत, लंबित मुआवजा, धान के समर्थन मूल्य, बकाया बोनस तथा फसल बीमा की विसंगतियों सहित विभिन्न मांगों पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि किसानों की समस्याओं का समय रहते समाधान नहीं किया गया तो किसान कांग्रेस एवं किसान संगठन व्यापक जनआंदोलन के लिए बाध्य होंगे। किसान कांग्रेस कमेटी लांजी के ब्लॉक अध्यक्ष मानिकलाल पांचे के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि क्षेत्र का किसान प्राकृतिक आपदाओं, बढ़ती कृषि लागत और प्रशासनिक अव्यवस्थाओं से परेशान है। 7 जून से 15 जुलाई 2026 के बीच हुई अत्यधिक वर्षा एवं खेतों में जलभराव के कारण धान की रोपाई के लिए तैयार किए गए रोपे सड़कर नष्ट हो गए हैं। किसानों ने प्रभावित क्षेत्रों का तत्काल सर्वे कराकर शीघ्र मुआवजा देने की मांग की।

खाद वितरण व्यवस्था पर उठाए सवाल

ज्ञापन में रासायनिक खाद की कमी और ई-टोकन प्रणाली की अव्यवस्था को लेकर भी नाराजगी जताई गई। किसानों का कहना है कि घंटों इंतजार करने के बावजूद समय पर खाद उपलब्ध नहीं हो पा रही है, जिससे खेती प्रभावित हो रही है। उन्होंने खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा ई-टोकन व्यवस्था को सरल एवं पारदर्शी बनाने की मांग की।

लंबित मुआवजा और बोनस भुगतान की मांग

किसानों ने वर्ष 2025-26 में अतिवृष्टि एवं कीट प्रकोप से हुई फसल क्षति का सर्वे होने के बावजूद अब तक मुआवजा नहीं मिलने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सर्वे के आधार पर तत्काल राहत राशि जारी करने की मांग की। ज्ञापन में धान के समर्थन मूल्य और बोनस का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। किसानों ने कहा कि चुनाव के दौरान धान का 3100 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य देने का वादा किया गया था, जिसे लागू किया जाए। साथ ही वर्ष 2023-24 का 900 रुपये प्रति क्विंटल बकाया बोनस भी शीघ्र किसानों के खातों में जमा कराया जाए।

फसल बीमा व्यवस्था में सुधार की मांग

किसान कांग्रेस ने खाद, बीज एवं कीटनाशकों की बढ़ती कीमतों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि खेती की लागत लगातार बढ़ रही है। वहीं फसल बीमा कंपनियों की जटिल प्रक्रिया के कारण वास्तविक पीड़ित किसानों को लाभ नहीं मिल पा रहा है। ज्ञापन में बीमा व्यवस्था को किसान हितैषी बनाने और सभी विसंगतियों को दूर करने की मांग भी की गई। ज्ञापन सौंपने के दौरान ब्लॉक अध्यक्ष मानिकलाल पांचे, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती ज्योति ईश्वर उमरे, जिला महासचिव आशीष श्रीवास्तव, टुमन घोरमारे, भरतलाल बनोठे, श्यामलाल बेदरे, राजू चौधरी, शिवचंद कालबेले, महेश मातरे, होमेश्वर घोरमारे, छबिलाल पांचे, जितेन्द्र बागड़े, प्रेमलाल कालबेले, सुरेन्द्र रामटेके, गौतराम मेश्राम, मंजू भालाधरे, ईश्वर उमरे, बाबूदास जांभरे, जीतू मोरघड़े, भोजराज फुंडे, श्रीमती मंदा नंदनवार, सोनिया उईके सहित बड़ी संख्या में किसान एवं कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दिखावे के लिए स्कूलों में चलाया जा रहा नशा मुक्ति अभियान व जागरूकता कार्यक्रम-ज्योति ईश्वर उमरे

कन्या शाला के पास व सब्जी मंडी में खोली शराब एवं चखना दुकान

पद्मेश न्यूज। लांजी। जिला पंचायत सदस्य एवं बेटा बचाओं राष्ट्रीय अभियान की सचिव ज्योति ईश्वर उमरे ने वर्तमान में चलाये जा रहे नशा मुक्ति अभियान पर टिप्पणी करते हुये कहा कि लांजी में इस अभियान की धज्जियॉ उड़ती देखी जा सकती है। आज लांजी के दैनिक गुजरी बाजार में नियम विरूद्ध शासकीय शराब दुकान को स्थान दे दिया गया है। दैनिक गुजरी स्थल के समीप ही शासकीय कन्या विद्यालय संचालित है जो कि शराब दुकान से महज 50 मीटर की दुरी पर होगा, इसी शराब दुकान के पास अवैध रूप से चखना घर एवं अवैध आहाते खोले गये है जहां बिठाकर शराब पीने की व्यवस्था देखी जा सकती है। रोजाना आसामाजिक तत्वों का यहां जमावड़ा होता है। जबकि शासन प्रशासन के अधिकारियों को यह सोचना चाहिये था कि यह दैनिक गुजरी स्थल है यहां रोजाना महिलाऐं, बच्चे, बुजूर्ग गणे सब्जि भाजी लेने आते है। सब्जि भाजी विक्रय करने के लिये अनेको महिलाऐं यहां व्यापार करती है। ऐसे में इस स्थल का चयन करना बिल्कुल भी सही नही था लेकिन पता नही क्यों क्षेत्र के अधिकारियों एवं जवाबदार जनप्रतिनिधियों को यह दिखाई नही दिया और इस स्थल का चयन किया गया जहां बच्चे महिलाऐं जाने से डरती है। स्कूली बच्चों को मजबूरन यहां से गुजरना पड़ता है। सरकार द्वारा जुलाई से अगस्त तक विशेष नशामुक्ति अभियान चलाया जा रहा है। कागजों, बैनरों और विज्ञापनों में यह अभियान बहुत सराहनीय दिखता है, लेकिन जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। आज पूरे विधानसभा क्षेत्र में अवैध नशीले पदार्थों का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए लांजी के गुजरी बाजार (गुजरी चौक) में कन्या स्कूल के ठीक बाजू में सरकारी शराब की दुकान संचालित की जा रही है। स्कूल और बाजार जैसे सार्वजनिक

स्थान के पास शराब दुकान होना पूरी तरह नियम विरुद्ध है। इतना ही नहीं, इसके ठीक आस-पास अवैध चखना घर खोल दिए गए हैं, जहाँ सरेआम असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। सरकार के स्पष्ट नियम हैं कि शराब दुकानों पर या उसके आस-पास बैठाकर पिलाना पूरी तरह प्रतिबंधित है, लेकिन लांजी क्षेत्र समेत पूरे जिले में नियमों को ताक पर रखकर बैठाकर पिलाने के खेल को जोरों से बढ़ावा दिया जा रहा है। हमारी नई पीढ़ी और खासकर छात्राओं की सुरक्षा व भविष्य को इस नशाखोरी के अभिशाप से बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। यदि आबकारी और पुलिस विभाग इस जुलाई-अगस्त के अभियान के दौरान कन्या स्कूल के बाजू से इस शराब दुकान को हटाने की कार्रवाई करता है और पूरे विधानसभा क्षेत्र से इस अवैध व्यापार को जड़ से खत्म करता है, तभी विभाग की असली कर्तव्यनिष्ठा और महानता साबित होगी। जिला पंचायत सदस्य ज्योति ईश्वर उमरे, जिला पंचायत बालाघाट की ओर से यह स्पष्ट और कड़ी मांग है। अगर वाकई इस नशामुक्ति अभियान को सफल बनाना है, तो केवल विज्ञापनों तक सीमित न रहें। स्कूलों के पास से शराब दुकानों को हटाएं, चखना घरों को बंद कराएं और नशा माफियाओं पर जमीनी स्तर पर कठोर कार्रवाई करें। खोखले दावों से नहीं, सख्त और धरातल पर दिखने वाले कदमों से ही बदलाव आएगा!

केरेगांव से सेवती-सिंगोला मार्ग को जोड़ने वाली रोड़ व पुलिया क्षतिग्रस्त-गंभीर दुर्घटना का अंदेशा

पद्मेश न्यूज। लांजी। विकास के दावों और सरकारी योजनाओं की चमक के बीच ग्राम केरेगांव से सेवती-सिंगोला मार्ग को जोड़ने वाली पुलिया आज बदहाली की ऐसी तस्वीर पेश कर रही है, जिसने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी यह पुलिया हर दिन सैकड़ों लोगों के लिए खतरे का रास्ता बनी हुई है। सबसे अधिक चिंता उन मासूम स्कूली बच्चों की है, जो रोज इसी पुलिया से होकर स्कूल पहुंचते हैं। पुलिया की हालत देखकर ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते इसका निर्माण नहीं कराया गया तो किसी भी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। ग्राम केरेगांव से सेवती-सिंगोला मार्ग क्षेत्र का प्रमुख संपर्क मार्ग है, जिससे प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीणों का आवागमन होता है। यही मार्ग लांजी, देवलगांव, साडरा और कारंजा सहित आसपास के गांवों तक पहुंचने का महत्वपूर्ण माध्यम है। दोपहिया, चारपहिया वाहनों के साथ-साथ स्कूल वाहन भी लगातार इसी पुलिया से गुजरते हैं, लेकिन पुलिया पूरी तरह क्षतिग्रस्त होने के कारण हर गुजरने वाला व्यक्ति दुर्घटना की आशंका से डरा रहता है। ग्रामीणों के अनुसार पुलिया की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। बरसात के मौसम में यह खतरा कई गुना बढ़ जाता है। पुलिया के क्षतिग्रस्त हिस्से के कारण वाहन चालकों को संतुलन बनाकर निकलना पड़ता है, जबकि भारी वाहनों के गुजरने से पुलिया पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। ऐसे में यदि पुलिया का कोई हिस्सा अचानक ध्वस्त हो

गया तो बड़ी जनहानि से इंकार नहीं किया जा सकता। सबसे गंभीर पहलू यह है कि केरेगांव से लांजी, देवलगांव, साडरा और कारंजा के विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं के स्कूल वाहन प्रतिदिन इसी पुलिया से होकर गुजरते हैं। अभिभावकों का कहना है कि बच्चों की सुरक्षा को लेकर वे हमेशा चिंतित रहते हैं, लेकिन वैकल्पिक मार्ग नहीं होने के कारण मजबूरी में इसी रास्ते का उपयोग करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि पुलिया की जर्जर स्थिति से कई बार संबंधित विभाग और प्रशासन को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक न तो इसकी मरम्मत कराई गई और न ही नई पुलिया के निर्माण की दिशा में कोई ठोस कदम उठाया गया। इससे ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्राम केरेगांव के समस्त ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि जनहित और स्कूली बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए क्षतिग्रस्त पुलिया का तत्काल निरीक्षण कराया जाए तथा पुराने ढांचे को हटाकर नई एवं मजबूत पुलिया का शीघ्र निर्माण कराया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि किसी दुर्घटना के बाद कार्रवाई की गई तो उसका कोई औचित्य नहीं रहेगा। समय रहते समस्या का स्थायी समाधान ही जनहित में सबसे आवश्यक कदम होगा।

नशामुक्ति विषय पर हुआ जागरूकता कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश शासन एवं पुलिस मुख्यालय द्वारा संचालित प्रदेशव्यापी जनजागरूकता अभियान नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 के अंतर्गत लांजी स्थित दृष्टि कंप्यूटर एजुकेशन इंस्टीट्यूट में नशामुक्ति विषय पर प्रेरणादायी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में संस्था ने सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचय देते हुए विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया तथा उन्हें नशामुक्त समाज के निर्माण में सहभागी बनने का संदेश दिया। कार्यक्रम में पीजीडीसीए एवं डीसीए पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान विशेषज्ञों एवं संस्था प्रबंधन द्वारा विद्यार्थियों को बताया गया कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि उसके परिवार, शिक्षा, करियर, सामाजिक प्रतिष्ठा और भविष्य पर भी गहरा नकारात्मक प्रभाव डालता है। विद्यार्थियों से आह्वान किया गया कि वे स्वयं किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहें तथा अपने मित्रों, परिवार और समाज को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें। संस्था के संचालक ने अपने संबोधन में कहा कि आज का युवा ही कल के भारत का निर्माता है। यदि युवा अपनी ऊर्जा को शिक्षा, तकनीकी ज्ञान, नैतिक मूल्यों और सकारात्मक सोच की दिशा में लगाएँ, तो समाज अनेक सामाजिक बुराइयों से मुक्त होकर विकास की नई ऊँचाइयों को प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि नशा युवाओं की प्रतिभा और संभावनाओं को समाप्त कर देता है, इसलिए प्रत्येक विद्यार्थी का यह नैतिक दायित्व है कि वह स्वयं नशामुक्त रहे और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करे। कार्यक्रम के दौरान सभी विद्यार्थियों ने नशामुक्त जीवन जीने, किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थों से दूर रहने तथा समाज में नशामुक्ति का संदेश प्रसारित करने की सामूहिक शपथ ली। विद्यार्थियों ने संकल्प लिया कि वे अपने आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करेंगे।

किरनापुर पुलिस द्वारा गांव गांव पहुंचकर चलाया जा रहा नशा मुक्ति अभियान

नशे से दूरी बहुत हैं जरूरी 2.0 के तहत् स्कूलों, कालेजों, ग्रामों में जाकर दिलाई गई शपथ

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। बालाघाट पुलिस अधीक्षक श्री आदित्य मिश्रा के कुशल नेतृत्व में वर्तमान में मध्यप्रदेश में चलाये जा रहे नशा मुक्ति अभियान नशे से दूरी हैं बहुत जरूरी 2.0 के अन्तर्गत थाना प्रभारी किरनापुर निरीक्षक राजकुमार चौधरी के नेतृत्व में पुलिस थाने में टीम गठित कर थाना क्षेत्र अन्तर्गत कन्या शाला किरनापुर, शासकीय प्राथमिक शाला स्कूल किरनापुर, शास उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खारा, शासकीय हाईस्कूल किन्ही, प्राथमिक शाला रानककोडी, हायर सेकेण्डरी स्कूल हिरीं, सार्वजनिक स्थान बस स्टेण्ड रजेगांव थाना किरनापुर, स्व.दिलीप भटेरे कालेज किरनापुर, संदीपनी स्कूल रंजेगांव, एवं ग्रामों में वरिष्ठ कार्यालय के आदेशानुसार चलाये जा रहे नशा मुक्ति अभियान नशे से दूरी हैं बहुत जरूरी के अन्तर्गत स्कूलों, कालेजों, व थाना क्षेत्र के ग्रामीणजनों, नागरिकों को अभियान के दौरान शपथ दिलाई जाकर, पाम्पलेट वितरण कर, शपथ प्रमाण पत्र दिया जाकर आनलाईन फेसबुक के माध्यम से नशा मुक्ति अभियान के तहत् जागरूकता अभियान चलाया जा रहा हैं एवं लोगो को नशे से होने वाले दुष्प्रभाव के संबंध में समझाईश दी जाकर नशें में वाहन न चलाने की हिदायत दी गई, स्वस्थ हालात में वाहन चलाने से वाहने से होने वाले वाहन एक्सीडेन्ट की घटना में कमी आ सके एंव परिवार को आर्थिक, शारिरीक व मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के बारे में बतलाया गया। किरनापुर पुलिस व्दारा नशा मुक्ति अभियान का प्रचार प्रसार जोर शोर से किया जा रहा हैं। जिससे कि बालाघाट जिला नशा मुक्त हो सके।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मोहन सरकार की विशेष कैबिनेट आज जगदीशपुर में

यूसीसी के अंतिम मसौदे पर लगेगी मुहर

भोपाल। मध्य प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की दिशा में सरकार तेजी से काम कर रही है। उच्च स्तरीय समिति ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को तीन खंडों में तैयार अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंप दी है। अब रविवार को जगदीशपुर में प्रस्तावित विशेष कैबिनेट बैठक में यूसीसी के मसौदा विधेयक पर विचार कर उसे मंजूरी दिए जाने की संभावना है। इसके बाद सरकार मानसून सत्र में यूसीसी विधेयक विधानसभा में पेश कर सकती है। समान नागरिक संहिता का उद्देश्य विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, गोद लेने और अन्य पारिवारिक मामलों में सभी नागरिकों के लिए एक समान कानूनी व्यवस्था लागू करना है। वर्तमान में विभिन्न धर्मों के लिए अलग-अलग व्यक्तिगत कानून लागू हैं।

यदि कैबिनेट मसौदे को मंजूरी देती है तो कानून विभाग अंतिम विधेयक तैयार करेगा। इसके बाद इसे विधानसभा के मानसून सत्र में पेश किया जाएगा। विधानसभा से पारित होने के बाद विधेयक राज्यपाल की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। अधिसूचना जारी होने के बाद ही यूसीसी प्रदेश में लागू होगी। कैबिनेट में पेश होने वाले 9 विधेयक को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मंजूरी दे दी। इनमें मप्र निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) संशोधन विधेयक, समान नागरिक संहिता (यूसीसी), निजी कोचिंग संस्थानों के विनियमन, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा, श्रम संहिता और राजमार्ग संशोधन प्रमुख रूप से शामिल है। ये विधेयक 20 जुलाई से शुरू हो रहे विधानसभा के मानसून सत्र में भी पेश होंगे।

समिति की प्रमुख सिफारिशें

समिति की अंतिम रिपोर्ट में सभी धर्मों के लोगों के लिए विवाह का पंजीकरण अनिवार्य करने का प्रस्ताव किया गया है। इसके लिए विवाह के बाद एक से दो माह की समय-सीमा निर्धारित करने की सिफारिश है। मसौदे में यह भी प्रस्ताव है कि तलाक केवल न्यायालय की वैधानिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही मान्य होगा। मौखिक तलाक को कानूनी मान्यता नहीं देने की सिफारिश की गई है। इसके अलावा, पति या पत्नी के जीवित रहते तथा वैधानिक तलाक के बिना दूसरी शादी को अपराध की श्रेणी में रखने का प्रस्ताव भी शामिल है। प्रस्तावित यूसीसी मसौदे में लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले जोड़ों के लिए रजिस्ट्रार के समक्ष पंजीकरण अनिवार्य करने की सिफारिश की गई है। बिना पंजीकरण के साथ रहने को दंडनीय बनाने का भी प्रस्ताव है। साथ ही लिव-इन संबंध से जन्म लेने वाले बच्चों को पैतृक संपत्ति में वैधानिक अधिकार देने की सिफारिश भी रिपोर्ट में की गई है।

कैबिनेट बैठक में आएंगे ये बिल...

मप्र राजमार्ग (संशोधन) विधेयक, 2026

मप्र निरसन विधेयक 2026

मप्र समान नागरिक संहिता विधेयक 2026

फायर एक्ट

निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) संशोधन विधेयक, 2026

मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विवि (संशोधन) विधेयक, 2026 जबलपुर में एक विवि था। इसे दो भागों में बांटा जा रहा है।

मप्र धनवंतरी स्वास्थ्य विवि विधेयक

ईज आफ डूइंग बिजनेस

मप्र श्रम संहिता 2026।

एमपी में बदले खनिज परिवहन के नियम

अब 40 ई-चेकपोस्ट पर होगी हर वाहन की डिजिटल जांच

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने खनिजों के अवैध परिवहन पर रोक लगाने के उद्देश्य से प्रदेश में स्थापित 40 ई-चेकपोस्ट को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए नियमों में संशोधन कर दिया है। नई व्यवस्था के तहत ई-चेकपोस्ट से गुजरने वाले वाहनों की नंबर प्लेट और अभिवहन पास का मिलान किया जाएगा, जिससे अवैध परिवहन की पहचान आसान होगी।

आंकड़ों के विश्लेषण से होगी प्रभावशीलता की समीक्षा

खनिज विभाग ई-चेकपोस्ट से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण कर यह भी आकलन करेगा कि इनकी स्थापना के बाद अवैध खनिज परिवहन में कितनी कमी आई है। इसके साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी वाहन क्षतिग्रस्त या छेड़छाड़ वाली नंबर प्लेट अथवा ईटीपी के बिना परिवहन न कर सके।

मानवरहित चेकपोस्ट से होगी निगरानी

संशोधित नियमों के अनुसार, मानवरहित ई-चेकपोस्ट के जरिए खनिज परिवहन में लगे वाहनों की लगातार निगरानी की जाएगी। नियमों के उल्लंघन की स्थिति में ऑनलाइन कार्रवाई का प्रावधान भी किया गया है। फिलहाल ये ई-चेकपोस्ट केवल वाहनों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। चालान या अन्य दंडात्मक कार्रवाई अभी शुरू नहीं की गई है।

वाहन मालिकों की भी तय हुई जिम्मेदारी

नई व्यवस्था के तहत प्रत्येक वाहन मालिक को अपने पंजीकृत वाहन पर स्वयं के खर्च से आईटी आधारित उपकरण लगवाना और उसका रखरखाव करना होगा। यदि निरीक्षण के दौरान यह सिस्टम खराब पाया जाता है, तो संबंधित वाहन को प्रतिबंधित किया जाएगा। साथ ही उसका पंजीकरण भी रद्द किया जा सकेगा।

इन जिलों में लगाए गए हैं ई-चेकपोस्ट

प्रदेश के कई जिलों में ई-चेकपोस्ट स्थापित किए गए हैं। इनमें अनूपपुर में तीन, बालाघाट में एक (लालबर्रा-सिवनी मार्ग), भोपाल में तीन (नीलबढ़, इटखेड़ी और बंगरसिया), छतरपुर में दो (छतरपुर और लवकुशनगर), छिंदवाड़ा में दो (सर्रा और जुन्नारदेव) शामिल हैं। इसके अलावा देवास, इंदौर, रायसेन, सतना-मैहर, सीहोर, शहडोल, टीकमगढ़ और उमरिया में एक-एक, रीवा, सीधी और ग्वालियर, मुरैना में दो-दो, सिंगरौली में तीन तथा भिंड, दतिया, जबलपुर, निवाड़ी और सागर में भी ई-चेकपोस्ट स्थापित किए गए हैं। जबलपुर में प्रस्तावित तीन में से दो ई-चेकपोस्ट संचालित हैं।

स्टेट कंट्रोल कमांड सेंटर से होगी 24 घंटे निगरानी

सभी ई-चेकपोस्ट को स्टेट कंट्रोल कमांड सेंटर से जोड़ा जाएगा। यह सेंटर चेकपोस्ट से गुजरने वाले प्रत्येक वाहन की निगरानी करेगा। खनिज साधन संचालनालय में स्थापित इस कंट्रोल सेंटर की दैनिक रिपोर्ट विभाग के वरिष्ठ अधिकारी देखेंगे और समय-समय पर इसकी समीक्षा भी करेंगे।

एमपी पुलिस में सूबेदार (स्टेनो) और एएसआई भर्ती पूरी, 438 अभ्यर्थियों का अंतिम चयन

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस में करीब आठ वर्षों बाद स्टेनोग्राफर एवं कार्यालयीन स्टाफ की भर्ती प्रक्रिया पूरी हो गई है। कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) द्वारा आयोजित सूबेदार (अ) (स्टेनो) एवं सहायक उप निरीक्षक (अ) भर्ती परीक्षा-2025 के अंतिम परिणाम में 438 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। इनमें 88 सूबेदार (स्टेनो) और 350 सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) शामिल हैं। चयनित अभ्यर्थियों में 152 महिलाएं और 286 पुरुष हैं। न्यायालय के आदेश के अनुसार 13 प्रतिशत पदों का परिणाम फिलहाल होल्ड रखा गया है।

प्राथमिक शिक्षक भर्ती 2026 के दस्तावेज अपलोड करने और जिला विकल्प चयन की प्रक्रिया शुरू

भोपाल। मध्यप्रदेश में प्राथमिक शिक्षक एवं प्राथमिक शिक्षक (विशेष शिक्षा) नियोजन-2026 के लिए चयनित अभ्यर्थियों की दस्तावेज अपलोड और सत्यापन प्रक्रिया शनिवार से शुरू हो गई है। लोक शिक्षण संचालनालय ने कर्मचारी चयन मंडल की वर्ष-2025 चयन परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियोजन की समय-सारिणी जारी की है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अभ्यर्थी 20 जुलाई तक एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर प्रोफाइल पंजीयन, आवश्यक दस्तावेज अपलोड और जिला विकल्प का चयन कर सकेंगे।

27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण पर 20 जुलाई को विधानसभा घेराव

भोपाल। मध्य प्रदेश में ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण लागू कराने की मांग को लेकर 20 जुलाई को ओबीसी महासभा विधानसभा घेराव करेगी। ओबीसी महासभा के घेराव को समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के नेताओं ने समर्थन दिया है।

पूर्व कृषि मंत्री और कसरावद से कांग्रेस विधायक सचिन यादव ने पत्र लिखकर 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण को पूर्ण रूप से लागू करने और 13 प्रतिशत आरक्षण पर लगे होल्ड को हटाने की मांग का समर्थन किया। प्रदेशभर के ओबीसी समाज से 20 जुलाई को अधिक से अधिक संख्या में विधानसभा घेराव में शामिल होकर आंदोलन को सफल बनाने का आह्वान किया।

13 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण का होल्ड हटाया जाए

सचिन यादव ने कहा- भाजपा सरकार की ओबीसी विरोधी नीतियों के खिलाफ, 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण लागू करने एवं 13 प्रतिशत आरक्षण होल्ड समाप्त करने की मांग को लेकर 20 जुलाई को भोपाल में होने वाले विधानसभा घेराव का मैं पूर्ण समर्थन करता हूँ । मैं प्रदेश के समस्त ओबीसी वर्ग से आग्रह करता हूँ कि अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इस जनआंदोलन को सफल बनाएं ।

ओबीसी को 52 फीसदी आरक्षण दिया जाए

समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ मनोज यादव का कहना है कि हमारी पार्टी ओबीसी महासभा के विधानसभा घेराव का समर्थन करती है। समाजवादी पार्टी की मांग है कि प्रदेश में संख्या के आधार पर ओबीसी वर्ग को 52 फीसदी आरक्षण दिया जाए।

मध्य प्रदेश में रात के काम में ज्यादा मिलेगा पैसा

6 घंटे की ड्यूटी दिन के 9 घंटे के बराबर

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार प्रदेश के कर्मचारियों को राहत देने के लिए पांच दशक पुराने पांच श्रम कानूनों को खत्म कर नया कानून लाने जा रही है। राज्य सरकार इन श्रम कानूनों के स्थान पर नया एमपी कोड ऑन एम्पावरिंग वर्क स्पेससे 2026 विधेयक लाने जा रही है। 20 जुलाई से शुरू होने जा रही मध्य प्रदेश विधानसभा के सत्र में इस संशोधन विधेयक को पेश किया जाएगा। इस विधेयक के माध्यम से राज्य सरकार गिग वर्कर्स को सुरक्षा और डिजिटल रजिस्ट्रेशन की सुविधा देगी। इसके अलावा इस विधेयक के जरिए रात की पाली में महिला और पुरुषों के काम करने पर ज्यादा सैलरी मिलने का भी प्रावधान किया जा रहा है।

मध्य प्रदेश सरकार प्रदेश में रात की पाली में महिलाओं और पुरूषों को काम करने के लिए नियमों में संशोधन कर चुकी है। इसमें प्रावधान किया गया है कि रात में काम पर आने वाली महिला और पुरुष कर्मचारियों की सुरक्षा और आने-जाने के लिए व्यवस्था करनी होगी। अब नए संशोधन विधेयक में रात की पाली में काम करने वाले कर्मचारियों की सैलरी में भी बढ़ोत्तरी का प्रावधान किया जा रहा है। नए ड्राफ्ट कोड में दिन के मुकाबले रात में ड्यूटी करने वाले कर्मचारी को ज्यादा सैलरी का प्रावधान किया जा रहा है। रात में एक घंटे की ड्यूटी को दिन की डेढ़ घंटे की ड्यूटी माना जाएगा। यानी रात में छह घंटे की ड्यूटी करने पर दिन की 9 घंटे की ड्यूटी के बराबर सैलरी नियोक्ता को देनी होगी।

नए संशोधन विधेयक में रेस्टोरेंट, सिनेमा हॉल और व्यावसायिक प्रतिष्ठान को 24 घंटे खोलने पर सरकार विचार कर रही है। इसी तरह रेलवे स्टेशन के आसपास की दुकानों को भी रात में निर्धारित समय पर बंद करने की बाध्यता से छूट दी जा सकती है। संशोधन विधेयक में गिग वर्कर्स को भी कानून के दायरे में लाया जाएगा। इससे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स से जुडक़र सामान की सप्लाई करने वाले युवाओं को कानूनी सुरक्षा मिलेगी। इसके बाद अब कंपनियों को अपने पोर्टल पर इसकी जानकारी देनी होगी कि वे ऐसे कर्मचारियों से जुड़े नियमों का पालन कर रहे हैं।

व्यापारियों को भी मिलेगी राहत

नए कोड के तहत नियोक्ता और कर्मचारियों दोनों को राहत दी जाएगी। बार-बार रजिस्ट्रेशन के स्थान पर संस्थानों को एक बार ही रजिस्ट्रेशन कराने पर उन्हें हमेशा के लिए मान्यता मिल जाएगी। हर संस्थान को एक यूनिक आईडी नंबर दिया जाएगा। इसमें संस्थान की पूरी डिटेल होगी। इसके अलावा कागजी कमी या छोटी-मोटी गलती के लिए कार्रवाई में राहत दी जाएगी। जुर्माना का प्रावधान किया जाएगा।

मप्र में नेक की तर्ज पर साक का गठन

कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की सुधरेगी रैंकिंग

भोपाल। मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा संस्थानों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और उत्कृष्टता को नए मुकाम पर ले जाने के लिए राज्य सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घोषणा की है कि राष्ट्रीय स्तर की संस्था नेक की तर्ज पर अब मध्य प्रदेश में साक यानी स्टेट लेवल असेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन सेल (राज्य स्तरीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन प्रकोष्ठ) का गठन किया गया है। इस नई व्यवस्था से प्रदेश के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के मूल्यांकन और ग्रेडिंग की प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़ और पारदर्शी बनाया जाएगा। सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुताबिक, साक के गठन का मुख्य उद्देश्य राज्य के उच्च शिक्षा संस्थानों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार करना है। इसके अंतर्गत पहले चरण में प्रदेश के 341 शासकीय एवं निजी महाविद्यालयों (कॉलेजों) और विश्वविद्यालयों का राज्य स्तरीय मूल्यांकन किया जाएगा। इससे संस्थानों को अपनी कमियों को सुधारने और राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर रैंकिंग हासिल करने में मदद मिलेगी।

21 से 23 जुलाई तक चलेगी विशेष कार्यशाला

साक की प्रक्रिया को जमीन पर प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग ने अपनी कमर कस ली है। इसके तहत आगामी 21, 22 और 23 जुलाई को एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यशालाओं (ट्रेनिंग वर्कशॉप) का आयोजन किया जा रहा है। संस्थानों के प्रतिनिधियों को चरणबद्ध तरीके से ट्रेनिंग देने के लिए पूरा शेड्यूल तय कर दिया गया है। 21 जुलाई पहले दिन 113 महाविद्यालयों के प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। 22 जुलाई दूसरे दिन अन्य 113 महाविद्यालयों के प्रतिनिधि ट्रेनिंग में शामिल होंगे। 23 जुलाई-अंतिम दिन बचे हुए 115 महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों को विस्तृत प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कार्यशाला में दी जाएगी बारीक जानकारियां

इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने वाले प्रतिभागियों को साक के कड़े मूल्यांकन मानदंडों, गुणवत्ता संकेतकों, आवश्यक दस्तावेजीकरण, संस्थागत तैयारियों और पूरी प्रत्यायन प्रक्रिया की बिंदुवार व विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी। शिक्षाविदों का मानना है कि सरकार के इस कदम से मध्य प्रदेश के सरकारी और निजी शिक्षण संस्थानों में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, जिसका सीधा फायदा प्रदेश के छात्र-छात्राओं को बेहतर शिक्षा और सुविधाओं के रूप में मिलेगा।

निजीकरण के विरोध में कल से डाक कर्मियों का आंदोलन

18 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

भोपाल। डाक विभाग के निजीकरण, कर्मचारियों पर बढ़ते व्यावसायिक टारगेट के दबाव और विभागीय नीतियों के विरोध में भारतीय डाक कर्मचारी संघ (ग्रुप-सी), मध्यप्रदेश परिमंडल ने आंदोलन का एलान किया है।

संघ का कहना है कि कर्मचारियों से उनके मूल कार्य के बजाय बैंक खाते, बीमा और अन्य योजनाओं के लक्ष्य पूरे कराने का दबाव बनाया जा रहा है, जिससे मानसिक और आर्थिक शोषण हो रहा है। यदि सरकार और विभाग ने मांगों पर जल्द फैसला नहीं लिया तो 18 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल की जाएगी।

काली पट्टी बांधकर करेंगे काम

परिमंडल सचिव रवि कुमार साहू ने बताया कि संघ चार चरण में आंदोलन करेगा। पहले चरण में 20 से 27 जुलाई तक प्रदेश के सभी डाकघरों और रेल डाक सेवा (आरएमएस) कार्यालयों में कर्मचारी काली पट्टी बांधकर काम करेंगे और विरोध दर्ज कराएंगे। 28 जुलाई को दोपहर बाद सभी मंडलीय कार्यालयों पर प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद पांच अगस्त को मप्र परिमंडल में एक दिन की सांकेतिक हड़ताल होगी। यदि इसके बाद भी मांगें पूरी नहीं हुईं तो 18 अगस्त से प्रदेशभर में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी।

संघ की प्रमुख मांगें

- डाक की ढुलाई सडक़ मार्ग (आरटीएन) के बजाय फिर से रेलवे के माध्यम से कराई जाए, ताकि आरएमएस व्यवस्था मजबूत हो और सरकारी धन निजी आपरेटरों के बजाय रेलवे को मिले। मेल मोटर सेवा (एमएमएस) सहित सभी खाली पद भरे जाएं, लंबित कैडर पुनर्गठन पूरा किया जाए तथा पोस्टल अकाउंट के विकेंद्रीकरण पर रोक लगाई जाए। डाक विभाग में बढ़ रहे भ्रष्टाचार की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए तथा यूनियन से इस विषय पर चर्चा की जाए। पूर्व सैनिक कोटे से भर्ती कर्मचारियों की वेतन संबंधी समस्याओं का जल्द समाधान किया जाए। पांच प्रतिशत सीमा के कारण नियुक्ति से वंचित मृतक आश्रितों को ग्रामीण डाक सेवक (जीडीएस) के रिक्त पदों पर समायोजित किया जाए।

मानसून सत्र में सत्ता-विपक्ष का शक्ति प्रदर्शन

सरकार यूसीसी समेत कई अहम विधेयक लाएगी, कांग्रेस विस्थापन, बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार पर करेगी घेराव

भोपाल । मध्यप्रदेश विधानसभा के 20 जुलाई से शुरू होने वाले मानसून सत्र से पहले सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। सत्र में सरकार और विपक्ष के बीच तीखी टक्कर के संकेत हैं। इसी को लेकर 19 जुलाई को भाजपा और कांग्रेस अपने-अपने विधायक दल की बैठक कर विधानसभा के भीतर की रणनीति तय करेंगी। दोनों दल अपने विधायकों को सदन में उठाए जाने वाले मुद्दों और सरकार-विपक्ष की भूमिका को लेकर दिशा-निर्देश देंगे।

सरकार इस सत्र में समान नागरिक संहिता सहित कई महत्वपूर्ण विधेयक पेश करने की तैयारी में है। इनमें कॉलोनाइजर एक्ट, फायर सेफ्टी एक्ट, कोचिंग विनियमन विधेयक, प्रथम अनुपूरक बजट, सिंहस्थ मेला अधिनियम और अन्य संशोधन विधेयक शामिल हैं। इनमें सबसे अधिक चर्चा यूसीसी विधेयक को लेकर है, जिसकी तैयारी पिछले दो माह से चल रही है। सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई समिति अपनी रिपोर्ट और विधेयक का प्रारूप सरकार को सौंप चुकी है। दूसरी ओर कांग्रेस ने सरकार को घेरने के लिए कई मुद्दों की सूची तैयार की है। पार्टी का कहना है कि यूसीसी जैसे विधेयकों के जरिए सरकार जनता के वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटका रही है। कांग्रेस केन-बेतवा लिंक परियोजना से प्रभावित आदिवासियों के विस्थापन, सिंगरौली में पेड़ों की कटाई, आदिवासी भूमि विवाद, कानून-व्यवस्था, बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार जैसे विषयों को प्रमुखता से सदन में उठाएगी।

आज दोनों पार्टियों के विधायक दल की बैठक

19 जुलाई को होने वाली विधायक दल की बैठकों में दोनों दल सदन की रणनीति को अंतिम रूप देंगे। वहीं 20 जुलाई को विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर की अध्यक्षता में कार्यमंत्रणा समिति की बैठक होगी, जिसमें सदन की कार्यवाही और विभिन्न शासकीय कार्यों के लिए समय निर्धारण किया जाएगा। सत्र में सरकार के प्रमुख एजेंडे होंगे- समान नागरिक संहिता विधेयक, कॉलोनाइजर एक्ट, फायर सेफ्टी एक्ट, कोचिंग विनियमन विधेयक, प्रथम अनुपूरक बजट, सिंहस्थ मेला अधिनियम एवं अन्य संशोधन विधेयक आदि।

दिग्विजय सिंह ने छोड़ा एक्स और मोबाइल

20 अक्टूबर से निकालेंगे उज्जैन से अयोध्या की यात्रा,सोशल मीडिया यूज न करने का किया है ऐलान

भोपाल । कांग्रेस के सीनियर लीडर और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने अपना अधिकारिक एक्स अकाउंट छोडक़र ऑफिस स्टाफ के हवाले कर दिया है। यही नहीं उन्होंने अपना पर्सनल मोबाइल भी अपने सेक्रेटरी सचिन वत्स को सौंप दिया। दिग्विजय सिंह का एक्स हैंडल पहले दिग्विजय-28 के नाम से था अब यह ऑफिसऑफडीवीएस यानी ऑफिस ऑफ दिग्विजय सिंह के नाम में बदल दिया गया है।

दिग्विजय सिंह ने अपना पर्सनल मोबाइल नंबर भी अपने सेक्रेटरी को दे दिया है। दिग्विजय सिंह ने फेसबुक पर इसकी जानकारी देते हुए लिखा है- आज से मैं अपना मोबाइल नंबर उपयोग नहीं करूंगा। यह नंबर अब मेरे सचिव सचिन वत्स द्वारा उपयोग किया जाएगा। इस नंबर पर प्राप्त आपके महत्वपूर्ण संदेशों एवं जानकारियों से वे मुझे अवगत कराते रहेंगे। आपके सहयोग और विश्वास के लिए धन्यवाद।

गंगा दशहरा से शुरु होगी पदयात्रा

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह अयोध्या के श्री रामजन्मभूमि मंदिर में हुई चढ़ावा चोरी की घटना को लेकर उज्जैन से अयोध्या तक पदयात्रा करने जा रहे हैं। 20 अक्टूबर से यह यात्रा शुरु होगी। इस यात्रा में दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया का प्रयोग न करने का भी ऐलान किया है। शुरुआत में दिग्विजय सिंह ने भोपाल में घोषणा की थी कि वह 2 अक्टूबर (गांधी जयंती) से उज्जैन के महाकाल मंदिर से अयोध्या तक की 1,000 किलोमीटर की पदयात्रा शुरू करेंगे। हालांकि, बाद में अपनी योजनाओं में संशोधन करते हुए उन्होंने इसे दशहरे (विजयदशमी) के पावन अवसर से शुरू करने का निर्णय लिया। वर्ष 2026 में दशहरा 20 अक्टूबर को पड़ रहा है, इसलिए यह यात्रा 20 अक्टूबर से शुरू होगी। दिग्विजय सिंह ने कहा कि मैं 80 साल का हो गया हूं। पार्टी ने मुझे 5 बार विधायक बनाया, दो बार लोकसभा और दो बार राज्यसभा भेजा। अब मैंने पार्टी से कह दिया है कि मेरी जगह किसी और को मौका दें। अब मैं सिर्फ धर्म की रक्षा के लिए काम करूंगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि उज्जैन से अयोध्या की यह यात्रा किसी राजनीतिक दल के बैनर तले नहीं होगी। यात्रा के दौरान वे न तो कोई राजनीतिक बयान देंगे और न ही अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स (फेसबुक, एक्स) पर कोई राजनीतिक प्रतिक्रिया पोस्ट करेंगे।

कारसेवक संतोष दुबे होंगे मुख्य अतिथि

दिग्विजय सिंह ने बताया था कि वे इस यात्रा में किसी बड़े राजनीतिक नेता को आमंत्रित नहीं कर रहे हैं। इसके बजाय, अयोध्या आंदोलन के दौरान 4 गोलियां खाने वाले कारसेवक संतोष दुबे को इस यात्रा का मुख्य अतिथि बनाया जाएगा। दिग्विजय सिंह ने स्वयं राम मंदिर के लिए 1.11 लाख रुपए का चंदा दिया था। उनका आरोप है कि राम मंदिर निर्माण के लिए देशभर से जुटाए गए चंदे और महाकाल मंदिर के चढ़ावे में वित्तीय अनियमितताएं (चंदा चोरी) हुई हैं। वे वकीलों से सलाह लेकर अयोध्या की अदालत में मुकदमा दायर करेंगे और चंदे का पूरा हिसाब मांगेंगे। इस यात्रा में वे उन सभी श्रद्धालुओं को आमंत्रित कर रहे हैं जिन्होंने राम मंदिर के लिए दान दिया था और वे अपनी रसीद के साथ शामिल हो सकते हैं।

पुलिस की तर्ज पर कार्यवाहक पद बनाए रखने की मांग

भोपाल । मध्य प्रदेश में पदोन्नति नियम-2025 लागू होने के बाद नियमित पदोन्नति से वंचित रह गए वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को कार्यवाहक पद से न हटाने की मांग उठी है। स्टेट फॉरेस्ट रेंज ऑफिसर्स (राजपत्रित) एसोसिएशन ने प्रमुख सचिव वन विभाग को पत्र लिखकर ऐसे अधिकारियों को अगली नियमित व्यवस्था होने तक कार्यवाहक पद पर ही बनाए रखने का अनुरोध किया है।

एसोसिएशन के अध्यक्ष रविंद्र पाटीदार ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा लागू किए गए मध्य प्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम-2025 के तहत बड़ी संख्या में अधिकारियों और कर्मचारियों को नियमित पदोन्नति का लाभ मिला है, जिसका संगठन स्वागत करता है। हालांकि, कई अधिकारी ऐसे भी हैं जिन्हें पहले शासन के आदेशों के तहत कार्यवाहक रूप से उच्च पद का प्रभार दिया गया था, लेकिन नियमित पदोन्नति प्रक्रिया में उनका चयन नहीं हो पाया। एसोसिएशन ने अपने पत्र में पुलिस विभाग का उदाहरण देते हुए कहा है कि जिस प्रकार करीब 15 हजार पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को कार्यवाहक पद से डिमोट किए बिना उसी पद पर कार्य करने की अनुमति दी गई है, उसी तरह वन विभाग में भी समान व्यवस्था लागू की जानी चाहिए। पत्र में कहा गया है कि वर्षों से उच्च पद की जिम्मेदारियां निभा रहे अधिकारियों को अचानक कार्यवाहक पद से हटाने से उनका मनोबल प्रभावित होगा।

96 साल के फीफा इतिहास में पहली बार

अर्जेंटीना-स्पेन का खिताबी मुकाबला

नई दिल्ली । फीफा विश्व कप के 96 साल के गौरवशाली इतिहास में यह पहली बार होगा जब दो दिग्गज टीमें अर्जेंटीना और स्पेन खिताबी मुकाबले में आमने-सामने होंगी। यह बहुप्रतीक्षित फाइनल रविवार, 20 जुलाई को ईस्ट रदरफोर्ड, न्यू जर्सी में खेला जाएगा, जहाँ फुटबॉल की दो विपरीत शैलियों का टकराव देखने को मिलेगा। एक तरफ लियोनेल मेसी की कप्तानी वाली आक्रामक अर्जेंटीना टीम होगी, तो दूसरी ओर स्पेन की अभेद्य रक्षापंक्ति उसे चुनौती देगी। यह मुकाबला न केवल खेल की शैलियों का टकराव है, बल्कि फीफा विश्व रैंकिंग में शीर्ष दो टीमों नंबर एक अर्जेंटीना और नंबर दो स्पेन के बीच भी एक जंग है, जिससे यह मुकाबला और भी रोमांचक होने की उम्मीद है। लियोनेल मेसी की टीम अर्जेंटीना अपना लगातार दूसरा और कुल सातवां फाइनल खेलने उतरेगी। डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना अपना चौथा खिताब जीतने की कोशिश में है और अगर वह सफल होती है तो 1958 व 1962 में ब्राजील के बाद लगातार दो विश्व कप जीतने वाली दूसरी टीम बन जाएगी। टूर्नामेंट में सर्वाधिक गोल करने वाले लियोनेल मेसी के नेतृत्व में अर्जेंटीना ने अब तक कुल 19 गोल दागे हैं, जो किसी भी टीम द्वारा सर्वाधिक हैं। टीम ने फाइनल तक के सफर में अपने सभी सात मैच जीते हैं, जिनमें ग्रुप चरण में अल्जीरिया को 3-0, ऑस्ट्रिया को 2-0 और जॉर्डन को 3-1 से हराना शामिल है। नॉकआउट चरण में उन्होंने केप वर्दे को 3-2, मिस्र को 3-2, स्विट्जरलैंड को 3-1 और सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 2-1 से हराकर जीत दर्ज की।

वहीं, स्पेन 2010 में अपना पहला खिताब जीतने के बाद दूसरा विश्व कप जीतने का लक्ष्य लेकर मैदान में उतरेगा। स्पेन अपनी मजबूत रक्षा के लिए जाना जाता है और उसने टूर्नामेंट में अब तक केवल एक ही गोल खाया है। युवा स्ट्राइकर लामिन यामल के रूप में उनके पास एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी है जो मेसी को कड़ी चुनौती दे सकता है। स्पेन ने फाइनल तक पहुंचने के लिए छह जीत और एक ड्रॉ हासिल किया है, जिसमें उसने कुल 13 गोल किए हैं। ग्रुप चरण में केप वर्दे के खिलाफ गोल रहित ड्रॉ के बाद उसने सऊदी अरब को 4-0 और उरुग्वे को 1-0 से हराया। नॉकआउट चरण में ऑस्ट्रिया को 3-0, पुर्तगाल को 1-0, बेल्जियम को 2-1 और सेमीफाइनल में फ्रांस को 2-0 से शिकस्त देकर उन्होंने फाइनल में जगह बनाई। मार्च में कतर के दोहा में इन दोनों यूरोपीय और दक्षिण अमेरिकी चैंपियन टीमों को फाइनलिस्सिमा में भिड़ना था, लेकिन मध्य पूर्व में जारी युद्ध के कारण वह मैच रद्द हो गया था। अब नियति ने उन्हें विश्व कप के सबसे बड़े मंच पर आमने-सामने ला खड़ा किया है, जहाँ फुटबॉल प्रेमियों को एक यादगार मुकाबला देखने को मिलेगा।

जिला शिक्षा व प्रशिक्षण संस्थान कि पूर्व प्राचार्य सुभद्रा दुबे का निधन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बालाघाट कि पूर्व प्राचार्य श्रीमती सुभद्रा दुबे का शुक्रवार 17 जुलाई को 78 वर्ष कि आयु मे दु:खद निधन हो गया.श्रीमती दुबे ने कुशालपुर रायपुर स्थित अपने भाई अनूप पांडे के निवास मे शुक्रवार कि सुबह अंतिम सांसे ली. शुक्रवार कि शाम बूढा तालाब के पास मारवाड़ी मोक्षधाम मे परिजनों व शुभचिंतको कि मौजूदगी मे नम आँखों से उनका अंतिम संस्कार किया गया. श्रीमती दुबे के भतीजे व उनके दत्तक पुत्र अनादि पांडे ने उन्हें मुखाग्नि दी।बताया गया कि श्रीमती सुभद्रा दुबे बालाघाट जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थानों मे पदस्थ रही. उन्होंने वारासिवनी कि टिहलीबाई शासकीय स्कूल कमला नेहरू कन्या शाला बालाघाट मे बहुउद्देश्यी शासकीय शाला व एम एल बी स्कूल सहित जिले के कई प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थानो मे बतौर व्याख्याता अपनी सेवाए प्रदान की.शिक्षा के क्षेत्र मे उनकी सशक्त और बेबाक कार्यशैली के चलते उन्हें बालाघाट जिले मे केडर कोआर्डिनेटर बालिका शिक्षा के पद पर कार्य करने कि महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी मिली थी.इस दौरान उन्होंने जिले के सुदूर ग्रामीण अंचलो एवं नक्सल प्रभावित गाँवों मे अभावग्रस्त वातावरण मे पढ़ाई कर रही बालिकाओं को शासन कि महती योजनाओ के साथ साथ जनसहयोग से मुख्यधारा से जो?कर उनका उत्थान करने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.वे लंबे समय तक जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मे पदस्थ रही. वही डाईट प्राचार्य के पद से सेवानिर्वत हुई.वे अपने पति सेवानिर्वत उपसंचालक पशु चिकित्सा एवं सेवाए डॉ वी के दुबे के निधन के बाद कुछ समय तक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी प्रेम नगर मे स्थित अपने मकान मे रही.ढलती उम्र व गिरते स्वास्थ कि वजह से श्रीमती दुबे लगभग 2 वर्ष पूर्व अपने भाई अनूप पांडे भतीजे व उनके दत्तक पुत्र अनादि पांडे के साथ रहने रायपुर चली गई थी.उनके निधन से समूचे शिक्षा जगत मे शोक कि लहर व्याप्त है।

पीवी सिंधु ने खोले जापान ओपन फाइनल में पहुंचने के राज

नई दिल्ली। भारत की बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने शनिवार को जापान ओपन 2026 के महिला एकल फाइनल में पहुंचने का श्रेय अपने कोच से मिले निर्देशों, अपने धैर्य और खेल के प्रति पूर्ण एकाग्रता को दिया। सिंधु ने सेमीफाइनल में चीन की चेन युफेई को हराकर जापान ओपन के फाइनल में अपनी जगह पक्की की। टोक्यो मेट्रोपॉलिटन जिमनैजियम में सिंधु 21-19, 15-10 से आगे चल रही थीं, तभी पूर्व ओलंपिक चैंपियन चेन युफेई को हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण मैच से रिटायर होना पड़ा। युफेई के रिटायर होते हीं सिंधु अपने पहले बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 फाइनल और दिसंबर 2024 के बाद अपने पहले बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल मुकाबले में पहुंच गईं।

मैच के बाद सिंधु ने कहा कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक के खिलाफ शुरुआती रैली से ही एकाग्रता बनाए रखना उनके गेम प्लान का मुख्य हिस्सा था। ओलंपिक डॉट कॉम से बात करते हुए सिंधु ने बताया, मैं बहुत खुश हूं कि मैं फाइनल में पहुंच गई हूं। मेरे लिए, पहले गेम से ही हर मैच बहुत मायने रखता था और आज का मैच खासकर, शुरू से ही फोकस करने के लिए बहुत जरूरी था, क्योंकि जब आप टॉप रैंक वाले खिलाड़ियों के साथ खेलते हैं, तो हर अंक मायने रखता है। पहला गेम जीतना सच में बहुत मायने रखता था। उन्होंने अपने कोच की सलाह को भी महत्वपूर्ण बताया। मैं पूरी तरह खेल पर केंद्रित थी। मेरे कोच कहते रहे, क्योंकि मैं पहले गेम में आगे चल रही थी और चेन यूफेई काफी करीब आ गई थी, इसलिए और ध्यान देना जरूरी था। कभी-कभी जब आप आगे चल रहे होते हैं और अंक गंवा देते हैं, तो आप अचानक निराश हो जाते हैं, यह सोचकर कि ये अंक क्यों जा रहे हैं। आपके दिमाग में बहुत सारी भावनाएं आती हैं। मेरे कोच कह रहे थे कि बस अगले पॉइंट पर फोकस करो। इससे सच में मदद मिली।

सिंधु के लिए शुरुआती गेम मुकाबले का सबसे अहम दौर साबित हुआ। शुरुआत में आगे निकलने के बाद, सिंधु को दुनिया की नंबर 4 खिलाड़ी के जोरदार मुकाबले का सामना करना पड़ा, इससे पहले कि वह सेट 21-19 से जीत जातीं, जिससे उन्हें दूसरे गेम में अहम बढ़त मिल गई। भारतीय खिलाड़ी ने चोट के कारण चेन के रुकने तक दूसरे गेम को कैसे खेला, इसका वर्णन करते हुए कहा कि दूसरे सेट में भी, लंबी रैलियां हुईं, खासकर पहले गेम में - वो लंबी रैली जो हुई और मैंने उसे जीत लिया, वो मेरे लिए वो अंक पाने के लिए बहुत जरूरी थी। दूसरे गेम में भी, मेरे लिए पहले पॉइंट से ही फोकस करना जरूरी था क्योंकि वो काफी बराबर चल रहा था। भले ही मैं 2 पॉइंट से आगे थी, वो कवर कर रही थी और वापस आ रही थी। 11 पॉइंट के बाद, मैं 3-4 पॉइंट की लीड बनाए हुए थी। दुर्भाग्य से, उसे रिटायर होना पड़ा। सिंधु का रविवार को फाइनल में जापान की अकाने यामागुची से सामना होगा।

चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स में विश्व चैंपियन डी गुकेश को फिरोजा ने हराया

चेन्नई। चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स 2026 शतरंज प्रतियोगिता के दूसरे दौर में फ्रांस के ग्रैंडमास्टर अलीरेजा फिरोजा ने मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश को 69 चाल तक चले रोमांचक मुकाबले में हराकर बड़ा उलटफेर किया। इस जीत के साथ फिरोजा ने लगातार दूसरी जीत दर्ज करते हुए दो अंकों के साथ प्रतियोगिता में एकल बढ़त हासिल कर ली। पहले दौर में काले मोहरों से भारतीय ग्रैंडमास्टर एम. प्रणेश को मात देने वाले अलीरेजा फिरोजा ने दूसरे दौर में भी शानदार खेल का प्रदर्शन किया। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने लंबे समय तक कड़ा मुकाबला किया, लेकिन अंतत: उन्हें 69 चालों के बाद हार का सामना करना पड़ा। इस परिणाम ने टूर्नामेंट की अंक तालिका को रोचक बना दिया है।

प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे अन्य भारतीय खिलाड़ियों ने भी मजबूत प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ संतुलित प्रदर्शन किया। ग्रैंडमास्टर एम. प्रणेश, अर्जुन एरिगेसी और निहाल सरीन ने अपने से अधिक रेटिंग वाले खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबले ड्रॉ कर महत्वपूर्ण आधा-आधा अंक हासिल किया। इन परिणामों से भारतीय खिलाड़ियों की आगे की चुनौती बरकरार है। आठ खिलाड़ियों के बीच खेले जा रहे इस प्रतिष्ठित डबल राउंड-रॉबिन क्लासिकल टूर्नामेंट में देश और विदेश के शीर्ष ग्रैंडमास्टर्स हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता की कुल पुरस्कार राशि 75 लाख रुपये निर्धारित की गई है। इसके अलावा खिलाड़ियों को फिडे सर्किट के महत्वपूर्ण अंक भी मिलेंगे, जो भविष्य की प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए बेहद अहम माने जाते हैं।

दूसरे दौर के बाद अलीरेजा फिरोजा लगातार दो जीत के साथ सबसे आगे हैं, जबकि अन्य खिलाड़ी अगले दौर में वापसी की कोशिश करेंगे। विश्व चैंपियन डी गुकेश के लिए यह हार निश्चित रूप से झटका है, लेकिन प्रतियोगिता अभी शुरुआती चरण में होने के कारण उनके पास वापसी के पर्याप्त अवसर मौजूद हैं।

लॉर्ड्स में कोहली-रोहित की जोड़ी रचेगी इतिहास, साथ खेलेंगे 400वां इंटरनेशनल मुकाबला

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच वनडे सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में रविवार को खेला जाना है। इस निर्णायक तीसरे वनडे में मैदान पर उतरने के साथ ही भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गज खिलाड़ी, विराट कोहली और रोहित शर्मा, एक साथ एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने जा रहे हैं। यह जोड़ी भारत की ओर से 400वां अंतरराष्ट्रीय मुकाबला एक साथ खेलेगी, जो इस मुकाम तक पहुंचने वाली भारत की पहली जोड़ी बनेगी। यह दोनों इस खास लिस्ट में सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ की जोड़ी को पहले ही पीछे छोड़ चुके हैं, जिन्होंने भारत के लिए एक साथ मिलकर 391 मुकाबले खेले थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक साथ सबसे ज्यादा मैच खेलने का विश्व रिकॉर्ड श्रीलंका के पूर्व बल्लेबाज कुमार संगकारा और महेला जयवर्धने के नाम है, जिन्होंने एक साथ श्रीलंका के लिए 550 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले थे। इंग्लैंड के खिलाफ खेली जा रही वनडे सीरीज में रोहित शर्मा का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। वह दो एकदिवसीय मुकाबलों में अब तक सिर्फ 37 रन ही बना सके हैं। दूसरे वनडे में 47 गेंदों का सामना करने के बाद रोहित महज 26 रन ही बना सके थे और अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे थे। रोहित के भविष्य को लेकर भी कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं, यहाँ तक कि कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, लॉर्ड्स वनडे को रोहित के करियर का आखिरी मैच बताया जा रहा था। हालांकि, बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने सभी अफवाहों को पूरी तरह से खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि रोहित अभी भी टीम की योजनाओं का हिस्सा हैं और आगे भी भारत का प्रतिनिधित्व करते रहेंगे।

दूसरी ओर, दूसरे वनडे में विराट कोहली अच्छी लय में दिखाई दिए थे। उन्होंने मुश्किल हालातों में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 66 गेंदों में 65 रनों की दमदार पारी खेली थी। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 8 चौके लगाए थे और टीम को संकट से निकालने का प्रयास किया। कोहली ने रोहित के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 60 रनों की अहम साझेदारी निभाई और फिर चौथे विकेट के लिए श्रेयस अय्यर संग मिलकर 67 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी कर पारी को संभाला। हालांकि, उनके आउट होने के बाद भारतीय बल्लेबाजी क्रम लड़खड़ा गया और टीम बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रही। लॉर्ड्स में होने वाला यह मुकाबला न केवल श्रृंखला का निर्णायक मैच है, बल्कि कोहली और रोहित की ऐतिहासिक जोड़ी के लिए भी एक मील का पत्थर साबित होगा, जहाँ दोनों खिलाड़ी अपनी फॉर्म और अनुभव से टीम को जीत दिलाना चाहेंगे।

सांदीपनि विद्यालय की प्रवेश प्रक्रिया सही पाई गई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश को लेकर जनसुनवाई एवं सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों की शुक्रवार को विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्रीमती मोनिका पटेल के निर्देशन में विस्तृत जांच की गई। जांच के दौरान शिकायतकर्ता पालक, विद्यालय के प्राचार्य डॉ. युवराज राहंगडाले, उपप्राचार्य साजिद मोहिस तथा विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय से सहायक ग्रेड-3 अपूर्व बेल उपस्थित रहे। इस दौरान सभी शिकायतकर्ताओं की बात गंभीरता से सुनी गई और प्रत्येक प्रकरण का बिंदुवार परीक्षण किया गया। जांच के दौरान पालकों को शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित सांदीपनि विद्यालय की प्रवेश नीति की जानकारी दी गई। विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने प्रवेश प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए प्राचार्य द्वारा अपनाई गई पारदर्शी एवं सावधानीपूर्ण प्रक्रिया की सराहना की। प्राचार्य डॉ. युवराज राहंगडाले ने बताया कि विद्यालय में निर्धारित क्षमता से अधिक प्रवेश के लिए आवेदन प्राप्त हुए थे। उपलब्ध रिक्तियों के अनुसार केवल हिन्दी माध्यम की कुछ कक्षाओं में ही पालकों की सहमति से प्रवेश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि शहर के मध्य स्थित सांदीपनि विद्यालय में निर्धारित क्षमता से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जिसके कारण अतिरिक्त प्रवेश देना संभव नहीं है।

जांच के दौरान यह स्पष्ट किया गया कि विद्यालय में प्रवेश की प्रक्रिया शिक्षा विभाग के निर्धारित नियमों एवं प्रवेश नीति के अनुरूप अपनाई गई है।

बीसीसीआई ने रोहित शर्मा के संन्यास की अटकलों को खारिज किया

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने रोहित शर्मा के वनडे क्रिकेट भविष्य को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगा दिया है। सैकिया ने स्पष्ट किया है कि इंग्लैंड के खिलाफ 19 जुलाई को लॉर्ड्स में होने वाला तीसरा और आखिरी वनडे रोहित शर्मा का आखिरी मुकाबला नहीं होगा। हालांकि, बीसीसीआई के बयान के बावजूद, रोहित के फैंस और क्रिकेट विश्लेषकों के बीच उनके भविष्य को लेकर संशय अभी भी बरकरार है। सैकिया ने हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में कहा, मैं जोर देकर कहना चाहता हूं कि ऐसी कोई चर्चा नहीं हो रही है कि रोहित रविवार को लॉर्ड्स पर अपना आखिरी मैच खेलेगा। रोहित भारतीय वनडे टीम का नियमित सदस्य है और जब तक टीम की योजनाओं का हिस्सा है, देश के लिए खेलता रहेगा। दूसरे शब्दों में, लॉर्ड्स वनडे उनका आखिरी मैच नहीं है। ये बयान उन खबरों के बाद आया है, जिनमें दावा किया गया था कि लॉर्ड्स का मैच रोहित के करियर का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला हो सकता है क्योंकि चयनकर्ताओं ने उन्हें 2027 वनडे विश्व कप की योजनाओं का हिस्सा नहीं माना है। रोहित पहले ही टी-20 और टेस्ट से संन्यास ले चुके हैं, जिससे उनके पास केवल वनडे प्रारूप ही बचा है। इन अटकलों को बल देने वाले कई कारण सामने आए हैं। कुछ रिपोर्ट्स में मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर और मुख्य कोच गौतम गंभीर द्वारा रोहित के भविष्य पर एकमत होने की बात कही गई, जिसमें विराट कोहली को उनकी मौजूदा फॉर्म और फिटनेस के कारण स्वत: चयन का हकदार माना गया, जबकि रोहित के मामले में ऐसी स्थिति नहीं है। इसके अतिरिक्त, रोहित की पिछली आठ वनडे पारियों में केवल 241 रन (औसत 30.1, स्ट्राइक रेट 88.6) और सिर्फ एक अर्धशतक उनके प्रदर्शन पर सवाल खड़े कर रहा है। ऐसी खबरें भी आईं कि रोहित के माता-पिता लॉर्ड्स मैच देखने लंदन पहुंच चुके हैं और यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ियों को महत्वपूर्ण अनुभव से वंचित न करने की बात भी सामने रखी गई।

जिम्बाब्वे दौरे पर बांग्लादेश को मिली पहली जीत

रोमांचक टी20 मुकाबले में मेजबान को 34 रनों से हराया

नई दिल्ली। जिम्बाब्वे के दौरे पर गई बांग्लादेश की क्रिकेट टीम को आखिरकार सफलता मिली है। एक टेस्ट मैच और तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज हारने के बाद, बांग्लादेश ने तीन मैचों की टी20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में मेजबान जिम्बाब्वे को 34 रनों से हरा दिया। यह जीत बांग्लादेश के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह इससे पहले एकमात्र टेस्ट मैच पारी और 85 रनों से हार चुकी थी, जबकि एकदिवसीय सीरीज जिम्बाब्वे ने 2-1 से अपने नाम की थी। टी20 सीरीज का पहला मुकाबला भी मेजबान टीम ने जीता था, जिससे बांग्लादेश पर दबाव बढ़ गया था। क्वींस स्पोर्ट्स क्लब, बुलावेयो में शुक्रवार को खेले गए इस दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरे बांग्लादेश की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 186 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। बांग्लादेश की ओर से सलामी बल्लेबाज सैफ हसन ने 55 रन और तनजीद हसन तमीम ने 58 रन की शानदार अर्धशतकीय पारियां खेलीं। इसके अलावा, यासिर अली ने 22 रन और मोहम्मद सैफुद्दीन ने अंत में तेजतर्रार 31 रन (10 गेंदों में 310 की स्ट्राइक रेट से) बनाए, जिससे टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचने में मदद मिली। जिम्बाब्वे के गेंदबाजों में नवारगा को दो, सिकंदर राजा को एक और ब्रैड इवांश को दो विकेट हासिल हुए। 187 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उनके कोई भी बल्लेबाज अर्धशतक नहीं बना सका। कप्तान सिकंदर राजा ने 28, रयान बर्ल ने 29 और ब्रैड इवांश ने 25 रनों की पारी खेली, लेकिन वे टीम को जीत की दहलीज तक नहीं पहुंचा सके। पूरी जिम्बाब्वे की टीम 19.4 ओवर में 152 रनों के स्कोर पर ही सिमट गई। बांग्लादेश की ओर से गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। मेहंदी हसन ने चार ओवर में 24 रन देकर तीन विकेट लिए, जबकि रिशाद हुसैन ने चार विकेट हासिल किए। नाहिद राणा और मोहम्मद सैफुद्दीन ने एक-एक विकेट लिया, और सैफ हसन ने भी एक विकेट चटकाया। मोहम्मद सैफुद्दीन को उनके हरफनमौला प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। उन्होंने बल्लेबाजी में 31 रन बनाने के अलावा गेंदबाजी में भी 4 ओवर में 36 रन देकर एक विकेट हासिल किया। इस जीत के साथ बांग्लादेश ने टी20 सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली है, जिससे तीसरा और आखिरी मुकाबला अब निर्णायक साबित होगा।

भारत के लिए मेडल जीतने वाले सबसे युवा और उम्रदराज खिलाड़ी

नई दिल्ली । कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का रोमांच 23 जुलाई से शुरू होने जा रहा है, जहाँ भारत के कुल 125 एथलीट स्कॉटलैंड के ग्लासगो में देश के लिए पदक जीतने का लक्ष्य रखेंगे। इन खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने हमेशा बेहतरीन प्रदर्शन किया है और कई यादगार पल बनाए हैं। आइए आपको भारत के लिए कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक जीतने वाले कुछ सबसे युवा और सबसे उम्रदराज खिलाड़ियों के बारे में बताते हैं, जिन्होंने अपने खेल से देश का नाम रोशन किया। भारत के लिए पदक जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ियों में अनीश भनवाला का नाम सबसे ऊपर आता है। उन्होंने 2018 के कॉमनवेल्थ गेम्स में शूटिंग में गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रचा था। अनीश ने 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में यह उपलब्धि हासिल की थी, जो उनके असाधारण प्रतिभा का प्रमाण है। मनु भाकर, एक और उभरती हुई स्टार शूटर, भारत के लिए पदक जीतने वाली दूसरी सबसे युवा खिलाड़ी रही हैं। उन्होंने भी 2018 के गोल्ड कोस्ट कॉमनवेल्थ गेम्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीता था। मनु ने मात्र 16 साल और 10 दिन की उम्र में 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में गोल्ड पर निशाना साधा था। 2018 के इन्हीं खेलों में, मेहुली घोष ने 17 साल की उम्र में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में सिल्वर मेडल जीतकर देश को गौरवान्वित किया था, और वह तीसरी सबसे युवा पदक विजेता बनीं। हाल ही में, बर्मिंघम में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में, जेरेमी लालरिनुंगा ने 19 साल की उम्र में वेटलिफ्टिंग में गोल्ड मेडल अपने नाम किया था। उन्होंने 67 किलोग्राम वर्ग में अपनी ताकत का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता।

दूसरी ओर, कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के लिए पदक जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी सुनील बहादुर हैं। उन्होंने 45 साल की उम्र में 2022 के कॉमनवेल्थ गेम्स में लॉन बॉल्स के खेल में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल हासिल किया था। यह उपलब्धि उनके अनुभव, दृढ़ता और खेल के प्रति समर्पण का प्रतीक है, और उन्होंने साबित किया कि उम्र सिर्फ एक संख्या है जब जुनून और मेहनत साथ हो। इन सभी खिलाड़ियों ने अपनी उम्र और अनुभव की परवाह किए बिना देश के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बने हैं।

commonwealth games
GLASGOW 2026

कुंबले ने किया जो रूट की जमकर तारीफ

कार्डिफ। पूर्व भारतीय स्पिनर अनिल कुंबले का मानना है कि इंग्लैंड के लिए अनुभवी बल्लेबाज जो रूट का असर वैसा ही है जैसा भारतीय क्रिकेट में विराट कोहली और रोहित शर्मा का है। रूट ने दूसरे वनडे में शानदार नाबाद 99 रन की पारी खेलकर मेजबान टीम को 4 विकेट से जीत दिलाई और सीरीज 1-1 से बराबर करने में मदद की थी। रूट ने सोफिया गार्डन्स में 234 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 133 गेंदों पर नाबाद 99 रन बनाए। अनुभवी ओपनर शतक से सिर्फ एक रन दूर रह गए क्योंकि गस एटकिंसन ने 35 गेंदें बाकी रहते हुए विजयी बाउंड्री लगाई थी। रूट की पारी पर बात करते हुए कुंबले ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान के पारंपरिक वनडे अंदाज और दबाव झेलने की क्षमता पर जोर दिया। कुंबले ने कहा, इंग्लैंड के लिए जो रूट वैसे ही हैं जैसे भारत के लिए विराट कोहली और रोहित शर्मा। रूट उस इंग्लैंड टीम में एकमात्र ऐसे बल्लेबाज हैं जो अभी भी पुराने वनडे माइंडसेट के साथ खेलते हैं। दूसरे बल्लेबाज शुरू से ही आक्रामक खेल रहे थे, लेकिन रूट ने समय लिया, पारी को संभाला और लक्ष्य का पीछा करते हुए शांति बनाए रखी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने कहा, स्ट्राइक रोटेट करने और गैप ढूंढने की उनकी क्षमता उन्हें बेहद भरोसेमंद बनाती है। आप जानते हैं कि वह गलत समय पर जोखिम भरा शॉट नहीं खेलेंगे। खेल की ऐसी समझ बहुत कीमती होती है।

कुंबले ने रूट के अंदाज की तुलना इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक से की और कहा कि हालात में आक्रामकता के बजाय धैर्य की जरूरत थी। उन्होंने कहा, हैरी ब्रूक और जो रूट के बीच अंतर साफ था। ब्रूक ने ऐसे हालात में टी20 शॉट खेलने की कोशिश की जो इसके अनुकूल नहीं थे, जबकि रूट ने वनडे बल्लेबाजी का बेहतरीन नमूना पेश किया। भारत के पूर्व कोच ने रूट की बल्लेबाजी की सोच की तुलना कोहली और रोहित से भी की और बिना अनावश्यक जोखिम उठाए लगातार रन बनाने की क्षमता के लिए तीनों की तारीफ की।

सब नागरिक समान
सबको सम्मान
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
समानता और न्याय की भावना को समर्पित
मध्यप्रदेश
मंत्रिपरिषद्
बैठक
अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
19 जुलाई 2026
जगदीशपुर, जिला भोपाल
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार सभी वर्गों के साथ संतुलन बनाते हुए समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। प्रदेश की जनहितैषी सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।
- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
समान नागरिक संहिता
सभी जाति, धर्म या वर्ग के नागरिकों के लिए एक समान कानून सुनिश्चित होंगे
सभी पारंपरिक सांस्कृतिक विविधताएं, धार्मिक रीति-रिवाज पूरी तरह सुरक्षित होंगे
विवाह, तलाक, भरणपोषण, उत्तराधिकार जैसे मामलों में अब सभी को एक समान कानूनी सुरक्षा मिलेगी
जुबानी, एकतरफा और अनौपचारिक तलाक पूरी तरह गैर-कानूनी और दंडनीय होंगे
बहुविवाह पर पूरी तरह रोक एवं विवाह और तलाक पर पंजीयन अनिवार्य होगा
लिव-इन रिलेशनशिप का पंजीयन अनिवार्य
माता-पिता की वैवाहिक स्थिति से परे सामान्य बच्चों की तरह जैविक, दत्तक, सेरोगेसी या एआरटी से जन्मे बच्चों को समान कानूनी मान्यता
जनजातीय संस्कृति और जीवन शैली का सम्मान करते हुए प्रदेश की भील, गोंड, कोरकू, बैगा, सहरिया और भारिया जैसी जनजातियों पर यह कानून लागू नहीं होगा
D11063/26
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी/2026

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

जमीन बिक्री के रुपए के विवाद में छोटे भाई ने बड़े भाई पर किया हमला -सिर फोड़ा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम गर्रा में जमीन बिक्री के रुपए के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। छोटे भाई ने बड़े भाई के सिर पर सेंटरिंग की लकड़ी से हमला कर उसे घायल कर दिया। घायल युवक नवेश पिता रविंद्र गौवने 31 वर्ष को डायल112 की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उसका उपचार किया गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जानकारी के अनुसार ग्राम गर्रा वार्ड क्रमांक 9 निवासी नवेश गोवने ड्राइविंग का कार्य करता है। परिवार में चार भाई-बहन हैं। नवेश सबसे बड़ा है ।जबकि उसका छोटा भाई राकेश गोवने है। जो पिछले 10-12 वर्षों से अलग रह रहा है। बताया गया है कि दोनों भाइयों के बीच जमीन बिक्री से मिले रुपयों के बंटवारे को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था।

17 जुलाई की रात करीब 8 बजे नवेश घर में सो रहा था। इसी दौरान राकेश घर पहुंचा और विवाद करने लगा। शोर सुनकर नवेश जैसे ही बाहर निकला ।राकेश ने सेंटरिंग की लकड़ी से उसके सिर पर हमला कर दिया। वार लगने से नवेश घायल होकर गिर पड़ा। उसकी चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव किया। लोगों को आता देख राकेश मौके से फरार हो गया।

घटना की सूचना डायल 112 को दी गई। डायल 112 की सहयोग से घायल नवेश को प को जिला अस्पताल लेकर पहुंची ।उपचार के बाद अस्पताल पुलिस ने घायल नवेश का बयान दर्ज कर तहरीर कोतवाली थाना भेज दी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जमीन बिक्री के रुपयों के विवाद के चलते वारदात को अंजाम दिया गया। कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बस स्टैंड में हुई चोरी का खुलासा, मजदूरों की मेहनत की कमाई उड़ाने वाला एक आरोपी गिरफ्तार

महाराष्ट्र से लौटे मजदूरों को दोस्ती कर शराब पिलाई, फिर नकदी लेकर फरार हुये थे बदमाश

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शहर के बस स्टैंड स्थित यात्री प्रतीक्षालय से मजदूरों की मेहनत की कमाई चोरी करने के मामले में कोतवाली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। घटना के महज कुछ दिनों के भीतर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 70 से 80 हजार रुपये बरामद किए हैं, जबकि वारदात में शामिल दूसरा आरोपी अभी भी फरार है, जिसकी तलाश लगातार जारी है। पुलिस का कहना है कि फरार आरोपी की गिरफ्तारी के बाद ही चोरी गई पूरी रकम और पूरे घटनाक्रम का खुलासा हो सकेगा।

कोतवाली थाना प्रभारी अजय गुर्जर ने बताया कि यह घटना 14 और 15 जुलाई की दरमियानी रात की है। प्रार्थी सोनू सिंह पिता मिन्नूलाल विश्वकर्मा, निवासी ग्राम लटरा, जिला मंडला, अपने चार-पांच साथियों के साथ महाराष्ट्र के नागपुर क्षेत्र में मजदूरी का कार्य कर एक वर्ष बाद अपने घर लौट रहा था। सभी मजदूरों के पास लंबे समय की मेहनत की कमाई नकद रूप में थी। रात्रि लगभग 10 से 11 बजे के बीच सभी मजदूर बालाघाट बस स्टैंड पहुंचे, लेकिन उस समय मंडला के लिए कोई बस उपलब्ध नहीं थी। मजबूरी में सभी ने रात यात्री प्रतीक्षालय में बिताने का निर्णय लिया। इसी दौरान उनकी मुलाकात बस स्टैंड पर मौजूद परवेज उर्फ पखेश शेंडे, पिता बबली उर्फ राजेंद्र शेंडे, निवासी बालाघाट के वार्ड क्रमांक-13 से हुई। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पहले मजदूरों से दोस्ती की, बातचीत कर उनका विश्वास जीता और फिर उनके साथ शराब का सेवन किया। देर रात

सभी मजदूर गहरी नींद में सो गए। इसी दौरान आरोपी परवेज और उसके एक अन्य साथी ने मजदूरों के बैग और जेबों में रखे नकद पर हाथ साफ कर दिया और मौके से फरार हो गए। अगली सुबह जब मजदूरों की नींद खुली तो उनके बैग और नकद गायब थे। इसके बाद 15 जुलाई को सोनू सिंह और उसके साथियों ने कोतवाली थाने पहुंचकर चोरी की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में उन्होंने बताया कि उनके करीब दो से ढाई लाख रुपये चोरी हो गए हैं, जो उन्होंने महाराष्ट्र में मजदूरी कर कमाए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की।

बस स्टैंड क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज, संदिग्धों की गतिविधियों और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी परवेज उर्फ पखेश शेंडे को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान उसके कब्जे से करीब 70 से 80 हजार रुपये बरामद किए गए हैं। पुलिस का कहना है कि वारदात में शामिल दूसरा आरोपी अभी फरार है और उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। थाना प्रभारी अजय गुर्जर ने बताया कि पुलिस फरार आरोपी की तलाश में जुटी है। उसके पकड़े जाने के बाद चोरी गई शेष राशि की बरामदगी और पूरे मामले का खुलासा होने की संभावना है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपियों ने चोरी की रकम कहां और किस प्रकार खर्च या छिपाई है। गौरतलब है कि इस घटना के सामने आने के बाद शहर के बस स्टैंड स्थित यात्री प्रतीक्षालय की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े हुए थे। स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने आरोप लगाया था कि रात के समय बस स्टैंड परिसर में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है, जबकि यात्रियों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिस गश्त नहीं होती। साथ ही प्रतीक्षालय परिसर में सीसीटीवी कैमरों की संख्या भी पर्याप्त नहीं है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने प्रशासन से बस स्टैंड और यात्री प्रतीक्षालय में स्थायी पुलिस गश्त, उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे, बेहतर प्रकाश व्यवस्था तथा संदिग्ध व्यक्तियों पर नियमित निगरानी रखने की मांग की है, ताकि भविष्य में बाहर से आने वाले यात्रियों और मजदूरों को इस तरह की घटनाओं का सामना न करना पड़े। पुलिस का कहना है कि सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए भी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

दक्षिण बैहर के वनांचल में समय पर इलाज नहीं मिला

कीटनाशक सेवन करने वाली महिला की जिला अस्पताल में मौत

वाहन सुविधा के अभाव में घंटों घर पर तड़पती रही महिला, देर से अस्पताल पहुंचने पर उपचार के दौरान तोड़ा दम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दक्षिण बैहर के वनांचल क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं और समय पर परिवहन नहीं मिलने की समस्या एक बार फिर सामने आई है। मलाजखंड थाना क्षेत्र की पाथरी चौकी अंतर्गत ग्राम गिडोरी निवासी एक

33 वर्षीय महिला की कीटनाशक सेवन के बाद उपचार के दौरान जिला अस्पताल बालाघाट में मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि वाहन उपलब्ध नहीं होने के कारण महिला को समय पर अस्पताल नहीं ले जाया जा सका ।जिससे उसकी हालत लगातार बिगड़ती गई। जिला अस्पताल पुलिस ने मृत्यु का मंगली बाई पति सनुक लाल मेरावी 33 वर्ष का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम गिडोरी निवासी मंगली बाई। अपने पति सनुकलाल के साथ खेती-किसानी कर परिवार का पालन-पोषण करती थी। परिवार में पति दो बेटियां, एक बेटा और वृद्ध सास हैं ।बताया गया कि 16 जुलाई को मंगली बाई बच्चों और सास के साथ घर पर थी। जबकि उसका पति खेत में कृषि कार्य करने गया था। शाम करीब 5 बजे जब सनुकलाल घर लौटा तो उसने देखा कि उसकी पत्नी उल्टियां कर रही है और उसके मुंह से कीटनाशक जैसी दुर्गंध आ रही थी। आशंका जताई गई कि उसने कीटनाशक का सेवन कर लिया है ।ग्रामीण क्षेत्र में तत्काल वाहन उपलब्ध नहीं होने के कारण परिजन उसी रात उसे अस्पताल नहीं ले जा सके और घरेलू उपचार करते रहे। महिला ने रात में भोजन भी किया, लेकिन कुछ देर बाद फिर उल्टी हो गई। अगले दिन 17 जुलाई को दोपहर बाद निजी वाहन की व्यवस्था होने पर उसे बिरसा अस्पताल ले गये ।जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया। शाम करीब 6 बजे 108 एंबुलेंस से उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के दौरान 18 जुलाई को दोपहर करीब 2:30 बजे उसकी मौत हो गई ।जिला अस्पताल पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर अग्रिम जांच के लिए प्रकरण मलाजखंड थाना भेज दिया है।

वनांचल में स्वास्थ्य सुविधाओं पर फिर उठे सवाल

इस घटना ने दक्षिण बैहर के वनांचल क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं और आपातकालीन परिवहन व्यवस्था की स्थिति पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। दूरस्थ गांवों में समय पर वाहन उपलब्ध नहीं होने से गंभीर मरीजों को घंटों इंतजार करना पड़ता है ।जिससे कई बार उनकी जान तक चली जाती है। ग्रामीण क्षेत्र में बेहतर एंबुलेंस एवं स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की सुविधा किया जाना अति आवश्यक हो गया है ताकि मरीजो को समय पर अस्पताल पहुंचाकर इलाज करवा सके।

तेज रफ्तार पिकअप ने मोटरसाइकिल को मारी टक्कर

नवविवाहित युवक गंभीर घायल- पत्नी बाल-बाल बची

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। परसवाड़ा थाना क्षेत्र में शनिवार को एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में मोटरसाइकिल सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जबकि उसकी पत्नी को मामूली चोटें आईं। घायल युवक सुरेश सिंह पिता लामुसिह धुर्वे 22 वर्ष ग्राम टेकाड़ी थाना लालबर्रा निवासी है ।जिसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार लालबर्रा थाना क्षेत्र के ग्राम टेकाड़ी निवासी सुरेश सिंह धुर्वे खेती-किसानी करता है। उसकी शादी करीब चार माह पहले ही धनमोतीन धुर्वे 20 से हुई है। 17 जुलाई को दोनों पति-पत्नी बैहर स्थित अपने रिश्तेदार के घर मेहमानी में गए थे। 18 जुलाई की सुबह दोनों मोटरसाइकिल से बैहर से अपने गांव टेकाड़ी लौट रहे थे। सुबह करीब 11 बजे परसवाड़ा से लामता मार्ग पर कुमन गांव के आगे कालापानी के पास सामने से तेज रफ्तार में आ रही एक पिकअप

ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों पति-पत्नी मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिर गए ।दुर्घटना में सुरेश सिंह के हाथ पैर एवं शरीर पर गंभीर चोटें आईं ।जबकि उसकी पत्नी धनमोतीन को मामूली चोटें लगीं। राहगीरों की मदद से दोनों को तत्काल परसवाड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद सुरेश सिंह की गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया ।जहां उसका उपचार किया जा रहा है ।सूचना मिलने पर परसवाड़ा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

आवश्यकता है
क्वार्क में पेज सेटिंग हेतु
कम्प्युटर ऑपरेटर की आवश्यकता है
संपर्क करें-बालाघाट एक्सप्रेस
पद्मेश सिटी केबल, काली पुतली चौक, बालाघाट

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :**9425138710**, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट